THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 266 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.2 2079 शनिवार, 10 दिसंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दो दिवसीय दौरे पर असम में मोहन भागवत

गुवाहाटी, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत दो दिवसीय दौरे पर असम आ रहे हैं। वह शनिवार यानि 10 दिसंबर को यहां पहुंचेंगे और 11 को गुवाहाटी के पास चंद्रपुर के हाजोंगबोडो में में आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। आरएसएस के उत्तरी असम के क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख किशोर शिवम ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरएसएस उत्तरी असम के चंद्रपुर के हाजोंगबोड़ी में विद्या भारती बहुउद्देशीय शैक्षिक परियोजना में आज से 11 दिसंबर तक तीन दिवसीय 'प्रेरणा शिविर' आयोजित कर रहा है। आगामी शताब्दी समारोह के मद्देनजर आरएसएस के कार्यों का विस्तार करने और इसके कार्यकर्ताओं को विकसित करने के लिए शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

मैंडूस से तमिलनाडु में तबाही

तटीय इलाकों में सैकड़ों पेड़ उखड़े, 13 जिलों में स्कूल बंद, चेन्नई से दर्जनभर फ़्लाइट्स कैंसिल

चेन्नई, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। साइक्लोन मैंडूस के चलते तमिलनाडु के तटीय इलाकों में जमकर बारिश हो रही है। तेज हवाओं और आंधी से सैकड़ों पेड़ उखड़ गए हैं। यहां 13 जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। इधर, चेन्नई में तेज बारिश और हवाओं की वजह से 13 फ़्लाइट कैंसिल करनी पड़ी हैं। हालात को देखते हुए चेन्नई में एनडीआरएफ को तैनात किया गया है।

मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार मैंडूस बंगाल की खाड़ी में वेस्ट से नॉर्थ वेस्ट की तरफ बढ़ रहा है। यह 9 दिसंबर की रात पुडुचेरी और श्रीहरिकोटा के बीच उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट को पार करेगा। उस वक्त हवा की रफ्तार 65-75 किमी प्रति घंटे होने का अनुमान है। साइक्लोन के तट से टकराने के दौरान हवा की रफ्तार बढ़कर 105 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

पुडुचेरी-कराईकल में स्कूल-कॉलेज बंद :

ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन कमिश्नर ने मैंडूस साइक्लोन के खतरे को देखते हुए लोगों से पेड़ों के आसपास अपनी गाड़ियां पार्क न करने को कहा है। सभी पार्क और प्ले ग्राउंड बंद करने के आदेश दे दिए गए हैं। साथ ही लोगों को शुक्रवार और शनिवार समुद्र के किनारे न जाने को कहा गया है। शिक्षा मंत्री ए नमस्सिवम ने कहा कि पुडुचेरी और कराईकल में सभी स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं।

आंध्र प्रदेश में साइक्लोन के असर से तेज बारिश :

तमिलनाडु के साथ मैंड्रोस के असर से आंध्र प्रदेश में भी तेज बारिश जारी है। शुक्रवार को प्रसिद्ध तीर्थ स्थान तिरुमाला तिरुपति में बारिश की वजह से अफरातफरी मच गई। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान बालाजी के दर्शन करने पहुंचते हैं। वे सभी बारिश से बचने के जतन करते नजर आए।

कोस्ट गार्ड तैयारी में जुटा :

इंडियन कोस्ट गार्ड ने चक्रवात के खतरे के बीच कई उपायों की शुरूआत की है। एक अधिकारी ने कहा कि राज्य प्रशासन ने समुद्र किनारे रह रहे लोगों के लिए अलर्ट जारी किया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों से स्थानीय प्रिंट, टेलीविजन और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरिए लोगों को लगातार अपडेट किया जा रहा है। इधर समुद्र में न जाने देने से नाराज लोग प्रदर्शन भी कर रहे हैं।

तूफान की रफ्तार कम हुई

मौसम विभाग ने कहा है कि तूफान से सबसे ज्यादा प्रभावित तमिलनाडु होगा। वहीं, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी में भी तेज बारिश की चेतावनी दी गई है। इससे पहले आईएमडी ने कहा था कि शुक्रवार सुबह तक मैंडूस के गंभीर होने और हवा की रफ्तार ज्यादा होने की आशंका थी। हालांकि बाद में तूफान अनुमान के मुकाबले धीमी रफ्तार से आगे बढ़ा और अब शुक्रवार रात को इसके तट से टकराने के आसार हैं।

समुद्र किनारे सभी दुकानें बंद कराई गईं :

चक्रवात की चेतावनी के कारण समुद्र किनारे सभी दुकानें बंद कर दी गईं, जबकि मछली पकड़ने वाली नौकाओं को सुरक्षा के मद्देनजर समुद्र तटों से दूर रखा गया है। इमरजेंसी के लिए समुद्र तट पर एम्बुलेंस भी तैनात की गई हैं। चक्रवाती तूफान मैंडूस पिछले 6 घंटों के दौरान 13 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ लगभग पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा, इसके बाद तूफान की रफ्तार तेज हो गई।

हैदराबाद में भी चक्रवात मैंडूस का प्रभाव हल्की बारिश की संभावना

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंगाल की खाड़ी में पूर्वोत्तर मानसून के पहले चक्रवाती तूफान मंडौस चक्रवात से शनिवार और सोमवार के बीच शहर में हल्की बारिश होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, चक्रवाती तूफान संभवतः लगभग उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और उत्तर तमिलनाडु, पुड्डुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों को पुड्डुचेरी और श्रीहरिकोटा के बीच ममल्लापुरम के बीच शुक्रवार मध्यरात्रि और शनिवार के शुरुआती घंटों के बीच एक चक्रवाती तूफान के रूप में पार करेगा।

जबकि सेरिलिंगमपल्ली, चारमीनार और रामचंद्रपुरम जैसी जगहों पर केवल बूंदा बांदी होने की संभावना है, एलबी नगर, हयातनगर, अंबरपेट, उप्पल, अलवल, सिकंदराबाद, और कुक्कटपल्ली सहित अन्य क्षेत्रों में बारिश हल्की हो सकती है। वैज्ञानिक सी प्रभारी, आईएमडी-हैदराबाद, श्रावणी ने बताया कि चक्रवाती तूफान के कारण तीन दिनों तक शहर में हल्की बारिश जारी रहेगी। इसी समय, आसमान में बादल छाए रहने के कारण दिन के तापमान में गिरावट आ सकती है जबकि रात के तापमान में थोड़ी वृद्धि होगी।

शिवाजी महाराज पर विवादित टिप्पणी

प्रधानमंत्री से मिले उदयनराजे भोसले

बोले मोदी को मामले की गंभीरता का एहसास

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा सांसद और शिवाजी महाराज के वंशज छत्रपति उदयनराजे भोसले ने शुक्रवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और मराठा यौद्धा पर महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की विवादास्पद टिप्पणी का मुद्दा उठाया।

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद मीडियो से बात करते हुए उदयनराजे ने कहा कि 23 नवंबर को हमने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था और आज भी आधिकारिक पत्राचार किया गया है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के संबंध में एक पत्र राष्ट्रपति सचिवालय से गृह मंत्री कार्यालय को भेजा गया है। भाजपा सांसद ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी को लेकर महाराष्ट्र के लोगों में रोष है, क्योंकि वह सभी के लिए आदर्श हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को मामले की गंभीरता का एहसास है।

उदयनराजे ने कहा कि प्रधानमंत्री ने खुद बैठक बुलाई थी। उन्होंने महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के राज्यसभा सांसदों को बुलाया था। वह पार्टी के संबंध में कुछ बिंदु साझा करना चाहते थे कि पार्टी को कैसे आगे बढ़ाया जाए। कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद पर उन्होंने कहा कि जब महाजन समिति की स्थापना हुई थी, तो यह तय किया गया था कि भाषा के आधार पर राज्यों का विभाजन होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं किया गया है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर कर्नाटक और महाराष्ट्र के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक करनी चाहिए।

सीएम योगी की बदमाशों को चेतावनी

चौराहे पर कोई बहन-बेटी को छेड़ेगा तो पुलिस अगले पर उसे ढेर कर देगी

कानपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को कानपुर पहुंचे। यहां वीएसएसडी कॉलेज ग्राउंड में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने बदमाशों को खुली चेतावनी दी। कहा, अब कोई अपराधी जो पहले एक चौराहे पर बहन-बेटी को छेड़ता हो। दूसरे चौराहे पर डकैती डालने का दुस्साहस करता हो। अब नहीं कर पाएगा क्योंकि सीसीटीवी कैमरा एक-एक गतिविधि को कैद करके रखेगा। योगी ने कहा, अगर किसी ने एक चौराहे पर शरारत की या डकैती डाली तो अगले चौराहे पर भागने से पहले ही वह सारी तस्वीरें कैद हो जाएंगी। अगले चौराहे पर पहुंचते-पहुंचते पुलिस उसको ढेर कर चुकी होगी। सीएम योगी ने कहा, कानपुर ने अपने उद्योग के लिए पहचान बनाई। कुछ लोगों की नजरें कानपुर पर रहीं और ये शहर दुर्व्यवस्था का शिकार हो गया। कानपुर की पहचान मोक्षदायनी के रूप में बनी। पीएम मोदी ने खुद कानपुर आकर गंगा में गिरने वाले सीसामऊ नाले को बंद कराया। नाले को सेल्फी पॉइंट में बदल दिया गया। नमामि गंगे परियोजना का सबसे क्रिटिकल पॉइंट कानपुर था। आज कह सकता हूं कि कानपुर में किए गए प्रयोग के बाद प्रयागराज में गंगा भी आचमन लायक हो गई है। >14

गैर-मुस्लिमों को एडमिशन देने वाले मदरसों की जांच के आदेश

एनसीपीसीआर ने सभी राज्यों को पत्र लिखा, एक महीने में रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखा है। इसमें उन्हें गैर-मुस्लिम बच्चों को प्रवेश देने वाले सभी मान्यता प्राप्त मदरसों की जांच का आदेश दिया गया है। इसके अलावा सभी अनमैप्ड मदरसों की मैपिंग करने के भी आदेश हैं। आयोग ने एक महीने में इसकी रिपोर्ट मांगी है।

एनसीपीसीआर के चेयरपर्सन प्रियांक कानूनगो की ओर से साइन किए गए पत्र में कहा गया है कि विभिन्न शिकायतों के मिलने के बाद यह नोट किया गया है कि गैर-मुस्लिम समुदाय के बच्चे गवर्नमेंट फंडेड/मान्यता प्राप्त मदरसों में जा रहे हैं। मदरसों में मुख्य रूप से बच्चों को धार्मिक शिक्षा दी जाती है। ये तीन प्रकार के होते हैं- मान्यता प्राप्त मदरसे, गैर मान्यता प्राप्त मदरसे और अनमैप्ड मदरसे।

आयोग के पत्र में कहा गया है कि हालांकि, यह भी पता चला है कि जिन मदरसों को सरकार की मान्यता प्राप्त हैं, वे बच्चों को धार्मिक और कुछ हद तक औपचारिक शिक्षा दोनों प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा आयोग को यह भी पता चला है कि कुछ राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारें उन्हें स्कॉलरशिप भी दे रही हैं।

यह भारत के संविधान के आर्टिकल 28(3) का उल्लंघन है। इसके मुताबिक, कोई भी एजुकेशनल इंस्टीट्यूट बच्चों को माता-पिता की परमिशन के बिना किसी भी धार्मिक इवेंट में जबरन शामिल नहीं कर सकता है। पत्र में कहा गया है कि भारत का संविधान बिना किसी भेदभाव के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने के लिए कहता है और सुनिश्चित करता है कि बच्चे औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए पड़ोस के स्कूलों में जाएं।

जांच रिपोर्ट में ये चीजें अनिवार्य

एनसीपीसीआर के अनुसार, जांच में ऐसे मदरसों में जाने वाले बच्चों का फिजिकल वेरिफिकेशन शामिल होना चाहिए। जांच के बाद, ऐसे सभी बच्चों को औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्कूलों में प्रवेश दिया जाए। इसके अलावा राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में सभी अनमैप्ड मदरसों की मैपिंग की जाए। जांच की रिपोर्ट 8 दिसंबर, 2022 से 30 दिनों के अंदर आयोग के साथ शेयर की जाए।

ट्रांसजेंडर भर्ती मामले में महाराष्ट्र सरकार से कोर्ट नाराज

मुंबई, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को गृह विभाग के तहत ट्रांसजेंडरों के लिए पद निर्मित करने के मामले में फटकारा है। चीफ जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा कि सरकार नींद में है और इस मुद्दे पर पिछड़ी हुई है। उन्होंने ट्रांसजेंडरों के लिए दो पद न रखे जाने पर नाराजगी जताई और जस्टिस दीपांकर ने पूरी भर्ती प्रक्रिया रोक देने की चेतावनी दी। गुरुवार को बेंच सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में राज्य प्रशासनिक ट्रिब्यूनल के आवेदन पत्र में ट्रांसजेंडरों के लिए प्रावधान करने के निर्देश को चुनौती दी गई है। पुलिस कांस्टेबल की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी होने के बाद ट्रांसजेंडर आर्य पुजारी ने ऑनलाइन फॉर्म करने की कोशिश की, >14

कॉलेजियम को पब्लिक डोमेन में नहीं डाला जा सकता : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कॉलेजियम की बैठक को सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत लाने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति एम.आर. शाह की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, सभी कॉलेजियम सदस्यों द्वारा तैयार और हस्ताक्षरित एक प्रस्ताव को ही अंतिम निर्णय कहा जा सकता है।

पीठ ने कहा कि यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि अंतिम निर्णय कॉलेजियम द्वारा उचित परामर्श के बाद ही लिया जाता है और परामर्श के दौरान कुछ निर्णय होते हैं, लेकिन कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया जाता है। कोई संकल्प नहीं लिया जाता है, यह नहीं कहा जा सकता है कि एक अंतिम निर्णय कॉलेजियम द्वारा लिया जाता है। पीठ ने कहा, कॉलेजियम एक बहु-सदस्यीय निकाय है जिसका निर्णय औपचारिक रूप से तैयार और हस्ताक्षरित किए जा सकने वाले संकल्प में शामिल होता है। उन्होंने कहा कि केवल अंतिम निर्णय को सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है। इसमें आगे कहा गया है कि कॉलेजियम में जिन बातों पर चर्चा हुई थी, उसे सार्वजनिक डोमेन में वह भी आरटीआई अधिनियम के तहत डालने की जरूरत नहीं है। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने एक्टीविस्ट अंजलि भारद्वाज की एक याचिका को खारिज कर दिया था जिसमें 12 दिसंबर, 2018 को आयोजित एक बैठक के संबंध में शीर्ष अदालत के कॉलेजियम के एजेंडे की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने 2 दिसंबर को रिटायर्ड जजों की आलोचना करते हुए कहा था, कॉलेजियम द्वारा पहले लिए गए फैसलों पर टिप्पणी करना उनके लिए एक फैशन बन गया है और मौजूदा कॉलेजियम प्रणाली को पटरी से नहीं उतारना चाहिए। शीर्ष अदालत ने जोर देकर कहा था कि कॉलेजियम सबसे पारदर्शी संस्था है। पीठ ने कहा कि वह इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहती कि शीर्ष अदालत के कुछ पूर्व न्यायाधीश, जो कभी उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम के सदस्य थे, अब इसके बारे में क्या कह रहे हैं। पीठ ने कहा, आजकल, (कॉलेजियम के) पहले के फैसलों पर टिप्पणी करना एक फैशन बन गया है, जब वे (पूर्व न्यायाधीश) कॉलेजियम का हिस्सा थे। इसने आगे कहा, हम उनकी टिप्पणियों पर कुछ नहीं कहना चाहते हैं। कॉलेजियम, जिसकी अध्यक्षता तत्कालीन सीजेआई रंजन गोगोई कर रहे थे और इसमें चार वरिष्ठतम न्यायाधीश जस्टिस लोकुर, ए.के. सीकरी, एस.ए. बोबडे और एन.वी. रमण ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में कुछ निर्णय लिए। हालांकि, विवरण वेबसाइट पर अपलोड नहीं किए गए थे। जनवरी 2019 में, कॉलेजियम ने अतिरिक्त सामग्रियों के आलोक में निर्णयों पर फिर से विचार किया।

हिमाचल सीएम के नाम पर कांग्रेस में घमासान

शिमला, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर कांग्रेस में घमासान शुरू हो गया है। हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह समर्थकों ने शुक्रवार को शिमला में पार्टी ऑब्जर्वर की गाड़ियां रोक दीं और जमकर नारेबाजी की। वे रानी साहिबा को सीएम बनाने की मांग कर रहे थे। इधर, एक बात जो चौंकाने वाली रही, वो यह कि राज्यपाल के पास सरकार बनाने का दावा पेश करने सिर्फ प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला, छत्तीसगढ़ के सीएम एवं ऑब्जर्वर भूपेश बघेल और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ही पहुंचे। आश्चर्यजनक रूप से इस दौरान हिमाचल कांग्रेस का कोई भी नेता या विधायक मौजूद नहीं था। कांग्रेस के लिए परेशानी का एक और सबब प्रचार समिति अध्यक्ष सुखविंदर सुक्खू बनते दिख रहे हैं। सुक्खू पार्टी विधायकों की मीटिंग के लिए अभी तक शिमला नहीं पहुंचे हैं। सूत्रों के मुताबिक, 18 विधायक भी उनके साथ हैं। सुक्खू भी मुख्यमंत्री बनने का दावा कर चुके हैं। उन्हें प्रतिभा सिंह का धुर विरोधी भी माना जाता है।

असम के सीएम बोले : भाजपा नहीं चाहती मुस्लिम कई शादियां करें

हम 25 बच्चे पैदा करने को तैयार, लेकिन खर्च अजमल उठाएंगे

मोरीगांव, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि उनकी सरकार चाहती है कि प्रवासी मुस्लिम के बच्चे मदरसों में पढ़कर जुनाब, इमाम बनने के बजाय डॉक्टर और इंजीनियर बनें।

अगर असमिया हिंदू परिवारों के डॉक्टर हैं तो मुस्लिम परिवारों के भी डॉक्टर होने चाहिए। कई विधायक ऐसी सलाह नहीं देते क्योंकि उन्हें 'पोमुवा' मुसलमानों के वोट चाहिए। सरमा मोरीगांव में एक जनसभा में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, हमारी नीति साफ है, हम सभी का विकास चाहते हैं। हम ये नहीं चाहते कि मुस्लिमों के बच्चे खासकर 'पोमुवा' मुस्लिम मदरसों में पढ़ने जाएं और वहां से 'जुनाब' और 'इमाम' बनकर निकलें। पूर्वी बंगाल या बांग्लादेश से आए बंगाली भाषी मुसलमानों को असम में 'पोमुवा मुस्लिम' कहा जाता है।

भाजपा नहीं चाहती मुस्लिम युवक कई शादियां करें :

बिस्वा ने लोकसभा सांसद बदरूद्दीन अजमल के उस बयान की भी आलोचना की, जिसमें उन्होंने हिंदुओं को कम उम्र में शादी करने और बच्चे पैदा करने की सलाह दी थी।

बिस्वा ने कहा, भारत में रहने वाले पुरुष को तीन-चार महिलाओं से शादी करने का अधिकार नहीं है जब तक वह पहली पत्नी को तलाक नहीं दे देता। अगर मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहनने के लिए कहा जाता है, तो लड़के भी ऐसा क्यों नहीं करते? मुस्लिम लड़कियां स्कूल में नहीं पढ़ सकतीं, लेकिन मुस्लिम पुरुष 2-3 महिलाओं से शादी कर सकते हैं। हम इसके खिलाफ हैं।

हम इस व्यवस्था को बदलना चाहते हैं। हमें मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए काम करना होगा।

पोस्टर नहीं लगाऊंगा, चाय नहीं पिलाऊंगा, 5 लाख के मार्जिन से जीतूंगा : गडकरी

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधानसभा चुनावों के नतीजे सामने आ चुके हैं। गुजरात में जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मे रिकॉर्ड जीत हासिल की, वहीं हिमाचल प्रदेश में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। चुनाव परिणामों के बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी ने कहा कि हम अगले चुनावों में न तो पोस्टर लगाएंगे, न ही चाय पानी का खर्च देंगे फिर भी जनता हमें वोट देगी। एजेंडा आजतक के मंच पर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि मैं भी राजनेता हूं, लोकसभा चुनाव लड़ता हूं। अभी 3.5 लाख वोट से आया हूं अगली बार 5 लाख से आऊंगा। उन्होंने कहा कि ये मेरा अंहकार नहीं है, काम के बदले ऐसा करूंगा। भाजपा नेता ने आगे कहा, जनता मालिक है, मैं ट्रस्टी हूं। देश के लिए काम होना चाहिए। >14

न्यूक्लियर प्लांट के लिए सिक्योरिटी सिस्टम

केंद्रीय मंत्री बोले, साइबर अटैक से बचने के लिए निगरानी की जाएगी

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। साइबर अटैक से देश के न्यूक्लियर पावर प्लांट सिस्टम्स (परमाणु ऊर्जा) को बचाने के लिए सिक्योरिटी सिस्टम बनेंगे। इसकी जानकारी केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में दी। सिंह ने कहा कि इसमें अथॉरिटी, एक्सेस कंट्रोल, स्ट्रिक्ट कंट्रोल और हर सिस्टम की निगरानी शामिल हैं।

उन्होंने ने कहा कि न्यूक्लियर पावर प्लांट सिस्टम इंटरनेट से अलग हैं और न ही इसकी पहुंच प्रशासनिक नेटवर्क तक है। हालांकि, अब न्यूक्लियर पावर प्लांट्स के लिए प्रशासनिक नेटवर्क को भी मजबूत किया जाएगा। इसके लिए कई योजना बनाई गई हैं। इनमें इंटरनेट और प्रशासनिक इंट्रानेट कनेक्टिविटी को सख्त करना, रिमूवेबल मीडिया पर बैन लगाना, वेबसाइट्स और आईपी को ब्लॉक करना जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट पर साइबर अटैक :

सिंह ने सितंबर 2019 में कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट के साइबर अटैक का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इसकी जांच कंप्यूटर एंड इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी एडवाइजरी ग्रुप (सीआईएसएजी)-डीएई और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-आईएन) जैसी नेशनल एजेंसियां ने की है।

ये सिक्योरिटी सिस्टम्स होंगे लागू

नेशनल एजेंसियां की सिफारिशों के आधार पर इंट्रानेट और इंटरनेट एक्सेस का फिजिकल सेपरेशन, इंटरनेट इस्तेमाल के लिए सिक्योर वर्चुअल ब्राउजिंग टर्मिनल, सिक्योर डेटा ट्रांसफर नियम, नए वेब एप्लिकेशन पोस्ट करने से पहले इंडिपेंडेंट सेक्योरिटी या एलएएन में परिवर्तन शामिल हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चरल आर्किटेक्चर, इंफोर्मेशन सेक्योरिटी पोस्चर की निगरानी के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है। तमिलनाडु के कुडनकुलम न्यूकलियर प्लांट पर साइबर अटैक हुआ था। न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने एक दिन पहले ऐसी किसी घटना से इनकार किया था। हालांकि, एक दिन बाद ही उसने मान लिया कि प्लांट के कंट्रोल सिस्टम में लगे कम्प्यूटरों पर वायरस से हमला किया गया था।

कर्नाटक-महाराष्ट्र विवाद: अमित शाह बोले

जल्द निकालेंगे इस समस्या का समाधान, कोल्हापुर के कलेक्टर का नया आदेश

मुंबई, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद के मुद्दे को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सुप्रिया सुले के नेतृत्व में शुक्रवार को संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की. शिवसेना यूबीटी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने बताया, 'कर्नाटक के मुख्यमंत्री के जो बयान आ रहे हैं उसको लेकर हमने गृह मंत्री अमित शाह से चर्चा की. उन्होंने कहा कि हम जल्द ही इस समस्या का समाधान निकालेंगे. हमें पूरी उम्मीद है कि महाराष्ट्र के हितों की रक्षा होगी.' इस बीच महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में 5 से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर 23 दिसंबर तक के लिए मनाही है. महाराष्ट्र पुलिस एक्ट की धारा 37 के तहत कोल्हापुर के कलेक्टर ने आदेश जारी किया है. महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद को लेकर कल महाविकास अघाड़ी के बड़े प्रदर्शन को देखते हुए यह आदेश जारी किया गया है. कन्नड़ समर्थक संगठन नम्मा कर्नाटक सेना ने महाराष्ट्र के साथ सीमा विवाद के मुद्दे पर बेंगलुरु के गांधीनगर में महाराष्ट्र बैंक के बाहर विरोध प्रदर्शन किया. बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया.

क्या है कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच सीमा विवाद का इतिहास

आजादी के बाद 1948 में मैसूर भारत का पहला राज्य बना. 1 नवंबर, 1973 को मैसूर का नाम बदलकर कर्नाटक कर दिया गया. उससे पहले 1956 में बीजापुर, धारवाड़, गुलबर्गा, बीदर के साथ बेलगाम जिले को तत्कालीन मैसूर राज्य की सीमाओं को बढ़ाने के लिए मैसूर राज्य में शामिल किया गया था. उस समय भाषा-वार क्षेत्रीय संरचना पर विचार किए बिना प्रशासनिक कार्यों को बदलने के लिए एक कानून पारित करके बेलगाम को मैसूर राज्य में शामिल किया गया था. महाराष्ट्र ने बेलगाम पर दावा किया था, जो तत्कालीन बॉम्बे प्रेसीडेंसी का हिस्सा था,

क्योंकि इसमें मराठी भाषी आबादी का एक बड़ा हिस्सा है. इसमें 814 मराठी भाषी गांवों पर भी दावा किया जो वर्तमान में कर्नाटक का हिस्सा हैं. इस फैसले का सीमावर्ती इलाकों में कड़ा विरोध हुआ. तभी से सीमा मुद्दे को लेकर मराठी भाषी लोगों का संघर्ष जारी है. उस समय केंद्र सरकार ने पातस्कर सिद्धांत के अनुसार सभी राज्यों के सीमा मुद्दे का समाधान किया था, जिसके अनुसार सीमा मुद्दे का समाधान 4 बिंदुओं के आधार पर किया गया था, भाषाई बहुमत, भौगोलिक निकटता, गांवों का तत्व और लोगों की इच्छा. आज भी भाषाई बहुमत के मुद्दे पर सीमाएं तय की जाती थीं, लेकिन बेलगाम सीमा के मामले में इस मुद्दे पर विचार नहीं किया गया. इसके बाद से ही यह विवाद बढ़ने लगा. 22 मई, 1966 को सेनापति बापट और उनके साथियों ने मुख्यमंत्री आवास के बाहर भूख हड़ताल की. इससे महाराष्ट्र में माहौल गरमा गया. सीमावाद के इस मुद्दे को इंदिरा गांधी के सामने लाया गया.

सेनापति बापट की भूख हड़ताल का संज्ञान लेते हुए तत्कालीन केंद्र सरकार ने पूर्व न्यायमूर्ति मेहर चंद महाजन की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग नियुक्त किया था. दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद उस समय तेज हुआ जब महाजन आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बेलगाम या बेलगावी को महाराष्ट्र राज्य में मिलाने की अनुशंसा नहीं की जा सकती है. इस तरह आयोग ने बेलगाम पर कर्नाटक के दावे को हरी झंडी दे दी. हालांकि, महाराष्ट्र ने इस रिपोर्ट को भेदभावपूर्ण और अतार्किक बताते हुए खारिज कर दिया था. आयोग ने निप्पानी, खानापुर और नांदगाड सहित 262 गांव महाराष्ट्र को और 247 गांव कर्नाटक को दिया.

महाराष्ट्र सरकार 2006 में मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई थी

सांसद प्रियंका चतुर्वेदी

महाराष्ट्र बेलगावी सहित 814 गांवों की मांग कर रहा था. यह मामला 2006 में एक बार फिर तब उठा जब महाराष्ट्र सरकार सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गई और बेलगाम पर अपना दावा ठोका. राज्य सरकार ने यह दावा किया है कि कर्नाटक के बेलगाम में रह रहे माराठी भाषी लोगों में असुरक्षा की भावना है, इसलिए इसे महाराष्ट्र में शामिल किया जाना चाहिए. यह मामला उस समय एक बार फिर चर्चा में आया जब कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने महाराष्ट्र के सांगली जिले के 40 गांवों पर अपना दावा ठोकने की बात कही. हालांकि, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि एक भी गांव महाराष्ट्र से बाहर नहीं जाने देंगे. उन्होंने कहा कि हम सीमा विवाद सुलझाना चाहते हैं न की बढ़ाना. उधर, उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कर्नाटक में मराठी बोलने वाले क्षेत्र को महाराष्ट्र में शामिल करने की मांग करेंगे.

महाराष्ट्र के मंत्री शंभुराज देसाई ने कहा है कि हम इसका श्रेष्ठ हल निकालने की कोशिश कर रहे हैं. सीमावर्ती 85 गांवों के लोगों को पूरी सुविधाएं दी जाएंगी. मंत्री देसाई ने बताया कि हमारी सरकार ने चंद्रकांत पाटिल व मुझे यह विवाद हल करने की जिम्मेदारी सौंपी है. हम इस विवाद को तेजी से हल करने के प्रयास कर रहे हैं. कर्नाटक सरकार ने यह विवाद पैदा किया है. देवेंद्र फडणवीस ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई से फोन पर बातचीत कर सीमा विवाद पर उनकी बयानबाजी के लिए निराशा जाहिर की थी.

सुप्रिया सुले

भूपेंद्र पटेल ने अपनी पूरी कैबिनेट के साथ मुख्यमंत्री पद से दिया इस्तीफा

सूरत, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात में 156 सीटें जीतकर बीजेपी ने इतिहास रच दिया है. इस ऐतिहासिक जीत के बाद नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है. इसी के मद्देनजर भूपेंद्र पटेल ने आज (9 दिसंबर) मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है. भूपेंद्र पटेल आज दोपहर 12 बजे के करीब राजभवन पहुंचे और राज्यपाल आचार्य देवव्रत को अपना इस्तीफा सौंपा.

बीजेपी की योजना है कि इसी सप्ताह शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जाए. पार्टी की ओर से अब विधायक दल की बैठक बुलाई जाएगी जिसमें विधायक दल का नेता चुना जाएगा. उम्मीद है कि पार्टी एक बार फिर से भूपेंद्रभाई पटेल की ताजपोशी करेगी. बीजेपी की ओर से 12 दिसंबर को शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया जा सकता है. शपथ ग्रहण के लिए तैयारियां शुरू हो चुकी हैं.

पीएम मोदी-शाह भी होंगे शामिल

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मौजूदा सीएम को ही फिर से सत्ता की बागडोर दी जाएगी. 12 तारीख को मुख्यमंत्री के साथ एक दर्जन से ज्यादा मंत्रियों को भी शपथ दिलाई जा सकती है. जानकारी के मुताबिक, शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को निमंत्रण भेज दिया गया है.

गुजरात प्रदेश अध्यक्ष ने दी जानकारी

गुजरात बीजेपी अध्यक्ष सीआर पाटिल ने ताजपोशी की तारीख का एलान कर दिया है. मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि 12 दिसंबर को दोपहर 2 बजे शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा. इस कार्यक्रम में पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल होंगे. कार्यक्रम कहां आयोजित किया जाएगा, अभी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है.

1.92 लाख से अधिक वोटों से जीते भूपेंद्र

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 1.92 लाख से अधिक मतों से हराया. उन्होंने घाटलोडिया सीट से लगातार दूसरी बार एतिहासिक जीत हासिल की है. चोरयासी सीट पर भी हार-जीत का अंतर दो लाख वोटों के करीब रहा. आठ सीट पर बीजेपी उम्मीदवारों की जीत का अंतर एक लाख से डेढ़ लाख वोट के बीच रहा.

ममता बनर्जी को इस सरकारी अस्पताल में ब्लड टेस्ट कराने से लगता है डर

कोलकाता, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। दौरे से लौटने के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सरकारी एसएसकेएम अस्पताल में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया. इस दौरान उन्होंने अपना एक अनुभन शेयर किया. ममता बनर्जी ने बताया कि उन्हें एसएसकेएम अस्पताल में ब्लड टेस्ट कराने में डर लगता है. ममता बनर्जी ने बताया, उन्हें कई बार एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन एक बार इंजेक्शन लगवाते वक्त उनका पूरा हाथ सूज गया था. दरअसल, पीजी एसएसकेएम में उनका बल्ड टेस्ट हुआ था. तब ब्लड लेते वक्त उनके हाथ से इतनी तेजी से खून निकला कि हाथ पूरा काला पड़ गया था. ममता बनर्जी ने कहा, ब्लड लेने का काम डॉक्टरों का नहीं होता है नर्सों का होता है. इसके बाद से वह एसएसकेएम अस्पताल में अपना ब्लड टेस्ट नहीं कराती हैं.

'भर्ती प्रकिया में अस्पताल समय न गंवाए'

ममता बनर्जी एसएसकेएम अस्पताल में दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं से भी खुश नजर नहीं आई. उन्होंने असंतोष जताते हुए कहा, अस्पताल में जब मरीज को भर्ती करने के लिये लाया जाता है तो भर्ती प्रक्रिया में काफी समय लग जाता है. समय गंवाने के बजाए ट्रॉमा केयर सेंटर में पहले मरीजों का इलाज करना चाहिए और बाद में भर्ती प्रक्रिया शुरू करना चाहिए. हमें एसएसकेएम अस्पताल पर गर्व है. ममता बनर्जी ने आगे कहा, अगर गर्भवती महिलाओं जैसे मरीजों को अन्य अस्पतालों में रेफर किया जाता है, तो उनकी दूसरे अस्पताल ले जाते समय लंबी यात्रा के दौरान मौत हो सकती है.

जरूरत के हिसाब से रखे स्टाफ

ममता बनर्जी ने अस्पताल के अधिकारियों से सेवाओं में सुधार के लिए और कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए भी कहा. रात की ड्यूटी के लिए वरिष्ठ चिकित्सकों की अस्पताल में ड्यूटी होनी चाहिए जिससे मरीजों को किसी प्रकार परेशानी का सामना न करना पड़े

पारिवारिक विवाद में आपा खो बैठी महिला

दोनों बेटियों को लगाई आग, छह साल की मासूम जिंदा जली

बेंगलुरू, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के कोलार जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां रहने वाली एक महिला ने पारिवारिक विवाद के चलते अपनी दो बेटियों को आग के हवाले कर दिया। इस घटना में एक बेटी की मौत हो गई है। पुलिस का कहना है कि मृतक की उम्र महज छह साल थी। वहीं दूसरी बेटी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, महिला की पहचान ज्योति के रूप में हुई है। वह कोलार जिले के मुलाबागिलु में रहती थी। सामने आया है कि महिला खुद को भी आग लगाने वाली थी। हालांकि, स्थानीय लोगों ने उसे रोक लिया। उधर, पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

राजोरी में मिले पाक गुब्बारे

पुलिस ने चलाया तलाशी अभियान

जम्मू, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला राजोरी में एक पाकिस्तानी गुबारे मिले हैं। जिले के चिंग्स क्षेत्र में पाकिस्तानी गुबारे मिले हैं। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने गुबारों के गुच्छे को कब्जे में ले लिया है। इनमें से एक गुब्बारे पर इंग्लिश में 'पीआई' लिखा है। गुब्बारों के साथ किसी तरह अन्य संदिग्ध सामग्री या हथियार आदि तो नहीं गिराया गया है,

सार्वजनिक शौचालय में मासूम की हत्या

कुकर्म की भी जताई जा रही आशंका

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सीमापुरी के झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र में दिल दहला देने वाली वारदात हुई है। यहां एक सार्वजनिक शौचालय में तीन साल के बच्चे का शव मिला है। पुलिस ने आशंका जताई है कि बच्चे के साथ कुकर्म करने के बाद उसकी हत्या की गई है। पुलिस ने बताया कि फोन से सूचना मिली थी कि सीमापुरी क्षेत्र के एक सार्वजनिक शौचालय में एक बच्चे का शव मिला है। मौके पर जाकर शव को कब्जे में लिया गया। शुरुआती जांच के आधार पर आशंका है कि बच्चे के साथ कुकर्म कर उसकी हत्या की गई है। पुलिस ने बताया कि शव के पास बच्चे का अंडरगारमेंट, बिस्किट का एक पैकेट और कुछ पैसे मिले। कोई बाहरी चोट नहीं मिली। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि मौत का सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा।

बुर्का पहनकर 4 मुस्लिम छात्रों को डांस करना पड़ा महंगा

प्रिंसिपल ने किया सस्पेंड, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

बेंगलुरु, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के एक इंजीनियरिंग कॉलेज ने एक कार्यक्रम में बुर्का पहनकर डांस करने वाले चार छात्रों को निलंबित कर दिया है। जानकारी के मुताबिक बुधवार को कॉलेज में छात्र संघ की ओर से एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें चार इंजीनियरिंग के चार छात्रों ने एक लोकप्रिय बॉलीवुड नृत्य गीत पर डांस किया था। यह मामला मंगलुरु के सेंट जोसेफ इंजीनियरिंग कॉलेज का है।

वीडियो हुआ था वायरल

यह मामला कर्नाटक के मंगलुरु में स्थित सेंट जोसेफ इंजीनियर कॉलेज में छात्र संघ के एक कार्यक्रम के दौरान सामने आया था। इस डांस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले को लेकर बढ़ते हंगामे के बीच. बुर्का पहनकर बॉलीवुड गाने पर डांस करने के वाले छात्रों को निलंबित कर दिया गया है। कॉलेज के प्रिंसिपल ने कहा कि यह स्वीकृत कार्यक्रम का हिस्सा नहीं था। कॉलेज उन गतिविधियों का समर्थन नहीं करता है, जो समुदायों के बीच सद्भाव को नुकसान पहुंचा सकता है।

कॉलेज ने बयान जारी किया

कॉलेज ने इस मामले को लेकर एक बयान जारी किया है। मंगलुरु के सेंट जोसेफ इंजीनियरिंग कॉलेज ने बयान में कहा कि कहा कि यह डांस मुस्लिम छात्रों द्वारा किया गया था। और कार्यक्रम छात्रसंघ द्वारा आयोजित किया गया था। बयान में साफ तौर पर कहा गया है कि किन छात्रों क इस मामले में नाम सामने आया है। वह छात्रसंघ उद्घाटन के अनौपचारिक कार्यक्रम के दौरान मंच पर चढ़ गए। यह स्वीकृत कार्यक्रम का हिस्सा नहीं था और इसमें शामिल छात्रों को लंबित जांच के लिए निलंबित कर दिया गया है।

स्वाति मालीवाल की मुश्किलें बढ़ीं

नियुक्तियों में गड़बड़ी के मामले में आरोप तय

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। डीसीडब्ल्यू में नियुक्तियों में अनियमितता के मामले में कोर्ट ने स्वाति मालीवाल पर आरोप तय कर दिया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने स्वाति मालीवाल, प्रोमिला गुप्ता, सारिका चौधरी और फरहीन मलिक के खिलाफ आरोप तय किया है। इन आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 120 बी के सेक्शन 13(1)(डी), 13(1)(2) समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज करते हुए कोर्ट ने कहा कि सभी चार आरोपियों के खिलाफ दृढ़ संदेह उत्पन्न होता है।

एंट्री करप्शन ब्यूरो के मुताबिक 11 अगस्त 2016 को पूर्व विधायक बरखा शुक्ला सिंह की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत में कहा गया कि दिल्ली महिला आयोग में नियमों को दरकिनार कर आम आदमी पार्टी से जुड़े लोगों को नियुक्त किया गया है। इसी शिकायत के आधार पर कार्रवाई हुई। शिकायत के साथ आम आदमी पार्टी से जुड़े 85 लोगों की लिस्ट दी गई थी जिनकी नियुक्ति महिला आयोग में होने का दावा किया गया था। शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद एंटी करप्शन ब्यूरो ने भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की थी जिसमें लोक सेवक द्वारा विश्वास का आपराधिक हनन और साजिश का आरोप भी लगाया गया था।

जांच में एंटी करप्शन ब्यूरो ने यह पाया कि 27 जुलाई 2015 को स्वाति मालीवाल को दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष नियुक्त करने के साथ ही प्रोमिला गुप्ता, सारिका चौधरी और फरहीन मलिक को सदस्य बनाया गया था। 6 अगस्त 2015 से एक अगस्त 2016 के बीच इनके कार्यकाल में आयोग में स्वीकृत 26 पदों की तुलना में 87 लोगों की नियुक्ति की गई थी।

उज्जैन में शिव मंदिर के बाहर लगी नंदी प्रतिमा को तोड़ा, हिंदू कार्यकर्ताओं ने थाने का किया घेराव

उज्जैन, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के उज्जैन में नई सड़क पर योगेश्वर टेकड़ी पर शिव मंदिर बना है। उसके बाहर लगी नंदी की प्रतिमा को कुछ लोगों ने क्षतिग्रस्त कर दिया था। इसकी जानकारी मिलते ही लोग जुटे और उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने कोतवाली थाने का घेराव किया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। नई प्रतिमा भी स्थापित करवाई गई है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक योगेश्वर टेकरी स्थित शिव मंदिर के पुजारी प्रकाश रावल ने यह शिकायत की थी कि बुधवार सुबह जब वह मंदिर के पट खोलने पहुंचे तब वहां उन्हें नंदी की प्रतिमा क्षतिग्रस्त मिली थी।

अनुराग ठाकुर ने गंवाई सभी 'अपनी विधानसभा सीटें'

जे.पी. नड्डा ने बचा लिए अपने इलाके

शिमला, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात विधानसभा चुनाव में चामत्कारिक प्रदर्शन कर दिखाया, लेकिन हिमाचल प्रदेश में सरकार गंवा बैठी. गौरतलब रहा कि केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र हमीरपुर में आने वाली पांचों विधानसभा सीटों पर बीजेपी की हार हुई, जबकि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र बिलासपुर में आने वाली तीनों विधानसभा सीटों पर बीजेपी को जीत मिली.

सुजानपुर सीट, जहां से अनुराग ठाकुर के पिता और पूर्व मुख्यमंत्री प्रेमकुमार धूमल चुनाव लड़ा करते थे, से कांग्रेस के प्रत्याशी ने 399 वोटों से जीत पाई. इस बार प्रेमकुमार धूमल को टिकट नहीं दिया गया था, और पार्टी तथा धूमल ने खुद ही कहा था उन्होंने रिटायर होने का फैसला किया है. भोरंज सीट पर बीजेपी को सिर्फ 60 वोटों से हार का सामना करना पड़ा. हमीरपुर विधानसभा सीट पर एक निर्दलीय उम्मीदवार की जीत हुई, जबकि बरसर और नादौन सीटों पर भी कांग्रेस प्रत्याशी जीते. उधर, जे.पी. नड्डा के गृहनगर बिलासपुर में तीनों विधानसभा सीटों पर बीजेपी प्रत्याशी जीते,

हालांकि जीत का अंतर काफी कम रहा. पहाड़ी राज्य में बीजेपी की हार के बाद अनुराग ठाकुर तुरंत ही पार्टी समर्थकों के निशाने पर आ गए, और सोशल मीडिया पर उन्हें पार्टी की अंदरूनी कलह के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जाने लगा. सूबे की 68 में से 21 सीटों पर बीजेपी के बागी प्रत्याशी चुनाव लड़े थे. उनमें से सिर्फ दो को जीत हासिल हुई, लेकिन बाकियों ने भी खासे वोट बटोर लिए, जो बागी उम्मीदवार के नहीं होने पर बीजेपी को मिल सकते थे. कुल मिलाकर, राज्य में तीन-तरफा गुटबाज़ी देखने के मिली - एक तरफ अनुराग

ठाकुर थे, एक तरफ जे.पी. नड्डा, और तीसरा गुट उन कार्यकर्ताओं का था, जो मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के वफादार हैं. कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में 40 सीटों पर जीत हासिल की है, जो बहुमत के आवश्यक आंकड़े (35) से ज़्यादा है, जबकि बीजेपी 25 सीटों पर सिमट गई है. आम आदमी पार्टी को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली. बीजेपी जीत के लिए पूरी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियों पर निर्भर कर रही थी, ताकि उन्हें रिकॉर्ड दूसरा कार्यकाल मिल जाए, क्योंकि अब तक हिमाचल प्रदेश की जनता हर पांच साल में सत्ता को बीजेपी और कांग्रेस के बीच बांटती रही है.

उमा भारती के भतीजे विधायक राहुल का निर्वाचन निरस्त, नामांकन पत्र में गलत सूचना देने का आरोप

जबलपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने नामांकन पत्र में गलत सूचना देने के मामले में टीकमगढ़ जिले की खरगापुर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक राहुल सिंह लोधी के निर्वाचन को निरस्त कर दिया। वह इस सीट से 2018 में विधायक चुने गए थे। राहुल मप्र की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के बड़े भाई हरवल सिंह लोधी के बेटे हैं। जस्टिस नंदिता दुबे की एकल पीठ ने पिछले महीने दिए आदेश में यह भी कहा कि राहुल का नामांकन पत्र स्वीकार करने वाले निर्वाचन अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

'खत्म हो रहा मोदी मैजिक, जीत के लिए करना पड़ा ध्रुवीकरण'

चुनाव नतीजे के बाद अधीर रंजन का हमला

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने दो राज्य और छह विधानसभा उपचुनाव के आए नतीजे के एक दिन बाद बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि अब मोदी मैजिक खत्म हो रहा है. अधीर रंजन ने कहा कि लद्दाख में चीनी सेना ने घुसपैठ की और आवास सुविधाओं के साथ 200 से अधिक आश्रय बनाए. अब, हमारी सेना को दूर के क्षेत्रों में गश्त करने की अनुमति नहीं है. अगर ऐसा ही चलता रहा तो सियाचिन ग्लेशियर में स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है. यह जरूरी है कि सरकार जी20 का जिक्र करने के बजाय भारत-चीन मुद्दे (संसद में) पर चर्चा करे. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने आगे कहा कि मोदी जी को इस चुनाव से सबक

लेना चाहिए , मोदी जी का मैजिक खत्म हो रहा है. उन्होंने आगे कहा कि तीन चुनाव लडे, एक में जीते है. गुजरात में घर घर गए, इतने विकासशील होने के बावजूद घर घर क्यों गए? साम्प्रदयिक ध्रुवीकरण करना पड़ा. मोदी जी का मैजिक उनसे दूर जा रहा है. उन्होंने आगे कहा कि अग्निवीर को ऐसे दिखाया तो अब हिमाचल में क्या हुआ? राहुल जी से इनकी मुकाबला 2024 में होगा. मोदी जी चाहते है वो हिंदुस्तान में गुरु बने बाकि सब चेला बने. उन्होंने आगे कहा कि मोदी जी राहुल गाँधी से डरते है. क्योंकि कोई सर उठा के अगर बात करता है तो वो है हमारे नेता राहुल गांधी है. गौरतलब है कि हिमाचल विधानसभआ में बीजेपी को कांग्रेस के सामने करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है. जबकि, उपचुनाव में भी हार मिली है. हालांकि, बीजेपी ने जहां मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गृह राज्य में 'ऐतिहासिक' जीत के साथ नया कीर्तिमान स्थापित किया. बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के गृह राज्य हिमाचल प्रदेश में करीबी लड़ाई के बाद कांग्रेस से हार गई और पर्वतीय राज्य ने लगभग चार दशकों से चली आ रही उस परंपरा को बरकरार रखा, जहां बीजेपी और कांग्रेस दोनों दलों को बारी-बारी से शासन करने का मौका मिलता रहा है.

कांग्रेस नेताओं ने हिमाचल प्रदेश में जीत का श्रेय अपनी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा को दिया। पार्टी की यह जीत उसका हौसला बढ़ाने वाली है. गुजरात में मोदी की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई और उन्होंने 31 चुनावी रैलियों को संबोधित कर अपने गृह राज्य में अपनी पार्टी के लिए जमकर प्रचार किया. राज्य में तीन-चौथाई से अधिक बहुमत हासिल कर भाजपा ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए.

सुविचार

जो कुछ करना चाहते हो उसे निश्चय चित्त से करो । सन्देह की तुला पर आरुढ होने की अपेक्षा नीचे रहना अच्छा है।

हैदराबाद में मेट्रो सेवाओं के विस्तार पर जोर : केसीआर

मेट्रो एयरपोर्ट कनेक्टिविटी के लिए सीएम ने आधारशिला रखी

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में और अधिक क्षेत्रों में मेट्रो सेवाओं का विस्तार करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि राज्य सरकार भविष्य में चरणबद्ध तरीके से मेट्रो परियोजना का विस्तार करेगी। मुख्यमंत्री ने माइंडस्पेस जंक्शन से राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे तक 31 किलोमीटर की दूरी तय करने वाले मेट्रो एयरपोर्ट कनेक्टिविटी के लिए शुक्रवार को यहां आधारशिला रखी। बाद में, हैदराबाद के बाहरी इलाके में राजेंद्रनगर के पास तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो सेवाओं के विस्तार की मांग बढ़ रही थी और राज्य सरकार भी अपनी सेवाओं का विस्तार करने की योजना बना रही थी। आउटर रिंग रोड (ओआरआर) भविष्य में भले ही केंद्र द्वारा समर्थन नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा कि हैदराबाद को सबसे अच्छा महानगरीय शहर माना जाता है जहां विभिन्न संस्कृतियों और विभिन्न स्थानों के लोग यहां आते हैं और शांति से रहते हैं और इसकी संस्कृति दुनिया में एक अनूठी है। सीएम ने कहा कि हैदराबाद का भारत के अन्य प्रमुख शहरों की तुलना में सुविधाओं के मामले में एक विशाल इतिहास है। केसीआर ने कहा कि बिजली आपूर्ति पहली बार 1912 में हैदराबाद में शुरू की गई थी, जबकि चेन्नई में इसे केवल 1927 में शुरू किया गया था। "तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, हैदराबाद को एक बिजली द्वीप के रूप में विकसित किया गया है। इसे स्टेट पावर ग्रिड और नेशनल पावर ग्रिड के साथ जोड़ा गया है। न्यूयॉर्क और लंदन जैसे शीर्ष शहरों में बिजली कटौती हो सकती है, लेकिन हैदराबाद में कोई बिजली कटौती नहीं होगी।" जैसे-जैसे शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है और हैदराबाद तीव्र गति से बढ़ने लगा है, बुनियादी ढांचा और अन्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार की ओर से एक बड़ी जिम्मेदारी है। मैं एमए एंड यूडी मंत्री के टी रामा राव से भविष्य के लिए एक कार्य योजना तैयार करने और बढ़ती आबादी के अनुरूप बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए परियोजनाओं को तैयार करने के लिए कह रहा हूं। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन देता हूं।

शर्मिला ने सीएम केसीआर की आलोचना की

कहा, तेलंगाना में असंतोष की आवाजों को दबा रहे हैं केसीआर

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी के संस्थापक-अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने आज यहां टैंकबंड में बीआर अंबेडकर की प्रतिमा के लिए एक प्रतिनिधित्व प्रस्तुत किया, जिसमें राज्य पुलिस द्वारा उनकी पदयात्रा की अनुमति से इनकार करने के फैसले का विरोध किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, शर्मिला ने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर देश में "कसाई" लोकतंत्र कर रहे हैं और कहा कि केसीआर तेलंगाना में असंतोष की आवाजों को दबा रहे हैं। उन्होंने सीएम से पूछा कि क्या सीएम पद पर रहते हुए उनकी आवाज दबाना उचित है? उन्होंने यह स्पष्ट किया कि वह लोगों की समस्याओं को उजागर करने के लिए अपनी पदयात्रा कर रही थीं और उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी पदयात्रा अब तक शांतिपूर्ण तरीके से की है और कोई कानून व्यवस्था की समस्या पैदा नहीं की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के "गुंडों" ने उनकी पदयात्रा के 3500 किलोमीटर पूरे होने के बाद उन पर और उनकी पार्टी के नेताओं पर हमला किया और कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं को पुलिस द्वारा टीआरएस पार्टी के नेताओं को छोड़ने के दौरान गिरफ्तार किया जा रहा था, जिन्होंने उन पर हमला किया था। उन्होंने कहा कि उनकी पदयात्रा जारी रखने के लिए उच्च न्यायालय से अनुमति लेने के बाद भी उन्हें पदयात्रा आयोजित करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर उच्च न्यायालय के फैसले का मजाक उड़ा रहे हैं और सीएम से पूछा कि अगर उन्होंने अपनी पदयात्रा जारी रखी तो उन्हें किस तरह का नुकसान होगा? शर्मिला ने आरोप लगाया कि सीएम ने कृषि ऋण माफी, डबल बेड रूम हाउस, हर घर को नौकरी, राज्य के अल्पसंख्यकों को 12 प्रतिशत आरक्षण और शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर महिलाओं को ऋण देने जैसे अपने वादों को पूरा नहीं किया। उन्होंने सोचा कि क्या लोकतंत्र में उन्हें बोलने का अधिकार नहीं है? उन्होंने आरोप लगाया कि जहां पूरे देश में भारतीय संविधान लागू है, वहीं तेलंगाना में मुख्यमंत्री केसीआर का संविधान लागू है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी के नेता इस तथ्य को पचा नहीं पा रहे हैं कि राज्य की एक महिला नेता उनके खिलाफ लड़ रही है और उनके भ्रष्ट आचरण को उजागर कर रही है।

बुद्धवनम को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार मिला

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक अद्वितीय बौद्ध थीम पार्क बुद्धवनम ने शुक्रवार को कोलकाता में आयोजित तीन दिवसीय 5वें एसोसिएशन ऑफ बुद्धिस्ट टूर ऑपरेटर्स इंटरनेशनल कन्वेंशन में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार जीता। सम्मेलन को 5वें अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध व्यापार मार्ट (आईबीटीएम) और बौद्ध सर्किट पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समानांतर आयोजित किया गया है। बांग्लादेश भूटान भारत नेपाल (बीबीआईएन) देशों के पर्यटन मित्र पुरस्कार- 2022 को बुद्धवनम परियोजना के विशेष अधिकारी मल्लेपल्ली लक्ष्मैया ने भिक्षु धम्म दीपा, अध्यक्ष, कोरिया-भारत मित्र संबंध संघ और डॉ. कौलेश कुमार, महासचिव (संस्थापक), एबीटीओ, से उद्घाटन सत्र के दौरान प्राप्त किया।

यह पुरस्कार बुद्धवनम पर्यटन परियोजना के माध्यम से बौद्ध संस्कृति को संरक्षित करने और बुद्ध के धम्म के प्रसार के लिए लक्ष्मैया द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की पहचान के लिए प्रस्तुत किया गया था।

इस अवसर पर, लक्ष्मैया ने बौद्ध विशेषज्ञ सलाहकार ई शिवनागी रेड्डी के साथ सम्मेलन में बुद्धवनम परियोजना पर एक प्रस्तुति दी। लक्ष्मैया ने कहा कि तेलंगाना राज्य पर्यटन विकास निगम और बुद्धवनम स्टाल का कई बौद्ध भिक्षुओं, ट्रैवल एजेंटों और कोरिया, थाईलैंड, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका के अधिकारियों ने दौरा किया है।

महाप्रबंधक ने नांदेड़ मंडल का वार्षिक निरीक्षण किया

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने अरुण कुमार जैन ने नांदेड़ मंडल के मनमाड-औरंगाबाद - जालना-परभणी खंड के बीच वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ उपिंदर सिंह, मंडल रेल प्रबंधक, नांदेड़ मंडल और मुख्यालय व मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी थे। श्री जैन ने निरीक्षण की शुरुआत मनमाड से की जिसमें उन्होंने टीटीई के विश्राम कक्ष व रनिंग रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने मनमाड में रनिंग रूम में अतिरिक्त क्यूबिकल्स का भी उद्घाटन किया और नांदेड़ डिवीजन में सिग्नल के स्थान पर एक पुस्तिका जारी की। उन्होंने नागरसोल रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया और स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की समीक्षा की। महाप्रबंधक ने नगरसोल में एक ओपन जिम, चिल्ड्रन पार्क और सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया। उन्होंने पौधारोपण कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। बाद में, महाप्रबंधक ने नागरसोल स्थित स्टाफ क्वार्टर का निरीक्षण किया और कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों से बातचीत की। उन्होंने खंड में एक रोड अंडर ब्रिज का भी निरीक्षण किया। महाप्रबंधक रोटेगांव रेलवे स्टेशन गए और सर्कुलेटिंग एरिया और स्टेशन मास्टर के कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने करंजगांव-पोतुल-दौलताबाद खंड में बड़े और छोटे पुलों और समपार फाटकों का निरीक्षण किया। बाद में, उन्होंने औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने उपलब्ध यात्री सुविधाओं की समीक्षा की और स्टेशन मास्टर के कार्यालय, क्रू लॉबी और सर्कुलेटिंग एरिया सहित स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन पर तकनीशियनों को विद्युत रखरखाव किट भी वितरित किए। इसके अलावा अरुण कुमार जैन ने करमाड रेलवे स्टेशन पर मियावाकी वृक्षारोपण का उद्घाटन किया। उन्होंने करमाड-बदनापुर खंड में समपार फाटकों का निरीक्षण किया और सुरक्षा कर्मचारियों से भी बातचीत की। महाप्रबंधक ने जालना रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने यात्री सुविधाओं की समीक्षा की और अधिकारियों के साथ आगे की विकास योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने जालना में कोच रखरखाव सुविधाओं (पिट लाइन) के चल रहे विकास का भी निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने जालना में स्वास्थ्य इकाई का दौरा किया और डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ बातचीत करते हुए उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा की। बाद में, उन्होंने जालना-कोडी सेक्शन में स्पीड टेस्ट किया। महाप्रबंधक ने सेलू और परभणी रेलवे स्टेशनों का भी विस्तृत निरीक्षण किया, उन्होंने यात्री सुविधाओं की समीक्षा की और पूरे स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, कई जनप्रतिनिधियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात की और यात्री सुविधाओं, ठहराव के प्रावधान, नई ट्रेनों की शुरूआत आदि के संबंध में अभ्यावेदन प्रस्तुत किया।

अपमानजनक टिप्पणी : मंगलहाट पुलिस ने राजा सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलहाट पुलिस ने पिछले महीने तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित शर्तों के उल्लंघन में फेसबुक पर अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए निलंबित भाजपा विधायक टी. राजा सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने पहले सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था। हालांकि, स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं होने पर उन्होंने मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने विधायक से जवाब मांगा है कि हाई कोर्ट द्वारा लगाई गई शर्तों का उल्लंघन करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं शुरू की जा सकती है। उन्होंने विधायक को दो दिन के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया था। नोटिस में कहा गया है कि आदतन भड़काऊ और भड़काऊ भाषण देने के लिए राजा सिंह के खिलाफ प्रिवेंटिव डिटेंशन (पीडी) एक्ट लगाया गया था। पीडी एक्ट लागू करने वाले पुलिस के आदेश को रद्द करते हुए हाईकोर्ट ने कुछ शर्तें लगाई थीं। इस बीच, विधायक ने दावा किया कि उन्होंने कोई अपमानजनक टिप्पणी नहीं की और आरोप लगाया कि यह पुलिस द्वारा सत्ता का दुरुपयोग है।

गोलियों का सामना करने को तैयार : राजा सिंह

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस द्वारा अपने खिलाफ एक और मामला दर्ज किए जाने पर राजासिंह ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ओवैसी के भाइयों ने बाबरी मस्जिद पर विवादित टिप्पणी की थी। इसके बाद उनके खिलाफ मामले क्यों नहीं दर्ज किए गए। उन्होंने सीएम केसीआर, मंत्री केटीआर और ओवैसी बंधुओं के इशारे पर काम करने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वे अपनी प्रशंसा के लिए उनके खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और मामले दर्ज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह मरते दम तक राम का नाम जपते रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह हिंदू सिद्धांत के लिए गोलियों का सामना करने के लिए तैयार हैं।

केसीआर ने आधिकारिक तौर पर भारत राष्ट्र समिति की शुरुआत की

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को तेलंगाना भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में औपचारिक रूप से भारत राष्ट्र समिति को एक राष्ट्रीय पार्टी के रूप में लॉन्च किया। केसीआर ने पिछले दिन भारत के चुनाव आयोग से प्राप्त संचार के जवाब में आधिकारिक पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर को चिह्नित करते हुए, उन्होंने दोपहर 1.20 बजे शुभ मुहूर्त में पार्टी के आधिकारिक पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जद(एस) नेता एच.डी. कुमारस्वामी, फिल्म अभिनेता प्रकाश राज, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव, एमएलसी के. कविता और पार्टी के कई नेता इस अवसर पर उपस्थित थे। इससे पहले, पार्टी के राज्य मुख्यालय पहुंचने पर, बीआरएस सुप्रीमो ने तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और इस अवसर पर आयोजित पूजा में भाग लिया।

पुराने नेताओं का राजनीतिक पुनर्वास केंद्र बनेगी बीआरएस : भाजपा नेता

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता एन. वी. सुभाष ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का गठन और कुछ नहीं बल्कि राज्य में अपने मंत्री बेटे के. तारक रामा राव (केटीआर) को सत्ता हस्तांतरित करना है। उन्होंने कहा कि केसीआर अपने नए जन्मे बीआरएस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद बीआरएस के नाम पर अपने मंत्री पुत्र केटीआर को तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में बनाने की कोशिश कर रहे है। चुनाव आयोग ने बीआरएस के रूप में नाम परिवर्तन को मंजूरी देने के लिए केवल एक पत्र जारी किया है। टीआरएस से और इसे राष्ट्रीय पार्टी की मान्यता प्राप्त करने के लिए चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों को पूरा करना होगा। भाजपा नेता ने कहा कि बीआरएस कुछ राजनेताओं के लिए पुनर्वास का घर होगा। इनमें ऐसे नेता होगे जिन्हें विभिन्न राज्यों में उनकी पार्टियों से हटा दिया गया होगा या दरकिनार कर दिया गया होगा। उन्होंने कहा कि टीआरएस के गठन के समय राजनीतिक स्थिति अलग थी और केसीआर ने तेलंगाना की भावनाओं का उपयोग किया। लोगों ने अपने खोखले वादों से सत्ता हथियाने का आरोप लगाया।

तेलंगाना में बढी सर्दी, डोंगली का तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड

हैदराबाद/आदिलाबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सर्दियों की ठिठुरन पूरे राज्य में तेज हो गई है, कई जिलों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। शुक्रवार को जारी तेलंगाना स्टेट डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी की रीडिंग के अनुसार, कामारेड्डी के डोंगली में पिछले 24 घंटों में राज्य में सबसे कम तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। संगारेड्डी में न्याकल में 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि आदिलाबाद में पोचेरा और बेला में क्रमशः 7 डिग्री सेल्सियस और 7.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य भर में, जिन जिलों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया, उनमें निज़ामाबाद, संगारेड्डी, सिद्दीपेट, करीमनगर, मेडक, निर्मल, राजन्ना-सिरिसिल्ला, कामारेड्डी, जगतियाल, विकाराबाद, रंगारेड्डी, आदिलाबाद, मेडचल-मलकजगिरी, मंचेरियल और कुमराम भीम आसिफाबाद शामिल हैं।

तत्कालीन आदिलाबाद जिले के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में तेज गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोग घर के अंदर रहने के लिए मजबूर हो गए, खासकर रात और सुबह के समय। बोथ मंडल के पोचेरा गांव में न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बेला और बाजारहथनूर मंडल का न्यूनतम तापमान क्रमशः 7.3 डिग्री सेल्सियस और 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा। तलमदुगु, जैनैथ, आदिलाबाद ग्रामीण, नेरदीगोंडा, तामसी, उत्नूर, आदिलाबाद शहरी, भीमपुर और गाडीगुडा मंडलों में न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस और 12 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। निर्मल जिले के भैंसा में न्यूनतम तापमान 7.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि कुंतला मांडा में न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस और 11 डिग्री दर्ज किया गया।

राज्य के लिए टीएसडीपीएस के पूर्वानुमान के अनुसार, राज्य के उत्तरी जिलों में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच और दक्षिण और मध्य जिलों में 16 डिग्री सेल्सियस से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। राज्य। दिन का तापमान 31 डिग्री सेल्सियस से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

CLASSIFIEDS

नाम परिवर्तन

सर्विस नंबर: 15229718H, रैंक: NK, पंगा अशोक कुमार पुत्र आदिनारायण, उम्र 30 साल, R/at: डोर नंबर: 1-19, सोदाम गांव, कोटाबोम्मली मंडलम, श्रीकाकुलम जिला, आंध्र प्रदेश राज्य। मेरी पत्नी का नाम पंगा नागमणि (पुराना) से बदलकर मुद्दा नागमणि (नई) पत्नी पंगा अशोक कुमार हो गया। कृपया मेरे सभी सैन्य अभिलेखों में सुधार करें, मेरी पत्नी का नाम मुद्दा नागमणि है, शपथ पत्र दिनांक: 05.12.2022 और सभी उद्देश्यों के लिए।

CHANGE OF NAME

I, AFIFA MOHAMMAD HAFEEZ, R/o.20-1-397, KOKA TATTI, HUSSAINI ALAM, HYD, T.S. CHANGE NAME AS AFIFA HAFEEZ W/o.MOHAMMAD HAFEEZ

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एससीसीएल बोर्ड ने श्रमिकों के लिए 643 नए क्वार्टरों के निर्माण को मंजूरी दी

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) बोर्ड ने सिंगरेनी में 354 करोड़ रुपये की लागत से 643 नए क्वार्टर के निर्माण को मंजूरी दे दी है। एससीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन. श्रीधर ने कहा कि निदेशक मंडल ने 2018 में सिंगरेनी के कर्मचारियों आत्मीय सम्मेलन को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा दिए गए वादे के अनुसार दूसरे चरण में 643 नए क्वार्टरों के निर्माण को मंजूरी दी थी। कंपनी पहले चरण में भूपालपल्ली, कोठागुडेम, आरजी-3 एरिया और सत्तुपल्ली में 1853 क्वार्टर पहले ही बना चुकी है। दूसरे चरण में कॉरपोरेट क्षेत्र (कोट्टागुडेम) में 209 क्वार्टर, कोट्टागुडेम क्षेत्र के रुद्रमपुर क्षेत्र में 353 और सत्तुपल्ली क्षेत्र में 81 क्वार्टर बनाए जाएंगे। सीएमडी ने कहा कि सिंगरेनी में 43,000 कर्मचारी काम कर रहे थे, जबकि 49,919 क्वार्टर उपलब्ध थे, और मुख्यमंत्री के निर्देश के अनुसार, पुराने क्वार्टरों के स्थान पर आधुनिक डबल बेडरूम क्वार्टरों का निर्माण किया जा रहा था, जहां नए खदानों का विस्तार हो रहा है।

मां दुर्गा की कृपा संस्था और 16 नित्या ने नवजात शिशुओं के लिए सेवा की

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मां दुर्गा की कृपा संस्था और 16 नित्या की हेमा मालिनी द्वारा 3 दिन की तीसरी आंख जागृति दीक्षा के पूर्ण होने पर 9 दिसंबर 2022 को सवेरे 11 बजे निलोफर सरकारी प्रसूति गृह हस्पताल में मां दुर्गा की कृपा संस्था के सदस्यों द्वारा नवजात शिशु के लिए उनकी जरूरत का सामान जैसे हिमालय ब्रांड की बेबी केयर कीट भेंट स्वरूप दी गई। इस सेवा को सफल बनाने संस्था के जो सदस्य उपस्थित रहें हेमा मालिनी तायल, शारदा अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, संतोष गोयल, मीरा अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, मधु गोयल, अरुणा अग्रवाल, अन्नी (अरुणा) अग्रवाल सीमा अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, मधु अग्रवाल, शोभा रेड्डी, राजेश अग्रवाल, आनंद गोयल, विनय किशोर तायल और हस्पताल की आरएमओ डॉ. ज्योति और सुप्रीटेंडेंट कमल किशोर, डॉ. समीना, डॉ. सावित्री और अन्य कर्मचारीयो की सहायता से ये सेवा संपन्न हुई। संस्था के संथापक विनय किशोर तायल और हेमा मालिनी तायल ने सभी का आभार जताया।

लॉरी नाले से टकराई, चालक की मौत

पेद्दापल्ली, हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पालकुर्ती मंडल के कुक्कलगुदुर के पास शुक्रवार सुबह एक लॉरी के पुल से एक नाले में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से चालक शंकर (32) की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एशालतक्कल्लापल्ली के मूल निवासी, शंकर लॉरी में एनटीपीसी के राख तालाब से जगतियाल तक राख ले जा रहा था। जब वाहन पुल पर पहुंचा तो चालक ने स्टेयरिंग पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन नाले में जा गिरा। पुलिस ने कहा कि केबिन में फंसे शंकर की दम घुटने से मौत हो गई। बसंतनगर पुलिस ने शव को वाहन से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

वनपर्ती में वॉल्वो बस पलटने से नौ लोग घायल

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार तड़के वनपर्ती जिले के पेद्दामंडाडी मंडल में वेल्टूर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर बस के पलट जाने के बाद बेंगलुरु जाने वाली वॉल्वो बस के यात्री चमत्कारिक रूप से बच गए। हादसे में करीब नौ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। हादसे का जायजा लेने के लिए वहां से गुजर रही एक कार को पीछे से एक डीसीएम वैन ने टक्कर मार दी, जिससे तीन यात्री घायल हो गए। यात्रियों में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

पीएम मोदी ने तैयार कर ली है भाजपा की स्क्रिप्ट ?

बिहार में एक और उपचुनाव संपन्न हो गया। भाजपा ने कुढ़नी की सीट महागठबंधन से छीन ली है और जदयू के उम्मीदवार को कड़े टक्कर में हरा दिया है। इस जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी बयान सामने आया है।

पटना, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में जदयू और भाजपा की राहें अब अलग हो चुकी है। डबल इंजन की सरकार से एक इंजन हटा तो सूबे में महागठबंधन की सरकार बन गयी। वहीं भाजपा विधानसभा में विपक्ष में बैठने वाली पार्टी बन गयी। बीजेपी ने भी साफ कर दिया है कि अब अगले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पार्टी अपने दम पर मैदान में उतरेगी और बीजेपी का सीएम उम्मीदवार होगा। वहीं कुढ़नी उपचुनाव का परिणाम सामने आया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बिहार के लिए बड़ा बयान दिया।

जीत से भाजपा का मनोबल बढ़ा

कुढ़नी उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी केदार गुप्ता की जीत हुई। जिन्होंने सीधे मुकाबले में महागठबंधन समर्थित जदयू उम्मीदवार मनोज कुशवाहा को तीन हजार से अधिक मतों से हराया। इस जीत पर भाजपा खेमें में जश्न मनाया जा रहा है। बिहार भाजपा के शीर्ष नेता जीत का श्रेय पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ही जोड़कर सामने रख रहे हैं। वहीं इस जीत ने सूबे के बदले सियासी समीकरण के बाद बेशक भाजपा का मनोबल अब बढ़ा दिया है।

उपचुनाव परिणामों को लेकर बोले पीएम मोदी

बिहार में भाजपा को और अधिक मजबूत करने की तैयारी अब दिल्ली से हो रही है। जल्द ही नये प्रदेश अध्यक्ष पर भी बात बनेगी। वहीं पार्टी अब आगामी विधानसभा चुनाव 2025 और लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी में जुट चुका है। इस बीच कुढ़नी उपचुनाव में भाजपा के द्वारा जदयू को मात देने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि बिहार के उपचुनावों में भाजपा का प्रदर्शन आने वाले दिनों के लिए स्पष्ट संदेश दे रहा है। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने भी ट्वीट कर कुढ़नी की जीत पर बधाई दी है।

उपचुनाव में जीत के बाद आए बयान

कुढ़नी की जीत को बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने पीएम नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों की जीत बताया। वहीं प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने कहा कि बिहार की जनता ने साबित किया है कि वो पीएम नरेंद्र मोदी के साथ खड़ी है। वहीं शाहनवाज हुसैन ने इस परिणाम को आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव से जोड़ा।

शादी से एक दिन पहले दूल्हा पहुंचा जेल

गर्लफ्रेंड बोली- कहता था शादी करुंगा, 8 दिन पहले भी दिल्ली ले गया मुझे

ये मकान राहुल का है।

आगरा, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। आगरा में दूल्हा बनने जा रहा शख्स अपनी ही बारात से एक दिन पहले जेल पहुंच गया। पुलिस ने उसको प्रेमिका की शिकायत पर गिरफ्तार किया है। आरोप है कि युवक उससे प्यार का नाटक कर रहा था। कहता था कि शादी कर लेगा। मगर उसको गुमराह करके शारीरिक संबंध बनाता रहा। अब वो किसी और लड़की से शादी करने जा रहा है।

न्यू आगरा क्षेत्र की रहने वाली युवती ने पुलिस आयुक्त कार्यालय में शिकायत की। युवती का आरोप है कि दयालबाग के कृष्णा बाग निवासी राहुल तीन साल पहले उनके घर के पास ही रहने आया था। वो एक प्राइवेट कंपनी में सेल्स डिपार्टमेंट में काम करता था। पहली बार उनके घर पर सेल्स की एक स्कीम समझाने के लिए आया था।

फिर उसने पीड़िता से कहा कि तुम्हारी भी जॉब लग सकती है। लड़की उस वक्त हाईस्कूल की छात्रा थी। उसने अपनी कंपनी में ही लड़की की जॉब लगवा दी। इस तरह से पहले दोस्ती हुई, फिर दोनों करीब आ गए। राहुल ने उससे शादी का वादा किया। दोनों घूमने जाने लगे।

इस दौरान आरोपी शारीरिक शोषण करता रहा। मगर जब लड़की शादी की बात करती, तो वो टालमटोल करने लगता। हाल ही में उसने शादी से इनकार कर दिया। उसके घरवालों को भी दोनों के संबंध की जानकारी थी। इसके बावजूद वह शादी के लिए तैयार नहीं हुए। 8 दिन पहले भी आरोपी युवक लड़की को लेकर दिल्ली गया था। मगर उसने अपनी शादी तय होने के बारे में लड़की को नहीं बताया था। बुधवार को पीड़िता को पता चला कि राहुल की शादी होने वाली है। मथुरा की युवती से रिश्ता तय हो गया है। 9 दिसंबर को उसकी शादी है। इसके बाद ही पीड़िता ने पुलिस में शिकायत की। शिकायत पर थाना न्यू आगरा पुलिस ने बुधवार को दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस आरोपी के घर पहुंच गई। उसकी शादी की तैयारी चल रही थी। रिश्तेदार भी आ चुके थे। पुलिस के पहुंचने से शादी वाले घर में हड़कंप मच गया। पुलिस आरोपी को थाने पर ले आई। थाना न्यू आगरा के प्रभारी निरीक्षक विजय विक्रम सिंह का कहना है कि राहुल को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया। जहां से जेल भेज दिया गया।

दूल्हे की हकीकत दुल्हन के परिवार को भी पता चल गई। उनकी तैयारियां धरी रह गईं। दुल्हन के परिवार के लोग सदमे में हैं। वहीं, बेटे के जेल जाने से परिवार के लोग भी परेशान हैं।

बोलेरो पेड़ से टकराई महिला की मौत

सीवान, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सीवान में तेज रफ्तार एक बोलरो अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर स्थित एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर के बाद बोलेरो गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। घटना में गाड़ी में सवार करीब 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना शुक्रवार की अहले सुबह करीब 7:00 बजे की बताई जा रही है। घटना जिले के हुसैनगंज थाना क्षेत्र के फलदूधिया गांव के पास की है।

सभी घायलों के उपचार के लिए उन्हें आनन-फानन में लेकर सीवान सदर अस्पताल इलाज कराने के लिए भेजा गया है। जिसमें से एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका की पहचान 38 वर्षीय गायत्री देवी के रूप में हुई।

वहीं हादसे में घायलों की पहचान एमएच नगर हसनपुरा थाना क्षेत्र के सरैया गांव के रहने वाले 45 वर्षीय विजय सिंह कुशवाहा, 22 वर्षीय पुत्र शिवम कुमार, समेत उनके तीन पड़ोसी भी गंभीर रूप से घायल हो गए है।

दुष्कर्म के बाद नाबालिग की हत्या के दोषी को फांसी की सजा

कोर्ट ने 26 दिन के अंदर सुनाया फैसला

मथुरा, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। मथुरा में दुष्कर्म के बाद नाबालिग लड़की की हत्या करने वाले युवक को अदालत ने फांसी की सजा सुनाई है। इस जघन्य मामले में अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट विपिन कुमार की अदालत ने आरोप पत्र दाखिल होने के 26 दिन के अंदर आरोपी युवक को दोषी मानते हुए शुक्रवार को फैसला सुनाया। दोषी पर 45 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

इस केस की सरकार की ओर से पैरवी कर रहीं स्पेशल डीजीसी पॉक्सो कोर्ट अलका उपमन्यु ने बताया कि मृतका की मां ने थाना जैंत में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसके मुताबिक 13 अक्तूबर 2022 की शाम जैंत निवासी युवक सतीश उनकी 10 वर्षीय बेटी को घुमाने के बहाने ले गया। उसने दुष्कर्म के बाद बेटी की हत्या कर शव को पीएमबी पॉलीटेक्निक कॉलेज के पास जंगल में फेंक दिया, जिसे पुलिस ने बरामद किया था।

पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज किया था। 14 नवंबर को पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र कोर्ट में दाखिल किया। इसकी सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश व विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट विपिन कुमार की अदालत में हुई। कोर्ट ने मुकदमे में गवाही और सुबूतों के आधार पर अभियुक्त को दोषी माना। दोष सिद्ध होने के बाद शुक्रवार को अभियुक्त सतीश को मृत्युदंड की सजा दी गई है।

अदालत ने ये सजा भी सुनाई

इसके अलावा अभियुक्त सतीश को धारा-363 भारतीय दंड संहिता के तहत पांच वर्ष के कठोर कारावास और पांच हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड अदा ना करने पर अभियुक्त को तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा। अभियुक्त सतीश को धारा 1-376 एबी भारतीय दंड संहिता के तहत आजीवन कारावास की सजा भी सुनाई गई। वहीं 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया। यह अर्थदंड अदा ना करने पर अभियुक्त छह माह का अतिरिक्त कारावास भोगेगा।

उपमन्यु ने बताया कि सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। अभियुक्त न्यायिक अभिरक्षा में है। इस निर्णय की प्रति उच्च न्यायालय इलाहाबाद को मृत्युदंड की पुष्टि के लिए भेजी जाएगी। वहीं अभियुक्त पर लगे अर्थदंड में से 80 प्रतिशत धनराशि मृतका के माता-पिता को दी जाएगी। पीड़िता के माता-पिता ने कहा कि इतनी जल्दी हमें न्याय मिला है, इसके लिए अदालत का आभार प्रकट करते हैं। हमें न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा है।

अभियुक्त के वकील योगेश तिवारी ने कहा कि अभियुक्त ने अपना जुर्म कबूल कर लिया था, इसलिए यह सजा हुई है।

'तेजस्वी को सीएम बनाएं' कुढ़नी उपचुनाव में हार के बाद महागठबंधन में बवाल

अनिल सहनी का हमला

पटना, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के कुढ़नी उपचुनाव में भाजपा के हाथों जदयू की हार से महागठबंधन में बवाल मचा हुआ है। एक तरफ जहां इस जीत से भाजपा का मनोबल बढ़ा है तो वहीं दूसरी तरफ महागठबंधन के अंदर उथल पुथल लगातार देखने को मिल रहा है। जदयू की ओर से उपेंद्र कुशवाहा की नाराजगी सामने आने के बाद अब राजद नेता सह पूर्व विधायक ने खुलकर बगावती सुर निकाले हैं। आरजेडी नेता अनिल सहनी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला है।

महागठबंधन के अंदर बगावती सुर

कुढ़नी उपचुनाव में मिले हार ने महागठबंधन के अंदर बगावती सुर पैदा कर दिये हैं। एक तरफ जहां राजद के शीर्ष नेता इस हार को हल्के में लेकर आगे बढ़ने की ओर दिख रहे हैं तो दूसरी ओर राजद नेता सह पूर्व विधायक अनिल सहनी ने नया विवाद पैदा कर दिया है। अनिल सहनी ने सीएम नीतीश कुमार को निशाने पर लेते हुए कुढ़नी की हार उनके ही मत्थे फोड़ दिया है। अनिल सहनी ने इस हार को नीतीश कुमार की हार करार दिया है।

तेजस्वी यादव को जल्द मुख्यमंत्री बनाने की मांग

अनिल सहनी ने कहा कि कुढ़नी की हार से नीतीश कुमार हताश हैं। यही नहीं, बल्कि नीतीश कुमार का इस्तीफा तक अनिल सहनी ने मांग लिया। आरोप लगाया कि अतिपिछड़ा वोट उनसे अलग हो चुका है। वहीं अनिल सहनी ने तेजस्वी यादव को जल्द मुख्यमंत्री बनाने की भी मांग कर दी। इस बयान के बाद अब महागठबंधन में घमासान मच चुका है।

बता दें कि कुढ़नी में जदयू की हार के बाद राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के इस्तीफे की भाजपा की मांग को खारिज कर दिया था। भाजपा की ओर से ये मांग की जा रही थी। लेकिन अब अपने ही दल के पूर्व विधायक के द्वारा इस तरह हमला किये जाने के मामले को महागठबंधन कैसे ठंडा करेगा। ये देखना बाकी है।

अमरीश कुमार की नेचुरल राखी ने बनाया रिकॉर्ड

इंडिया बुक ऑफ़ रिकॉर्ड में हुआ दर्ज पहले भी कर चुके हैं ऐसा कारनामा

कैमूर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। कला एवं शिल्प महाविद्यालय पटना के आखरी वर्ष के छात्र और मूर्ति कला विभाग में अध्ययनरत अमरीशपूरी उर्फ अमरीश कुमार तिवारी ने एक बार फिर बिहार का नाम रौशन किया है, अमरीश ने रक्षाबंधन के उपलक्ष में 25 स्क्वायर फीट में नेचुरल राखी तैयार किया था, अभी तक का यह देश की सबसे बड़ी राखी रही, जिसे डीएफओ द्वारा कैमूर जिले के भभुआ में विशाल पीपल के पेड़ में बांधा गया था, अमरीश ने उसके कुछ दिन बाद इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड के लिए अप्लाई किया था, जिसे अब पुष्टि कर स्वीकृत कर लिया गया है, यह सुचना इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड टीम के द्वारा 2 दिसंबर 2022 को ईमेल के द्वारा मिली, जो पूरे बिहार के लिए गौरव की बात है।

बिहार में समय पर होंगे नगर निकाय चुनाव

लेकिन खत्म नहीं हुए हैं कानूनी दांव-पेंच

पटना, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में निकाय चुनाव को लेकर जिस तरह से कानूनी दांव-पेंच फंसा है, ऐसे में यह कह पाना मुश्किल है कि आगे क्या होगा। हालांकि सुप्रीम कोर्ट की ओर से आज दी गयी व्यवस्था के बाद लग रहा है कि चुनाव का रास्ता अब साफ हो गया है। बिहार में निकाय चुनाव तय समय पर ही होंगे। इसके बावजूद यह सवाल बना हुआ है कि 20 जनवरी के बाद इस चुनाव का परिणाम क्या होगा। इसको लेकर जानकार अलग-अलग राय रखते हैं।

2010 में चुनाव में आरक्षण को लेकर के कृष्णमूर्ति केस चैलेंज हुआ था। केस इस ग्राउंड पर चैलेंज किया गया था कि बिना सर्वे कराए पूरे देश में सरकार द्वारा वोट बैंक बनाने के लिए चुनाव में आरक्षण दिया जा रहा। इस केस में फैसला ट्रिपल टेस्ट का आया। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद ट्रिपल टेस्ट को चुनाव में आरक्षण के लिए एक बड़ा पैमाना माना गया।

महाराष्ट्र की तर्ज पर आ सकता है सुप्रीम कोर्ट का फैसला

2021 में महाराष्ट्र की उद्धव सरकार ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की तर्ज पर अध्यादेश लाकर ओबीसी आरक्षण लागू करने का निर्णय लिया था। यहां का मामला भी बिहार की तरह सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। उस मामले में भी सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण प्रतिशत को उचित ठहराए जाने के आंकड़े को पर्याप्त नहीं माना। इसके बाद ने राज्य के उन स्थानीय निकायों में जहां ओबीसी आरक्षण दिये गये थे, चुनाव पर रोक लगा दी। बाद में ओबीसी के लिए आरक्षित सीटों को सामान्य में तब्दील करवा कर वहां चुनाव करवाए गए।

पटना हाईकोर्ट की तरफ से निकाय चुनाव पर रोक लगाने के बाद बिहार सरकार की तरफ से अक्टूबर में आनन-फानन में अति पिछड़ा वर्ग आयोग गठित किया गया। दो महीने के भीतर कमेटी अपनी रिपोर्ट सरकार को दी।

ज्वेलरी की शौकीन हैं आजम खान के गढ़ में जीतने वाले आकाश सक्सेना की पत्नी

हसबैंड-वाइफ के पास 2 किलो सोना

रामपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। रामपुर सीट पर हुए उपचुनाव में बीजेपी ने बड़ा खेल कर दिया। बीजेपी प्रत्याशी आकाश सक्सेना ने आजम खान के करीबी आसिम रजा को 33000 वोटों से सियासी बदला भी ले लिया। चुनाव के दौरान दिए गए हलफनामे में आकाश सक्सेना ने बताया है कि वे 5 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति के मालिक हैं और उन पर करीब 78 लाख रुपये का कर्ज है।

आकाश सक्सेना और उनकी पत्नी हैं बिजनेसमैन

आकाश सक्सेना प्लांट और मशीनरी के बिजनेस में हैं। उनकी पत्नी भी बिजनेसमैन हैं। आकाश सक्सेना ने अपने चुनावी हलफनामे में बताया है कि उनके पास 3 करोड़ 30 लाख रुपए की अचल संपत्ति है जबकि 25978624 रुपए की चल संपत्ति है। बता दें आकाश सक्सेना और उनकी पत्नी दोनों ज्वेलरी के शौकीन हैं।

आकाश सक्सेना और उनकी पत्नी के पास दो किलो से ज्यादा सोना चुनावी हलफनामे में दी गई जानकारी के मुताबिक आकाश सक्सेना की पत्नी के पास 2 किलो सोने और चांदी के गहने हैं। इसमें 1 किलो 800 ग्राम सोने के गहने हैं, जिसकी कीमत 92 लाख 50 हजार बताई है। वहीं, खुद आकाश सक्सेना के पास 300 ग्राम सोने के गहने हैं, जिसकी कीमत साढ़े पांच लाख बताई गई है।

आकाश सक्सेना के पास साल 2019 मॉडल की एक इनोवा कार है। जबकि उनकी पत्नी के नाम पर कोई गाड़ी नहीं है। आकाश ने अपने हलफनामे में बताया है कि उन पर किसी भी तरह का कोई आपराधिक मुकदमा नहीं दर्ज है। बता दें, आकाश सक्सेना को उनके करीबी 'हनी' के नाम से भी बुलाते हैं।

आकाश सक्सेना के परिवार का बीजेपी से पुराना ताल्लुक रहा है। उनके पिता शिव बहादुर सक्सेना, रामपुर की स्वार विधानसभा सीट से लगातार चार बार बीजेपी के टिकट पर विधायक चुने गए और कल्याण सिंह की सरकार में मंत्री भी थे। आकाश सक्सेना साल 2022 के चुनाव में भी मैदान में उतरे थे, लेकिन उन्हें आजम खान से हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि आजम खान की सदस्यता रद्द होने के बाद उपचुनाव में आकाश को दोबारा मौका मिला और वह फिर मैदान में उतरे।

आकाश सक्सेना की आजम खान से है पुरानी अदावत

इस बार उपचुनाव में आजम खान ने अपने करीबी आसिम रजा को मैदान में उतारा था और एक तरीके से इस चुनाव को प्रतिष्ठा का प्रश्न बन आया था लेकिन उन्हें मुंह की खानी पड़ी। आपको बता दें कि रामपुर के गवर्नमेंट इंटर कॉलेज से 12वीं तक की पढ़ाई करने वाले आकाश सक्सेना और आजम खान की अदावत पुरानी है।

आकाश सक्सेना ने ही आजम खान, उनकी पत्नी और बेटे के खिलाफ फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनवाने का मुकदमा दर्ज कराया था। इसी मामले में आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम के विधायकी भी चली गई थी।

डेंगू की चपेट में कानपुर

कानपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ 387 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के लिए कानपुर में मौजूद हैं। वहीं, कानपुर की स्वास्थ्य सेवाओं का बुरा हाल है। डेंगू और मलेरिया से सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल भरे पड़े हैं। खस्ताहाल स्वास्थ्य सेवाओं की तरफ ध्यान आकर्षित करने के लिए सपा विधायक अमिताभ वाजपेई मुख्यमंत्री को मच्छरदानी भेंट करने जा रहे थे। इसके अलावा कांग्रेस के कद्दावर नेता विकास अवस्थी डेंगू को लेकर ज्ञापन सीएम को ज्ञापन देने जा रहे थे। इसकी भनक लगते ही पुलिस सक्रिय हो गई। दोनों नेताओं को पुलिस घर में नजरबंद कर दिया है। कोरोना की लहर के बाद शहरवासी डेंगू और मलेरिया के प्रकोप से परेशान हैं। कानपुर के हैलट अस्पताल के बाल रोग विभाग में एक बेड पर दो-दो बच्चों का उपचार हो रहा है। वहीं उर्सला और कांशीराम ट्रामा सेंटर बुखार के मरीजों से भरे पड़े हैं। कोविड के बाद स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से प्रभावित हैं। हैलट ओपीडी में बुखार के प्रतिदिन हजारों पेशेंट पहुंच रहे हैं।

युवक की हत्या से सनसनी

पटना, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के कई जिलों में क्राइम की घटनाएं हुई हैं। भोजपुर जिले में एक बार फिर कानून व्यवस्था को चुनौती देते हुए अपराधियों ने ऑटो सवार एक युवक को गोली मार दी। उसके बाद अपराधी फरार हो गए। पीड़ित युवक को सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल युवक तिलक पंचायत के वार्ड नंबर 6 निवासी स्वर्गीय जुगल सिंह का 40 वर्षीय पुत्र कमलेश यादव बताया जा रहा है। घटना पिरो थाना क्षेत्र के मिशन स्कूल के सामने घटी है। युवक किसी दोस्त के बहन के घर समझौता कराने गया था। इसी दौरान उसे गोली मार दी गई।

रामपुर में बीजेपी ने कैसे पलटी बाजी ?

पसमांदा मुसलमानों ने किया वोट, हिंदू वोट बिखरा नहीं, कांग्रेस के बड़े मुस्लिम नेता का मिला सपोर्ट

रामपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। रामपुर विधानसभा उपचुनाव में बड़ा उलटफेर हो गया है। आजम खान के गढ़ में कमल खिल गया है। भाजपा के आकाश सक्सेना ने सपा के आसिम रजा को हरा दिया है। आकाश सक्सेना को 81371 वोट तो सपा के आसिम रजा को 47271 वोट मिले हैं। इसी जीत पर राजनीतिक पंडितों का मानना है कि इससे भाजपा को आगामी चुनावों में मनो-वैज्ञानिक बढ़त मिलेगी। आखिर बीजेपी ने मुस्लिम बाहुल्य सीट पर इनता बड़ा उलटफेर कैसे किया? इसका मतलब क्या है? 8 दिसंबर दिसंबर को सुबह 8 बजे काउंटिंग शुरू हुई तो सपा के लिए खुशखबरी लेकर आई। रामपुर, मैनपुरी और खतौली में सपा गठबंधन का प्रत्याशी आगे चल रहा था। मैनपुरी और खतौली में अंत तक यही स्थिति बनी रही, लेकिन 21वें राउंड में रामपुर में परिस्थितियां एकदम से बदल गईं। 20वें राउंड में सपा के आसिम रजा को 31106 वोट मिल चुके थे। जबकि आकाश के खाते में 29672 वोट आए थे। दोनों के बीच 1434 वोट का मार्जिन था। 21वें राउंड में आकाश के खाते में 35091 वोट थे, जबकि आसिम रजा की झोली में 31930 वोट गिरे थे। मार्जिन 3161 वोट का था। धीरे-धीरे यह बढ़ता ही गया। आखिरी 34वें राउंड तक यह मार्जिन बढ़ता ही रहा। आकाश को 81371 वोट और आसिम रजा को 47271 वोट मिले। दोनों के बीच का मार्जिन 34100 वोट का रहा। अब पढ़िए इतना बड़ा उलटफेर कैसे हुआ?

रामपुर विधानसभा सीट पर करीब 58% मुस्लिम वोटर हैं। इनमें पसमांदा मुस्लिमों की संख्या काफी अच्छी है। इन्हीं को रिझाने के लिए भाजपा कई प्रोग्राम समय-समय पर करती रही है। इसी चुनाव के दौरान भी भाजपा पसमांदा मुस्लिमों अपने पक्ष में करने के लिए अलग-अलग कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया।

कुशीनगर में नहीं होता अपराध !

75 साल में दर्ज हुए केवल 14 मुकदमे

कुशीनगर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के किसी कोने में अपराध नहीं होता, अगर ये बात कही जाए तो भरोसा नहीं होगा। हालांकि यूपी के कुशीनगर के पांच गांव ऐसे हैं, जहां पिछले 75 साल में केवल 14 केस थाने में दर्ज हुए हैं। यहां पिछले कई दशकों से लोग आपसी भाइचारे की मिसाल पेश करते आ रहे हैं। कुशीनगर के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र का हाजिरी पट्टी गांव में जात-पात के भेदभाव से दूर है। यही वजह है कि इस गांव में अपराध नहीं होता है। यहां 75 वर्ष में मात्र 1985 में एक मारपीट की घटना हुई है। इसकी गवाही थाने का रेकार्ड भी दे रहा है, जिसमें हाजिरी पट्टी का मात्र एक मुकदमा दर्ज है। हाजिरी पट्टी गांव में करीब पांच सौ लोग रहते हैं। हाजिरी पट्टी गांव में दलित, गुप्ता जाति के लोग शामिल हैं। दलित की संख्या सबसे ज्यादा है, जिसमें अधिकांश लोग पढ़े लिखे हैं। खेती किसानी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते है। नौगांवा गांव की आबादी मात्र 700 की है। 1979 में चोरी, 2013 में एनसीआर में केस दर्ज हुआ है। विजयी छपरा गांव की आबादी 600 है। यहां साल 2000 में मारपीट, साल 2014 में मारपीट, 2016 में धोखाधड़ी, साल 2017 मे मारपीट और दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज हुआ था। सिसवा गांव में साल 2008 में मारपीट, साल 2011 में आपादा, साल 2020 में मारपीट के का केस दर्ज हुआ था। बसौली गांव की आबादी 400 का है। यहां साल 1980 में चोरी, 1994 में मारपीट, 2016 में मारपीट और 2021 में अपहरण का अपराध दर्ज हुआ। सिसवा गांव के ललन गुप्ता बताते हैं कि यहां सभी लोग मिलजुलकर रहते हैं। जात-पात का कोई भेदभाव नहीं है। हमारे गांव में कभी कोई कोई झगड़ा नहीं हुआ। बहुत कम कोई व्यक्ति शिकायत लेकर थाने पहुंचता है। अगर कोई विवाद हुआ भी तो गांव के ही संभ्रात लोगों ने दोनों पक्षों को समझाबुझाकर सुलझा दिया।

श्रद्धा मर्डर केस

14 दिनों के लिए बढ़ाई गई आफताब की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रद्धा मर्डर केस के मुख्य आरोपी आफताब की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गई. महरौली थाना पुलिस के जांच अधिकारी वर्चुअल कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट रूम में मौजूद थे. उनकी तरफ से कोर्ट में बताया गया कि श्रद्धा मर्डर मामले में दिल्ली पुलिस की जांच चल रही है और आरोपी की न्यायिक हिरासत को 14 दिन के लिए बढ़ा दिया जाए. इसके बाद, साकेत कोर्ट ने आरोपी आफताब की न्यायिक हिरासत 14 दिन के लिए बढ़ा दी है. इससे पहले, आफताब 13 दिन से तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में था, जहां से उसे पॉलीग्राफ और नार्को टेस्ट के लिए ले जाया गया था. इस केस में अभी भी दिल्ली पुलिस डीएनए और एफएसएल रिपोर्ट की सभी रिपोर्ट का इंतजार कर रही है.

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से क्यों हुई पेशी?

रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने बताया कि पहले आफताब को फिजिकली कोर्ट में पेश किया जाना चाहिए था, लेकिन सुरक्षा कारणों से फैसला बदल दिया गया. बता दें कि 28 नवंबर को आफताब का रोहिणी के एफएसएल में पॉलीग्राफ टेस्ट हो रहा था. जिसके बाद पुलिस टीम उसे लेकर वापस जा रही थी. इसी दौरान कुछ लोगों ने पुलिस वैन पर हमला कर दिया था. पुलिस वैन में आफताब के साथ एक सब-इंस्पेक्टर और चार पुलिसकर्मी सहित 5 पुलिसकर्मी मौजूद थे.

श्रद्धा के 35 टुकड़े किए

गौरतलब है कि 28 वर्षीय आफताब पर मई में दिल्ली के महरौली में एक अपार्टमेंट में श्रद्धा वालकर की हत्या करने का आरोप है. हत्या करने के बाद उसने श्रद्धा के 35 टुकड़े किए और शहर के कई हिस्सों में उन्हें फेंकता रहा. आफताब के वकील का कहना है कि उसने कोर्ट में जुर्म कबूल नहीं किया है. नार्को-एनालिसिस टेस्ट और पॉलीग्राफ टेस्ट के दौरान भी आफताब का व्यवहार शांत और स्थिर था. जांच दल के सूत्रों ने एनडीटीवी को बताया कि आफताब को हत्या के लिए कोई पछतावा नहीं था. आफताब अभी तिहाड़ जेल में बंद है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, वो दो अन्य कैदियों के साथ सेल में रहता है और अक्सर शतरंज का खेल खेलता है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, आफताब ने हिमाचल, गुजरात और दिल्ली एमसीडी चुनाव को लेकर भी जेल में सुरक्षा कर्मियों से बात की थी.

हिमाचल विधानसभा में 68 सीटें लेकिन केवल एक ही महिला जीत पाई चुनाव

शिमला, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं. राज्य की 68 विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव में कांग्रेस ने 40 सीटें जीतीं और जो रवायत चलती आ रही वो वैसी ही रही. हर 5 साल में सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया जारी है. जिक्र यहां पर उस महिला उम्मीदवार का कर रहे हैं, पूरी विधानसभा में इकलौती महिला उम्मीदवार रही जिसने जीत दर्ज की है. इस चुनाव में अलग-अलग पार्टियों ने कुल मिलाकर 24 महिलाओं को टिकट दिया था. राज्य में 12 नवंबर को हुए विधानसभा चुनावों में महिलाओं का प्रदर्शन निराशाजनक रहा. 24 महिलाओं में से सिर्फ एक ने जीत हासिल की. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने भाषण में महिलाओं के बारे में जिक्र किया. फिलहाल, हिमाचल प्रदेश में जिस महिला उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है, उनका नाम रीना कश्यप है. खास बात ये है कि वो बीजेपी पार्टी से जीती हैं. उन्होंने पच्छाद जोकि एससी सीट थी वहां से जीत हासिल की है.

2017 में 4 महिला उम्मीदवार जीतीं

साल 2017 में 4 महिला उम्मीदवार विधानसभा चुनाव जीतने में सफल रही थीं. सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री और कांगड़ा के शाहपुर से चार बार विधायक रहीं सरवीन चौधरी, कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और डलहौजी से 6 बार की विधायक आशा कुमारी, इंदौरा से बीजेपी विधायक रीता धीमान, मंडी से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कौल सिंह की बेटी चंपा ठाकुर चुनाव हार गई हैं. आशा कुमारी मुख्यमंत्री पद के दावेदारों में शामिल थीं.

राज्य में महिलाओं का हाल

राज्य के कुल मतदाताओं में करीब 49 प्रतिशत महिलाएं हैं. साल 1998 के चुनावों के बाद से महिला मतदाताओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों की तुलना में अधिक रहा है और ये सिलसिला पिछले 5 चुनावों से जारी रहा है. इस बार हुए विधानसभा चुनाव में महिलाओं का वोटिंग पर्सेंटेज 76.8 प्रतिशत रहा जबकि पुरुषों की वोटिंग शेयरिंग 72.4 प्रतिशत रही.

पथराव का शिकार हुई वंदे भारत एक्सप्रेस

बिलासपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। हमेशा सुर्खियों में रहने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस एक बार फिर हादसे का शिकार हो गई है। बुधवार देर रात जब ट्रेन बिलासपुर डिपो से पहुंची तो वहां मौजूद अधिकारियों ने देखा कि दो कोच की दो खिड़कियों के शीशों पर पथराव किया गया है। जिससे शीशे टूट गए हैं।

कैसे हुआ घटना?

अधिकारियों ने अनुमान लगाया कि चेन्नई से बिलासपुर आते समय कहीं पत्थर से हमला हुआ है। चौंकाने वाली बात यह है कि कर्मचारी इस ट्रेन में सफर कर रहे थे लेकिन उन्हें भनक तक नहीं लगी। चेन्नई से रवाना होकर जब ट्रेन बिलासपुर पहुंची तो पता चला कि दो बोगियों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। ट्रेन में एक लोको पायलट, एक सहायक लोको पायलट, ट्रेन प्रबंधक के साथ-साथ रेल कोच फैक्ट्री चेन्नई के इंजीनियर्स आ रहे थे। इसके अलावा 14 लोगों की टीम भी थी।

हाल ही में गुजरात में हुआ था हादसा

इस साल वंदे भारत एक्सप्रेस को नुकसान पहुंचने की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। कुछ दिनों पहले, गुजरात में उदवाड़ा और वापी रेलवे स्टेशनों के बीच गांधीनगर-मुंबई वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन से एक मवेशी टकरा गई थी। रेलवे के एक अधिकारी ने इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि इस घटना में ट्रेन के आगे के हिस्से में हल्की खरोंच आई थी। बता दें कि इस रूट पर 2 महीने पहले वंदे भारत एक्सप्रेस की सेवा शुरू हुई थी और तब से इस तरह की यह चौथी घटना है।

18 साल की उम्र में 'बंदूक' थामने वाली सुमा को राष्ट्रपति मुर्मू ने दिए पुरस्कार, ट्रेनिंग भी दे रहीं

भोपाल, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज सुमा शिरूर ने निशानेबाजी में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। भारत की इस विख्यात निशानेबाज को पिछले दिनों राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने खेल कोचिंग के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए नेशनल खेल अवार्ड समारोह में सम्मानित किया। उन्हें द्रोणाचार्य अवॉर्ड दिया गया है। बता दें कि सुमा शिरूर को ये उपलब्धि यूं ही नहीं मिली हैं। उन्होंने कई साल तक शूटिंग में पसीना बहाया और कई ओलंपियन और पैरालंपियन तैयार किए। उनके द्वारा प्रशिक्षित कई शूटर आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमक बिखेरकर देश के लिए पदक और सम्मान हासिल कर रहे हैं।

अकादमी में शूटर को ट्रेंड कर रहीं सुमा...

सुमा पिछले पांच साल से भोपाल स्थित मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में शूटर को ट्रेंड कर रही हैं। सुमा एमपी राज्य शूटिंग अकादमी की चीफ कोच हैं। उनसे ट्रेनिंग लेने यहां देश भर के शूटर आते हैं। मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में सुमा शिरूर से ट्रेनिंग लेने वाले दर्जनों शूटर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी चमक बिखेर रहे हैं।

वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी...

शूटिंग में सुमा वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर चुकी हैं। उन्होंने साल 2004 में एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में यह कारनामा किया था। इस चैंपियनशिप के 10 मीटर एयर राइफल वर्ग के क्वॉलीफिकेशन में वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की थी। सुमा ने शूटिंग की कोचिंग साल 2006 से शुरू की थी।

यहां तक पहुंचना आसान नहीं था...

अवार्ड पाने के बाद सुमा ने एक मीडिया वेबसाइट को बताया, यहां तक पहुंचना आसान नहीं था। मैंने साल 1993 में 18 साल की उम्र से बंदूक हाथ में थामी थी। एक खिलाड़ी होने के बाद कोच के रूप में यह अवॉर्ड मिलना बड़े सम्मान की बात है। अब मेरी जिम्मेदारी और बढ़ गई है, इससे मुझे आगे और बेहतर काम करने की प्रेरणा मिलेगी।

अवैध खनन के आरोप में चार पर मामला दर्ज, आरोपियों में मल्लांवाला थाने का इंस्पेक्टर भी शामिल

चंडीगढ़, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के फिरोजपुर में अवैध खनन मामले में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों की सूची में मल्लांवाला थाने का एक इंस्पेक्टर भी शामिल है। पुलिस उपाधीक्षक फतेह सिंह बराड़ ने बताया कि अवैध खनन मामले में मल्लांवाला पुलिस थाने के एक निरीक्षक सहित चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आगे की जांच चल रही है।

अंबाला में शादी के तीसरे दिन भागी दुल्हन:गहने और 2 लाख कैश भी ले गई साथ

अंबाला, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला में नई नवेली दुल्हन शादी के तीसरे दिन ही फरार हो गई। दुल्हन अपने साथ लाखों रुपए के जेवरात और 2 लाख रुपए की नकदी भी ले उड़ी। पति ने पुलिस को शिकायत सौंप पत्नी को ढूंढने की गुहार लगाई है। गांव सलौला निवासी विक्रम सिंह ने बताया कि उसकी 4 दिसंबर को जिला यमुनानगर के गांव राजपुर निवासी संगीता के साथ हिंदू रीति रिवाज से साथ शादी हुई थी, लेकिन 7 दिसंबर की रात साढ़े 9 बजे घर से भाग गई। युवक ने बताया कि उसकी पत्नी करीब 3 लाख रुपए के जेवरात और 2 लाख रुपए कैश भी साथ ले गई। उन्होंने अपने स्तर पर उसकी पत्नी की हर जगह तलाश की। उसने अपनी ससुराल में भी फोन करके पूछा, लेकिन उसका कहीं कोई सुराग नहीं लगा। युवक ने बताया कि शादी से पहले उसने पत्नी से उसकी रजा पूछी थी। शादी के बाद उसकी पत्नी उसके फोन से ही अपने परिजनों से बातचीत करती थी। उन्होंने अपने स्तर पर हर जगह तलाश कर ली, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा। युवक पुलिस को शिकायत सौंप पत्नी की तलाश करने की गुहार लगाई है। शहजादपुर थाना पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तन्मय को बचाने राहत और बचाव कार्य जारी

45 फीट खुदाई पूरी, अब हाथ से खोदी जा रही सुरंग

बैतूल, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बैतूल जिले में खुले बोरवेल में गिरे तन्मय को बचाने के लिए राहत और बचाव कार्य जारी है। बीते 56 घंटों में करीब 45 फीट कर की खुदाई की जा चुकी है। अब तन्मय महज सात फीट दूर है। लेकिन पोकलेन मशीनों के कंपन के चलते वह बोरवेल में नीचे की ओर सरक जा रहा है, इसे देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से अब हाथ से टनल खोदी जा रही है। जानकारी के अनुसार गुरुवार तक काम पूरा नहीं हो सका। 56 घंटे में 45 फीट खुदाई का काम पूरा होने के बाद हॉरिजोंटल सुरंग बनाने के लिए हैंड ड्रिलर से तीन फीट तक सुरंग की खुदाई कर ली गई है। 8 साल का तन्मय अभी भी टीम से सात फीट दूर है। अब बच्चे को निकालने के लिए सात फीट की ड्रिलिंग शुरू की जाएगी। पहले शुक्रवार तड़के चार बजे तक उसे निकालने की संभावना जताई गई थी।

सलामती के लिए गायत्री मंत्र का जप कर रहे दोस्त

तन्मय के इंतजार में लोग बाहर ठंड में ठिठुरते हुए उसके निकलने का इंतजार कर रहे हैं। बता दें, मांडवी गांव में मंगलवार 6 दिसंबर की शाम 4.30 बजे खेलते हुए तन्मय चाचा के बनवाए गए खुले बोर में गिर गया था। बच्चे की गिरने की खबर मिलने के बाद अगले एक घंटे में ही बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था। बच्चे को बोर से निकालने के लिए जिला प्रशासन, एसडीईआरएफ और एनडीआरएफ की टीम लगातार खुदाई कर रही है। तन्मय के पिता सुनील यही कह रहा कि मेरा बेटा सकुशल निकल जाए। स्कूल के बच्चे और ग्रामीण भी लगातार प्रार्थना कर रहे हैं। तन्मय के दोस्त उसकी सलामती के लिए गायत्री मंत्र का जप कर रहे हैं।

हाथ से की जा रही खुदाई

बैतूल के अतिरिक्त जिलाधिकारी श्यामेंद्र जायसवाल ने कहा कि हमने 45 फीट तक खुदाई पूरी कर ली है और अब एक हॉरिजोंटल सुरंग खोदेंगे, जिसे शुरू किया गया है। रास्ते में कठोर चट्टानें थीं, जिन्हें मशीन की मदद से तोड़ा गया है। लेकिन अब हम बच्चे के पास पहुंच गए हैं और यह एक बहुत ही संवेदनशील स्थिति है इसलिए अब इसे हाथ से खोदा जाएगा और बच्चे के पास पहुंचने की कोशिश की जाएगी।

कांग्रेस विधायक अजब सिंह कुशवाहा की सदस्यता पर लटकी तलवार, सचिवालय ने वेतन समेत सुविधाएं रोकी

भोपाल, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सुमावली से कांग्रेस विधायक अजब सिंह कुशवाहा की विधानसभा सचिवालय ने वेतन समेत अन्य सभी सुविधाओं पर रोक लगा दी है। जमीन की धोखाधड़ी के मामले में विधायक को कोर्ट ने दो वर्ष की सजा सुनाई है। इस मामले में विधानसभा सचिवालय ने विधायक को रविवार को नोटिस जारी किया था। जिसका जवाब नहीं मिलने के बाद गुरवार को सचिवालय ने उनके वेतन समेत अन्स सुविधाएं रोक दी। बता दें विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में प्रावधान है कि किसी विधायक को दो वर्ष या उससे अधिक जेल की सजा सुनाई जाती है तो वह अयोग्य हो जाता है। सुमावली विधायक को कोर्ट ने सजा सुनाने की जानकारी मिली थी। इसके बाद उनको नोटिस जारी किया था। इसमें उनसे उनका पक्ष रखने को कहा गया। इस पर शुक्रवार दोपहर तक उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। इस सप्ताह तक इंतजार करने के बाद सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष के सामने प्रकरण रखा जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष आगे की कार्रवाई करेंगे। सिंह ने बताया कि गुरुवार से विधायक का वेतन रोक दिया गया है। इसके अलावा उनको अब रेलवे के आने जाने के कूपन, यदि किसी कमेटी में सदस्य है तो उसका भत्ता नहीं दिया जाएगा।

असम के नौ युवकों को अरुणाचल में बनाया बंदी

जंगली हाथियों ने रात में जमकर मचाया तांडव

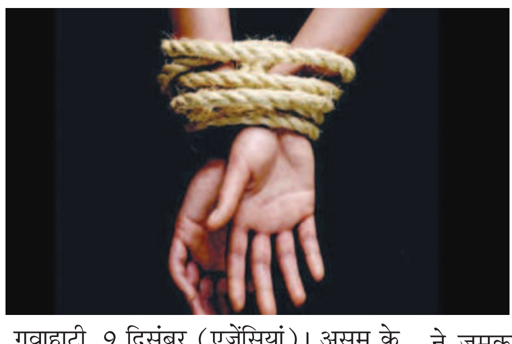

गुवाहाटी, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। असम के नौ युवकों को बरगलाकर अरुणाचल ले जाकर जबरन मजदूरी में लगाने का एक मामला सामने आया है। अरुणाचल में फंसे ये सभी युवक मोरान के रहने वाले हैं। युवकों के परिवारों का दावा है कि गत 5 नवंबर को उन्हें माइकल सादोर नामक एक व्यक्ति ने तिनसुकिया जिले के सिलापथार में नौकरी देने का झांसा देकर अरुणाचल के आलो ले गया, जहां उन्हें कथित रूप से जबरन मजदूरी में लगाया जा रहा है। इसके अलावा युवकों पर शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न चलाने का भी आरोप लगाया जा रहा है। परिजनों का आरोप है कि इस संदर्भ में मोरान थाने में एक मामला दर्ज होने के बावजूद पुलिस की ओर से अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। परिजनों ने जिला प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर अरुणाचल में फंसे युवकों की तत्काल रिहाई की गुहार लगाई है।

जंगली हाथियों ने जमकर मचाया तांडव

असम के ग्वालापाड़ा जिले के लखीपुर वन क्षेत्र के बंदरमारा गांव में बुधवार की रात जंगली हाथियों ने जमकर तांडव मचाया। हाथियों के इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है जबकि कई घरों को हाथी ने ध्वस्त कर दिया है। जानकारी के मुताबिक हाथियों के हमले से बंदरमारा गांव के युगल बर्मन नामक एक युवक की मौत हो गई। हार्थियों की झुंड ने गांव के कम 25 घरों को नष्ट कर दिया। वन रेंज अधिकारी ध्रुव दत्त ने कहा कि जंगली हाथियों का एक झुंड पिछले 2 महीनों से इस इलाके में शरण ले रहे थे, बीती रात हाथियों ने गांव में हमला करके एक युवक को मारा और कई घरों को नष्ट कर दिया। बाद में वन कर्मी द्वारा हाथियों को भगाने की कोशिश की गई। गौरतलब है कि ग्वालापाड़ा जिले के इसी वन क्षेत्र के जयरामकुची क्षेत्र में पिछले महीने खेत में एक जंगली हाथी मृत पाया गया था।

सिटी बस ने मासूम के पैर को कुचला

बस की टक्कर से मां के साथ एक्टिवा से गिरी 1 साल की बच्ची

भोपाल, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। हनुमानगंज इलाके में मां के साथ एक्टिवा से गिरी सालभर की मासूम बच्ची के पैर को लो-फ्लोर बस ने कुचल दिया। हादसे में उसके दोनों पैर के पंजे लहूलुहान हो गए। मां को भी सिर में चोट लगी है। गनीमत रही कि मासूम का शरीर बस के पहिए में नहीं आया। घायल बच्ची को शाहजहांनाबाद इलाके के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हनुमानगंज थाना पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। महामाई का बाग रेलवे स्टेशन के पास रहने वाले विकास जैन (42) कपड़ा व्यापारी हैं। कैंची छोला इलाके में उनकी शॉप है। विनोद जैन ने बताया कि 5 दिसंबर को सुबह 8 बजे वह पत्नी वंदना, चार साल की बड़ी बेटी अक्षिता को स्कूल छोड़ने ईदगाह हिल्स जा रहे थे। मां की गोद में 1 साल की उनकी छोटी बेटी अव्या बैठी हुई थी। विकास ने बताया कि नादरा बस स्टैंड के सामने मजार के पास पहुंचे ही थे कि भोपाल टॉकीज चौराहे की तरफ से आ रही एसआर-5 सिटी बस (एमपी04पीए3882) के चालक ने उनकी एक्टिवा में टक्कर मार दी। हादसे में पत्नी और दोनों बेटियां नीचे गिर गईं। छोटी लड़की अव्या जैन के दोनों पैरों के ऊपर से बस का पहिया चढ़कर निकल गया। बेटी के पैरों से खून निकलने लगा। तुरंत ही उसे अस्पताल में एडमिट कराया।

'टीएमसी में शामिल नहीं हुआ तो की गई रैगिंग'

छात्र ने लगाया आरोप, बोला- पिता को भी पीटा गया

कोलकाता, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। कोलकाता के लॉ कॉलेज में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां पढ़ने वाले प्रथम वर्ष के एक छात्र ने तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद (टीएमसीपी) में शामिल नहीं होने पर रैगिंग किए जाने का आरोप लगाया। पीड़ित का कहना है कि कॉलेज प्रबंधन को मामले की जानकारी देने पर उसे और उसके पिता को पीटा गया। अब उसने कस्बा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस पर भी दबाव बनाने का आरोप

छात्र ने बताया कि उसने मामले की शिकायत कस्बा पुलिस थाने में दर्ज कराई। आरोप है कि पुलिस अधिकारी उस पर समझौता करने का दबाव बना रहे हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान पीड़ित ने बताया, 'टीएमसीपी की ओर से आयोजित किए जा रहे पिकनिक के लिए उससे 400-500 रुपये मांगे गए थे। छात्र ने पिकनिक पर जाने और पार्टी की किसी भी तरह की गतिविधि में शामिल होने से इनकार कर दिया। इसके बाद उसे पिछले शुक्रवार (दो दिसंबर) को यूनियन रूम में बुलाया गया, जहां टीएमसीपी के समर्थकों ने छात्र के बाल खींचे और मारपीट भी की। आरोपियों का कहना था कि छात्र पार्टी में शामिल नहीं होना चाहता था, जिसके चलते उसके साथ ऐसा किया गया।'

परिवार के साथ भी हुई मारपीट

छात्र का आरोप है कि बुधवार (सात दिसंबर) को उसके परिजनों को मीटिंग के लिए कॉलेज बुलाया गया। जब छात्र के माता-पिता कॉलेज पहुंचे तो कुछ छात्रों ने पिता को धक्का दिया और उन्हें बाहरी बताया। इसके अलावा मां को भी धक्का देने की कोशिश की गई। पीड़ित ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो आरोपियों ने छात्र और उसके पिता के साथ मारपीट की। पीड़ित का दावा है कि आरोपी उसे एक कमरे में ले गए और लाइटें बंद करके उसके साथ मारपीट की गई। साथ ही, फोन भी छीन लिया।

एडीसी कार्यालय का सहायक सस्पेंड

रिश्वत मांगते हुए कहा था-सीएम तक जाता है पैसा

सोनीपत, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सोनीपत एडीसी कार्यालय के सहायक बैकुंठ मिश्रा को सस्पेंड कर दिया गया है। यह कार्रवाई खनन की शिकायत में खेत से अवैध रूप से मिट्टी उठाने मामले में की गई है। खनन अधिकारी ने इस मामले में कार्रवाई नहीं की थी तो पीड़ित ने एडीसी ऑफिस में शिकायत दी थी। एडीसी कार्यालय के असिस्टेंट ने पीड़ित से रिश्वत मांगते हुए कहा था कि रिश्वत का पैसा सीएम तक जाता है, सीएम भी कुछ नहीं करेगा। इसी बात पर कार्रवाई की गई है। शुक्रवार को सीएम मनोहर लाल का सोनीपत में जनसंवाद कार्यक्रम था। इसी दौरान सहायक को सस्पेंड किया गया। सहायक भागता हुआ सीएम के सामने पहुंचा लेकिन सीएम ने कहा कि चंडीगढ़ आकर जवाब देना।

शादी का झांसा देकर शादीशुदा महिला से रेप

पीड़िता ने आरोपी पर लगाया अप्राकृतिक कृत्य का आरोप

इंदौर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। इंदौर में एक शादीशुदा महिला से रेप का मामला सामने आया है। पीड़िता ने इवेंट मैनेजर का काम करने वाले आरोपी पर रेप, अप्राकृतिक कृत्य करने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि आरोपी ने उसे अपनी पत्नी से तलाक लेकर शादी करने का वादा किया और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाएं। महिला ने बताया कि वह फरवरी में घर पर अकेली थी, इसी दौरान आरोपी राहुल घर में घुस गया और उसके साथ जोर जबरदस्ती की। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पति ने घर से निकाल दिया था

पीड़िता ने बताया कि जब उसके पति को उसके और राहुल के बारे में बता चला तो पति ने उसे अक्टूबर में घर से निकाल दिया, जिसके बाद वह राहुल के पास पहुंची, लेकिन राहुल की पत्नी ने भी साथ रखने से मना कर दिया, जिसके बाद वह लेकर उज्जैन चला गया था। आरोपी ने महिला को उसके घर से निकाले जाने के बाद दो महीने तक अपने साथ रखा और उसके साथ संबंध बनाए। 6 दिसंबर 2022 को वह उसे महालक्ष्मी नगर इलाके में पार्लर के बाहर छोड़कर भाग गया। बाद में पीड़िता ने उसके मोबाइल पर कॉल किया तो किसी अन्य महिला ने कॉल कर बताया कि राहुल को कोई अगवा कर ले गया है। इसके बाद उसके घर और अन्य जगह पर भी उसकी जानकारी नहीं लगी। पीड़िता मामले में गुरुवार को थाने पहुंची और आरोपी पर केस दर्ज करवाया। संतोष दूधी के अनुसार महिला की शिकायत पर राहुल पुत्र श्याम कुमार शर्मा के खिलाफ रेप और अप्राकृतिक कृत्य के मामले में केस दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। शुक्रवार को उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। महिला के अनुसार आरोपी राहुल उसका पड़ोसी है। सामान्य जान-पहचान होने के बाद दोनों के बीच बातचीत होने लगी। राहुल ने एक दिन बातचीत में बताया कि वह अपनी बीवी से बहुत परेशान है और उसे तलाक देना चाहता है। इसके बाद पीड़िता और आरोपी के बीच नजदीकियां बढ़ी थीं।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 10 दिसंबर, 2022

सभी पार्टियों का विकास

2022 जाते-जाते पीएम मोदी का वह नारा सार्थक कर गया जो उन्होंने सबका साथ, सबका विकास के रूप में दिया था। इस वर्ष के अंत में यानी दिसंबर माह में दिल्ली नगर निगम और गुजरात तथा हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनावों के नतीजों पर सबकी नजर लगी हुई थी। तीनों जगह भाजपा की साख दांव पर थी, क्योंकि तीनों ही जगह उसकी ही सत्ता थी। इसमें भी लोगों की सबसे अधिक दिलचस्पी गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर थी। सोशल मीडिया और लोगों की मनोदशा देख कर माना जा रहा था कि 27 साल तक गुजरात में लगातार शासन करने की वजह से भाजपा विरोधी लहर है, जिससे भाजपा को नुकसान उठाना पड सकता है। वहां अब तक कांग्रेस और भाजपा के बीच टक्कर होती रही है, लेकिन इस बार जब वहां पूरे दमखम के साथ आम आदमी पार्टी ने भी ताल ठोंकी तो उसने कांग्रेस के मतदाताओं में सेंध लगा दी नतीजतन भाजपा ने रिकार्ड तोडते हुए 156 सीट हथिया ली। कांग्रेस सिर्फ 17 पर सिमट गई तो आप ने भी पांच सीटों से अपना गुजरात में खाता खोल लिया है। देखा जाए तो आम आदमी पार्टी गुजरात में जीतने की गरज से सबसे पहले से ही नेटवर्क बना कर प्रचार शुरू कर दिया था। लोगों का रुझान भी उसकी तरफ तेजी से बढ़ भी रहा था। फिर यह भी आंकड़ा बार-बार दोहराया जा रहा था कि पिछले तीन विधानसभा चुनावों से वहां भाजपा की सीटों में कमी और कांग्रेस की सीटों में बढ़ोतरी दर्ज हो रही है। इसलिए नतीजे भाजपा के खिलाफ जाने के कयास लगाए जा रहे थे। मगर भाजपा ने सारे कयासों को धता बताते हुए अभूतपूर्व विजय हासिल की है। विश्लेषक अब चाहे जो कहें लेकिन हकीकत यही है कि भाजपा ने न सिर्फ 156 सीटें अपने कब्जे में की है, बल्कि इसमें पहले की तुलना में उसका मत प्रतिशत भी बढ़ा है। जाहिर है कि गुजरात में भाजपा का जादू लोगों के सिर चढ़ कर बोल रहा है। हिमाचल प्रदेश में भाजपा को जरूर संघर्ष करना पड़ा, लेकिन वहां उसे शिकस्त इसलिए नहीं मिली कि कांग्रेस ने उससे बेहतर प्रदर्शन किया या उसके पास बेहतर चुनावी मुद्दे थे। बल्कि उसकी हालत इसलिए खराब हुई कि भाजपा ने वहां शुरू से ही अपनी रणनीति अच्छी तरह नहीं बनाई थी। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के कामकाज से लोग संतुष्ट नहीं थे। इसके बाद भी केंद्रीय नेतृत्व ने उनकी जगह किसी और को कमान सौंपने के बजाय उन्हें कार्यकाल पूरा करने दिया, जबकि गुजरात में पूरा मंत्रिमंडल ही बदल दिया था। रही-सही कसर पूरी कर दी टिकट बंटवारे ने। आरोप है कि प्रत्याशियों के चुनाव में ठीक से समीकरण तय नहीं किए गए। कई कद्दावर नेताओं के टिकट कटने से वे नाराज होकर बागी हो गए। वे निर्दलीय मैदान में उतरे लेकिन खुद तो नहीं जीत सके उलटे भाजपा का नुकसान कर गए। जिन सीटों पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है, उसमें मतों का अंतर बहुत कम है। इससे यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि हिमाचल में भी भाजपा का जनाधार कमजोर नहीं हुआ है। इसके बाद भी यह तो मानना ही होगा कि जनतंत्र संख्याओं का खेल है और इस खेल में कांग्रेस ने बाजी मार ली है। इसी तरह दिल्ली में कहने को तो नगर निगम का चुनाव था, मगर वह भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच मूंछ की लड़ाई बन चुका था। इससे इस चुनाव के परिणाम को लेकर पूरे देश की दिलचस्पी बनी हुई थी। आखिर आम आदमी पार्टी ने उसमें बहुमत हासिल कर लिया। लेकिन मामूली अंतर से हारने वाली भाजपा का प्रदर्शन भी निराशाजनक नहीं कहा जा सकता। 104 सीटें आई। जिन सीटों पर उसे हार मिली उन पर मतों का अंतर बहुत कम देखा गया। मगर इन तीनों चुनावों में जिस तरह भाजपा को मेहनत करनी पड़ी, उससे स्पष्ट हो गया कि वह चुनाव को चुनौती के रूप में लड़ती है, फिर चाहे वह नगर निगम का चुनाव ही क्यों न हो? जबकि हर जगह मुख्य प्रतिद्वंद्वी समझी जाने वाली कांग्रेस लड़ाई से पहले ही मैदान छोड चुकी थी। उत्तर प्रदेश की एक लोकसभा और विभिन्न राज्यों की विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में भी भाजपा को ज्यादातर जगहों पर पटखनी मिली। इसलिए ये चुनाव एक तरह से भाजपा के लिए भी संकेत है कि उसे पहले वाला जादू बरकरार रखने के लिए और कडी मेहनत करनी पडेगी।

तीनों पार्टियां गदगद, तीनों को सबक

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

गुजरात, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश चुनावों व परिणामों का सबक क्या है? दिल्ली और हिमाचल में भाजपा हार गई और गुजरात में उसकी ऐतिहासिक विजय हुई है। हमारी इस चुनाव-चर्चा के केंद्र में तीन पार्टियां हैं- भाजपा, कांग्रेस और आप। इन तीनों पार्टियों के हाथ एक-एक प्रांत लग गया है। दिल्ली का चुनाव तो स्थानीय था लेकिन इसका महत्व प्रांतीय ही है। दिल्ली का यह स्थानीय चुनाव प्रांतीय आईने से कम नहीं है। दिल्ली में आप को भाजपा के मुकाबले ज्यादा सीटें जरूर मिली हैं लेकिन उसकी विजय को चमत्कारी नहीं कहा जा सकता है। भाजपा के वोट पिछले चुनाव के मुकाबले बढ़े हैं लेकिन आप के घटे हैं। आप के मंत्रियों पर लगे आरोपों ने उसके आकाशी इरादों पर पानी फेर दिया है। भाजपा ने यदि सकारात्मक प्रचार किया होता और वैकल्पिक सपने पेश किए होते तो उसे शायद ज्यादा सीटें मिल जातीं। भाजपा ने तीनों स्थानीय निगमों को मिलाकर सारी दिल्ली का एक स्थानीय प्रशासन लाने की कोशिश इसीलिए की थी कि अरविंद केजरीवाल के टक्कर में वह अपने एक मजबूत महापौर को खड़ा कर दे। भाजपा की यह रणनीति विफल हो गई है। कांग्रेस का सूपड़ा दिल्ली और गुजरात, दोनों में ही साफ हो गया है। गुजरात में कांग्रेस दूसरी पार्टी बनकर उभरेगी, यह तो लग रहा था लेकिन वह इतनी दुर्दशा को प्राप्त होगी, इसकी भाजपा को भी कल्पना नहीं थी। कांग्रेस के पास गुजरात में न तो कोई बड़ा चेहरा था और न ही राहुल गांधी वगैरह ने चुनाव-प्रचार में कोई सक्रियता दिखाई। सबसे ज्यादा धक्का लगा, आम आदमी पार्टी को। गुजरात में आम आदमी पार्टी ने बढ़-चढ़कर क्या-क्या दावे नहीं किए लेकिन मोदी और शाह ने गुजरात को अपनी इज्जत का सवाल बना लिया था। मुझे याद नहीं पड़ता कि भारत के किसी प्रधानमंत्री ने अपने प्रांतीय चुनाव में इतना पसीना बहाया हो, जितने मोदी ने बहाया है। आप का प्रचारतंत्र इतना जबरदस्त रहा कि उसने भाजपा के पसीने छुड़ा दिए। अरविंद केजरीवाल का यह पैंतरा भी बड़ा मजेदार है कि दिल्ली का स्थानीय प्रशासन चलाने में उन्होंने मोदी का आशीर्वाद मांगा है। इस चुनाव में आप को अपेक्षित सफलता नहीं मिली लेकिन उसकी अखिल भारतीय छवि को मजबूती जरूर मिली है। ऐसा लगता है कि 2024 के आम चुनाव में मोदी के मुकाबले अरविंद केजरीवाल का नाम सशक्त विकल्प की तरह उभर सकता है। फिर भी इन तीनों चुनावों में ऐसा संकेत नहीं मिल रहा है कि 2024 में मोदी को अपदस्थ किया जा सकता है। दिल्ली और हिमाचल प्रदेश में भाजपा की हार के असली कारण स्थानीय ही हैं। मोदी को कांग्रेस जरूर चुनौती देना चाहती है लेकिन उसके पास न तो कोई नेता है और न ही नीति है। हिमाचल प्रदेश में उसकी सफलता का असली कारण तो भाजपा के आंतरिक विवाद और शिथिल शासन है।

गुजरात का विकास व हिंदुत्व बनेगा देश का मॉडल

सुरेश गांधी

फिलहाल, गुजरात के इतिहास में कभी इतना नीचे कांग्रेस का ग्राफ नहीं रहा। सीट ही नहीं उसका वोट शेयर भी औंधे मुंह गिरा है। जबकि 27 साल बाद एक बार फिर खुले दिल से बीजेपी को स्वीकार किया गया है। सिर्फ स्वीकार नहीं किया गया है, बल्कि 52.5 फीसदी वोटों के साथ 156 से भी ज्यादा सीटों वाला एक ऐसा बहुमत दिया है जो आज से पहले गुजरात में किसी पार्टी को नहीं मिला। जहां तक कांग्रेस की बात है तो 1990 में उसे 33 सीटें मिली थी, लेकिन इस बार तो 17 सीट पर ही सिमट गयी। मतलब साफ है इस प्रचंड जीत ने साबित कर दिया कि गुजरात में जो मोदी कहेंगे वही वहां की जनता सुनेगी। देखा जाएं तो मोदी ने अहमदाबाद में सबसे लंबा 54 किलोमीटर का रोड शो, तीन और रोड शो, साथ ही 31 सभाएं कीं और इन सभी इलाकों में बीजेपी को जीत मिली है, लेकिन ये कहना गलत होगा कि ये सिर्फ मोदी के दम पर है। इसमें कहीं न कहीं योगी आदित्यनाथ की सभाओं में बुलडोजर बाबा व हिन्दू हृदय सम्राट की गूंजती नारों की भी बड़ी भूमिका है। हालांकि हिंदुत्व की अलख गुजरात की ही धरती से जगी थी। 2002 के गोधरा दंगों के बाद भाजपा ने हिंदुत्व के मुद्दे पर 127 सीटों के साथ ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। फिर 2003 में वाइब्रेंट गुजरात समिट की शुरुआत की। विकास का नया गुजरात मॉडल बनाया। फिर राम मंदिर, तीन तलाक और धारा 370 का खात्मा। या यूं कहे गुजरातियों को भाजपा ये समझाने में कामयाब रही कि मुफ्त का कुछ भी नहीं चाहिए। फिर भाजपा ने दिल्ली मॉडल के मुकाबले गुजरात मॉडल की वकालत की और उसे गुजरात प्राइड से जोड़ दिया। यानी गुजरात मॉडल को गुजरातियों का मॉडल बना दिया और परिणाम सामने है। यह चुनाव ठीक उस मैच की तरह हो गया, जब किसी एक खिलाड़ी ने दूसरी टीम की जीत की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए अकेले दम पर बड़ी जीत दिला दे। गुजरात में 27 वर्षों तक सत्ता में रहने और चुनावी महासमर में आप के कूदने के बाद भाजपा भी अंदर ही अंदर जीत को लेकर आशंकित हो गई थी। मगर आखिर में फिर पीएम मोदी की ऐसी सुनामी चली कि कांग्रेस और आप हवा में उड़ गए। इससे प्रधानमंत्री की लोकप्रियता और गुजरातवासियों का उनके प्रति लगाव का अंदाजा भी आसानी से लगाया जा सकता है। गुजरात ने यह साबित कर दिया है कि पीएम मोदी उस राज्य के लाडले हैं। वह गुजरात के गौरव और लोगों के अभिमान बन चुके हैं। पीएम मोदी ने 13 वर्षों तक गुजरात के सीएम रहने के दौरान राज्य को जिन बुलंदियों पर ले गए जनता आज भी उनकी कायल दिखती है। इसलिए पीएम मोदी के सम्मान में जनता ने उनकी झोली में अब तक की सबसे बड़ी जीत डाल दिया। इसके अलावा भाजपा गुजरात में सातवीं जीत के साथ देश की दूसरी ऐसी पार्टी हो गई है, जो लगातार किसी राज्य में 30 वर्ष से अधिक समय तक शासन का रिकॉर्ड बना रही है। अभी तक सबसे लंबे शासन का रिकॉर्ड मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पास है, जिसने पश्चिम बंगाल में लगातार 34 वर्षों तक शासन किया है। माकपा पश्चिम बंगाल में वर्ष 1977 से 2011 तक लगातार सत्ता में रही। अब भाजपा गुजरात में लगातार 32 वर्ष तक सत्ता में रहेगी। वर्ष 2022 में भाजपा का यह रिकॉर्ड इस मायने में बेहद खास हो गया है। अगले साल मध्य प्रदेश में होने वाले चुनाव समेत भाजपा शासित राज्यों में ये प्रयोग देखने को मिल सकता है। साथ ही मोदी-शाह की जोड़ी पर देश और भाजपा का विश्वास और बढ़ा है। इससे 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा अपने एजेंडे पर तेजी से बढ़ेगी। बता दें, गुजरात में अभी तक सबसे अधिक सीटों पर जीतने का रिकॉर्ड कांग्रेस के पास था। कांग्रेस ने वर्ष 1985 में माधव सिंह सोलंकी के नेतृत्व में रिकॉर्ड 149 सीटों पर जीत हासिल की थी। सोलंकी तीन बार गुजरात के सीएम रहे। इससे पहले वर्ष 1980 में भी कांग्रेस को 141 सीटों पर विजय मिली थी। मगर भाजपा ने अब 156 से अधिक सीटें जीतकर कांग्रेस के इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

राम मंदिर आंदोलन और आपातकाल के दौर में भी कांग्रेस को गुजरात में इतनी करारी हार का सामना नहीं करना पड़ा था.हालांकि वर्ष 2022 का गुजरात विधानसभा चुनाव इस बार भाजपा के लिए बहुत टफ माना जा रहा था। आम आदमी पार्टी के मैदान में उतरने से भाजपा, कांग्रेस और आप के बीच त्रिकोणीय मुकाबलों के आसार थे। इसने भाजपा को टेंशन में डाल दिया था। भाजपा नेताओं को भी चुनाव से पहले अंदाजा नहीं था कि वह इतनी बड़ी जीत गुजरात विधान सभा चुनावों में 27 वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद हासिल कर सकते है। मगर अब भाजपा ने एंटी इन्कंबेंसी की सारी गुंजाइशों को खत्म करते हुए गुजरात में जीत का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बनाकर कांग्रेस को राज्य में हासिये पर ला दिया है। इस चुनाव में कांग्रेस सिर्फ 17 सीटों पर ही सिमट गयी। इतनी बड़ी हार कांग्रेस की इससे पहले कभी नहीं हुई थी। गुजरात में वर्ष 1990 के चुनाव में कांग्रेस को सबसे कम 33 सीटें मिली थीं, लेकिन इस बार कांग्रेस उस रिकॉर्ड से भी पीछे रह गई है।

राम मंदिर आंदोलन और आपातकाल

भी कांग्रेस की इतनी दुर्गति नहीं

यह गुजरात में कांग्रेस का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। वहीं गुजरात में सरकार बनाने का दावा करने के लक्ष्य से उतरी अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सकी। उसके सभी बड़े चेहरे भारी अंतर से चुनाव हार गए। गुजरात में कांग्रेस का सक्रिय नहीं होना, खरगे के रावण वाले बयान और आप की एंट्री को भी भाजपा की इस बड़ी जीत का कारण माना जा रहा है। नाराजगी और गुस्से से बौखलाये मल्लिकार्जुन खरगे ने अहमदाबाद की रैली में वो गलती कर दी जो गुजरात चुनाव में पूरी कांग्रेस पर भारी पड़ गई।

पीएम मोदी के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी ने गुजरात में बीजेपी के पक्ष में काम किया है। जैसे सोनिया गांधी की का सौदागर तंज कई चुनावों में गूंजता रहा। जबकि खरगे के बयान के बाद मोदी ने मध्य गुजरात के पंचमहल जिले के कलोल तालुका में अपनी जनसभाओं यह कहकर मुद्दाबना दिया था कि, खरगे को मेरी तुलना रावण से करने के लिए सिखाया गया था, जब कांग्रेस भगवान राम में विश्वास नहीं करती है। वे राम सेतु के अस्तित्व को स्वीकार नहीं करते हैं। यह भगवान राम को मानने वालों की स्थिति है, जहां इस तरह के आरोप लोगों द्वारा कभी स्वीकार नहीं किए जाएंगे। बता दें कि देश की आजादी के बाद गुजरात बॉम्बे प्रदेश का हिस्सा हुआ करता था। एक मई 1960 को बॉम्बे से महाराष्ट्र और गुजरात दो नए राज्य बने। गुजरात में 1960 के बाद से 2022 तक कुल 15वां विधानसभा चुनाव हो रहा है। और कांग्रेस सबसे करारी हार के मुहाने पर खड़ी है। 1990 के विधानसभा चुनाव के दौरान गुजरात में कांग्रेस कासबसे बुरा प्रदर्शन देखा गयाथा। तब पार्टी सिर्फ 33 सीटें जीतने में सफल हुई थी। इसके बाद कांग्रेस की सीटें कुछ हद तकबढ़ती गई.2002 में कांग्रेस को50, जबकि 2007 में 59 सीटें मिली थीं। 2017 में पार्टी ने77 सीटें जीती थीं और बीजेपी को कड़ी टक्कर भी दी थी। दो दशकों में कांग्रेस ने 2017 में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया था।

1962 से लेकर 1976 तक कांग्रेस ने गुजरात में एकछत्र राजकिया था, लेकिन उसे पहला झटका आपातकाल के दौर में लगा और कांग्रेस की सीटें घटकर 75 पर आ गई थीं। इसके पहले तक कांग्रेस 100 सीटों से अधिक पर जीत हासिल करतीरही है। इसके बाद कांग्रेस ने 1980 में दोबारा प्रचंड बहुमत के साथ वापसी की थी और 51 फीसदी वोटों के साथ 141 सीटें जीतने में सफल रही थी। इसके बाद 1985 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया था। कांग्रेस 55.55 फीसदी वोटों के साथ 149 सीटें जीतने में सफल रही थी। कांग्रेस इस चुनाव के बाद से गुजरात में लगातार कमजोर हुई है और छह दशकों में सबसे खराब प्रदर्शन अभी तक 1990 के चुनाव में रहा था। कांग्रेस 30.75 फीसदी वोटों के साथ महज 33 सीटें ही जीत सकी थी, लेकिन अब कांग्रेस इससे भी बुरी हार की ओर बढ़तीदिख रही है। कांग्रेस की सिर्फ सीटें ही नहीं बल्कि वोट शेयर भी काफी गिर गया है।

लापिएर-फिशर जैसे भारत प्रेमी लेखक

आर.के. सिन्हा

गांधी फिल्म को पिछली 30 नवंबर को रिलीज हुए चालीस साल हो गए। गांधी फिल्म बनी थी, अमेरिका में बसे महान यहूदी लेखक लुई फिशर द्वारा लिखी गांधी जी की जीवनी से प्रभावित और प्रेरित होकर। उनकी पुस्तक को गांधी जी के सर्वश्रेष्ठ जीवनी ग्रंथों में एक माना जाता है। वैसे तो गांधी जी की सैकड़ों जीवनियां लिखी जा चुकी हैं। गांधी फिल्म के रिलीज होने के चंदेक दिनों के बाद फ्रीडम एट मिडनाइट, फाइव पास्ट मिडनाइट इन भोपाल, सिटी आफ जॉय, 'ओ' जेरुसलम' और 'इज पेरिस बर्निंग' जैसी किताबों के रचयिता डोमिनिको लापियर चल बसे। आप पूछ सकते हैं कि गांधी फिल्म, लुई फिशर और लापिएर का क्या संबंध है? आपका सवाल वाजिब है। लुई फिशर तथा लापिएर जैसे विदेशी लेखकों का भारत प्रेम उन्हें खास बनाता है। वे भारत से हजारों मील दूर रहने पर भी भारत से सम्बंधित श्रेष्ठ रचनायें लिखते रहे। फ्रीडम एट मिडनाइट 1975 में प्रकाशित हुई थी। उसे बाजार में आते ही दर्शकों ने हाथों-हाथ लिया था। उसे लापिएर ने लैरी कौलिंस के साथ मिलकर लिखा था। दोनों लेखकों ने फ्रीडम एट मिडनाइट के जरिए भारत के पाठकों को अनेक रोचक तथ्यों से पहली बार रूबरू करवाया था। उदाहरण के रूप में मोहम्मद अली जिन्ना ने पाकिस्तान जाने से पहले अपना दिल्ली का बंगला उद्योगपति रामकृष्ण डालमिया को ढाई लाख रुपये में बेचा था। डालमिया ने पूरे बंगले को खरीदने के बाद उसे गंगाजल से धुलवाया भी था। यह जानकारी पहली बार दुनिया ने फ्रीडम एट मिडनाइट को पढ़कर जानी थी। पंडित जवाहरलाल नेहरू साधु-संतों से मिलने में भी परहेज नहीं करते थे। भारत 15 अगस्त, 1947 को आजाद हुआ तब वे 17 यार्क रोड (अब मोतीलाल नेहरू रोड) में रहते थे। पंडित नेहरू 15 अगस्त की तैयारियों में जुटे हुए हैं। फ्रीडम एट मिड नाइट में लैरी कोलिंस तथा डोमिनिको लॉपियर लिखते हैं- " देश के स्वतंत्र होने की खुशी को दिल्ली के चप्पे-चप्पे में महसूस किया जा सकता था। सड़कों पर साधु और संन्यासी भी प्रकट हो गए थे। नई दिल्ली में जगह-जगह पर शहनाई वादक शहनाई बजाने लगे थे। 14 अगस्त, 1947 को नेहरू जी के घर में कुछ साधु पहुंच गए। वे नेहरू जी से मिले। उन्होंने उन पर पवित्र गंगा जल छिड़का, माथे पर भभूत लगाई और हाथ में मौली बांधी। धार्मिक आडंबरों से दूर रहने वाले वाले नेहरू जी ने यह सब कुछ बड़े प्रेम से करवाया।" नेहरू जी इसी यार्क रोड के अपने बंगले से 14-15 अगस्त, 1947 की रात काउंसिल हाउस (अब संसद भवन) में हुए गरिमामय कार्यक्रम में भाग लेने के लिए गए थे।

उन्हें यह बंगला तब मिला था जब वे 1946 में अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री बने थे। वे तीन मूर्ति में तो सितंबर, 1947 में शिफ्ट हुए थे। इस तरह के तमाम तथ्यों को लिखकर लापिएर अपने पाठकों को अपना प्रशंसक बना लेते थे। यह तथ्य भी दुनिया ने इनकी किताब से ही जाना कि आम भारत के अंतिम वायसराय लार्ड माउंटबैटन को पता चल गया होता कि कैंसर ग्रस्त जिन्ना 'सिर्फ कुछ महीनों के ही मेहमान' हैं, तो वे बंटवारे की बजाय जिन्ना की मौत का इंतजार करते। हालांकि, यह बातें सिर्फ जिन्ना के हिंदू डॉक्टर को पता थी, जिसने अपने मरीज के साथ विश्वासघात नहीं किया। लापिएर ने भोपाल गैस त्रासदी की भयावहता को बेहद मार्मिक अंदाज में "फाइव पास्ट मिडनाइट इन भोपाल" से पेश किया था। वास्तव में विश्व की भीषणतम औद्योगिक दुर्घटना या विभीषिका पर यह कालजयी किताब है। इसे उन्होंने अपने साथी जेवियर मोरो के साथ मिलकर लिखा था। उन्होंने भोपाल विभीषिका पर लिखी गई पुस्तक की सारी रायल्टी गैस पीड़ितों के कल्याण के लिए प्रकाशन के बाद से ही देने की घोषणा कर दी थी। लापिएर ने "सिटी ऑफ जॉय" नाम का एक प्रसिद्ध उपन्यास भी लिखा। यह कोलकाता के जीवन, उसके सुख-दुख पर गहरा प्रकाश डालता है। लापियर और उनकी पत्नी दोनों विशेष रूप से विकलांग बच्चों के लिए सहायता, प्रेम, सहानुभूति रखते थे। 1985 में आई उनकी किताब "सिटी ऑफ जॉय कलकत्ता" (आज का कोलकाता) के एक रिक्शा वाले की कहानी है जो भारत में बेहद लोकप्रिय हुई। उन्होंने अपनी किताब से हुई कमाई को भारत में टीबी तथा कोढ़ से ग्रस्त मरीजों के इलाज पर खर्च किया था। अब बात उस महान लेखक लुई फिशर की भी करें जिन्होंने बापू की कालजयी जीवनी लिखी। बेशक, गांधी फिल्म को देखने के बाद पूरी दुनिया ने महात्मा गांधी को कहीं ज्यादा करीब से जाना-समझा। रिचर्ड एटिनबर्ग ने महान लेखक लुई फिशर द्वारा लिखी गांधी जी की जीवनी द लाइफ ऑफ महात्मा को आधार बनाकर ही गांधी का निर्देशन किया था। जरा सोचिए, कि अगर उन्होंने फिशर के काम को न पढ़ा होता तो क्या गांधी फिल्म बनती? लुई फिशर ने जीवनी बिल्कुल उपन्यास शैली में लिखी है। इसे पढ़ते ही आप इससे जुड़ जाते हैं। इसका आप पर चुंबकीय तरीके से असर होता है। कहना न होगा कि गंभीर साहित्य अध्येताओं से लेकर विद्यार्थियों के लिए यह एक उपयोगी जीवनी है। लुई फिशर की लिखी जीवनी का पहला अध्याय बापू की हत्या से लेकर उनकी शवयात्रा पर आधारित है। यानी उन्होंने अंत को सबसे पहले ही झांकती है। इस तरह का साहस फिशर ही कर सकते हैं। ये जीवनी गांधी जी के जीवन में गहरे से झांकती है। इसे पढ़ते हुए पाठक कहीं भी तनिक सा भी बोर नहीं होता। पाठक को ये नहीं लगता कि ये तथ्य तो उसे पहले से ही मालूम था। गांधी जी की हत्या से लेकर उनकी शवयात्रा का वे जिन तथ्यों के साथ विवरण देते हैं, वे उनकी जीवनी को बाकी से अलहदा बना देते हैं। वे लिखते हैं- "महात्मा गांधी 1918 में दिल्ली में आए तो सेंट स्टीफंस कॉलेज में ही रुके।

यहां पर उनसे कॉलेज के छात्र ब्रज कृष्ण चांदीवाला ने मुलाकात की। वह पहली ही मुलाकात के बाद बापू के जीवनपर्यंत के लिए शिष्य बन गए। वह कॉलेज में रहते हुए ही स्वाधीनता आंदोलन से जुड़ गए। उन्होंने खादी के वस्त्र पहनने चालू कर दिए। ब्रज कृष्ण चांदीवाला दिल्ली के एक धनी परिवार से थे। वे ही बापू के लिए बकरी के दूध की व्यवस्था करते थे। गांधी जी का भी उनके प्रति बहुत स्नेह का भाव रहता था। गांधी जी की मृत्यु के बाद ब्रज कृष्ण चांदीवाला ने ही उन्हें अंतिम स्नान करवाया था।" उनके विवरण अतुलनीय हैं। 'द लाइफ ऑफ महात्मा गांधी' में लुई फिशर लिखते हैं- "बापू को गोली लगने के कुछ देर बाद ही घटनास्थल पर डॉ. डी.पी भार्गव और डॉ.जीवाजी मेहता पहुंच गए थे। डॉ. मेहता ने ही बापू को मृत घोषित किया था।"

राष्ट्रीयधारा में चरित्र निर्माण राष्ट्रीयता का सूत्रधार

संजीव ठाकुर

चरित्र अथवा सच्चरित्रता को यदि हम परिभाषित करें, तो अच्छे आचरण, चाल चलन, स्वभाव, गुणधर्म, आदि इत्यादि को चरित्र तथा सच्चरित्रता का तात्पर्य अच्छा चाल चलन, अच्छा स्वभाव, अच्छे व्यवहार से है। मनुष्य समाज के बीच रहने वाला दोपाया है। अतः समाज के मध्य ऐसे गुणों का होना आवश्यक है, जिनके द्वारा व समाज में शांति पूर्वक रहते हुए देश की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सके। मनुष्य के खराब आचरण से समाज का वातावरण भी प्रदूषित, खराब होता है। दूसरी तरफ अच्छे राष्ट्रीय चरित्र फलादेश हमेशा प्रगति के पथ पर चलकर एक महान राष्ट्र की संज्ञा पाता है। काम, क्रोध,लोभ, मोह, संताप, निर्दयता और ऐसे अवगुण मनुष्य के सामाजिक जीवन में अशांति उत्पन्न करते हैं। ऐसा व्यक्ति सदैव दुराचारी ही माना जाता है जो अच्छे आचरण या अच्छे चरित्र का ना हो। दूसरी ओर इसके जरा विपरीत निष्ठा, ईमानदारी, लगन शीलता, संयम तथा परोपकार इत्यादि पालन करने वाला मनुष्य चरित्रवान और सच्चरित्र वाला कहलाता है। इसके अलावा उदारता, विनम्रता,सहिष्णुता, सत्यभाषण किसी राष्ट्र को चरित्रवान बनाता है। हमारे देश के महान नेता बापू महात्मा गांधी ने कूटनीति की चमक को बड़ा नहीं समझा,बुद्धि विकास को बड़ा नहीं समझा, चारित्रिक बल को ही मान दिया था। आज हमें अधिक से अधिक इस बात पर विचार करना है कि चरित्र बल केवल एक व्यक्ति का नहीं समूचे देश का होना चाहिए। राष्ट्रीय चरित्र को अत्यधिक महत्व देने वाली पंक्तियां मूर्धन्य आलोचक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा अंग्रेजी में लिखी गई पंक्तियां से हम सब भली भली भांति परिचित हैं,उसका हिंदी भावार्थ है, यदि धन गया तो कुछ भी नहीं गया, यदि स्वास्थ्य गया तो थोड़ा गया, और यदि चरित्र चला गया तो सब कुछ चला गया। उनके इस कथन से चरित्र का महत्व स्पष्ट परिलक्षित होता है। कर्म मानव की अभिव्यक्ति है, वैसे ही जीवन चरित्र की अभिव्यक्ति है। हारबर्ट स्पेंसर ने कहा कि किसी मनुष्य राष्ट्र की सबसे बड़ी आवश्यकता शिक्षा नहीं चरित्र है, और यही सबसे बड़ा उसका रक्षक है। चरित्रवान व्यक्ति ही अच्छा राष्ट्रीय चरित्र निर्माण कर सकता है। और अच्छा राष्ट्रीय चरित्र एक महान देश को जन्म देता है। जिसमें विश्व में शांति, सद्भावना एवं परस्पर सहयोग की भावना को बल मिलता है। चरित्रवान नेता पूरे देश को अच्छे से नेतृत्व देकर सही विकास और शिक्षा की ऊंचाइयों तक ले जा सकता है। चरित्रहीन नेता देश को रसातल की ओर ले जाने में नहीं चूकता है। इसीलिए हमारा परम कर्तव्य बनता है कि हम देश के प्रतिनिधि के रूप में चरित्रवान नेताओं का ही चुनाव करें। राजनीति एक कठिन डगर है, जहां की पगडंडी बल खाकर आगे बढ़ती है। और इस प्रयास में हमें समाज में सदाचार को बढ़ाने की अत्यंत आवश्यकता है। भ्रष्टाचार कदाचार की संभावनाओं को खत्म करने की कोशिश करनी चाहिए, और इस प्रयास में हमें बच्चों को प्रारंभ से ही नैतिक शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए।चरित्रवान नेता सदैव अपने नागरिकों को महान बनने की प्रेरणा देता है। और सच्चरित्र ही हमेशा उदाहरण बनके आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत होते हैं। महात्मा गांधी तथा अन्य नेताओं ने चारित्रिक प्रबलता के दम पर ही ब्रिटिश साम्राज्य को उखाड़ फेंका था।

सदाचारी व्यक्ति की समाज में प्रतिष्ठा होती है,और दुराचारी नेता सदैव निंदा का पात्र बनता है। जिस राष्ट्र के नेता नागरिक दुराचारी हो उसकी प्रगति कभी ठीक से नहीं होती। अतः देश की सही व निरंतर प्रगति के लिए आवश्यक है कि उसके अग्रणी नेता नागरिक आने वाली पीढ़ी चरित्रवान एवं निष्ठावान हो।

किसी भी व्यक्ति या नागरिक का चरित्र होना इस बात पर निर्भर नहीं करता कि वह कितना शिक्षित है।एक अशिक्षित व्यक्ति भी अपने मर्यादापूर्ण जीवन से अच्छे चरित्र की संज्ञा पा सकता है, और यदि उच्च शिक्षित व्यक्ति भ्रष्टाचार दुराचार में लिप्त हो तो वह चरित्रहीन ही कहलाता है। कई अति शिक्षित व्यक्ति दुराचार एवं विचार में लिप्त होकर अपने पढ़े लिखे होने को कलंकित करते हैं। और वही कम पढ़ा लिखा या अशिक्षित ऑटो ड्राइवर यात्री द्वारा भूल से छोड़े गए लाखों रुपए पुलिस थाने में जमा कर आता है, वह उस अनपढ़ व्यक्ति की उत्तम चरित्र की परिभाषा है। आज बड़े-बड़े पढ़े-लिखे अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त होकर जेल तक की हवा खाने के लिए मजबूर हैं। यह लोग समाज के चरित्र,राष्ट्र के चरित्र के लिए अत्यंत घातक है।

पहुंच से बाहर क्यों है घर खरीदने का सपना

भारत में घर खरीदना हर आम आदमी का सपना होता है। लेकिन इस साल उसकी पहुंच से यह सपना दूर होता दिख रहा है। कारण कि हम बढ़ते ब्याज दरों और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के आई मुद्रास्फीति के दबावों के माहौल में आगे बढ़ रहे हैं। इसकी मुख्य वजह है- भारतीय रिजर्व बैंक का लगातार रेपो दरों में बदलाव करना। इससे बैंकों से मिलने वाला आवास ऋण महंगा हो रहा है और कोविड काल के बाद बाजार के तेजी पकड़ने से प्रॉपर्टीज भी महंगी हुई हैं। दूसरी तरफ घटती आमदनी की वजह से भी 'अपना घर' लोगों की पहुंच से बाहर हो गया है। इस संबंध में हाल ही में प्रॉपर्टी कंसल्टेंट कंपनी जोन्स लैंग लासेल (जेएलएल), इंडिया ने होम पर्चेज अफोर्डेबिलिटी इंडेक्स पेश किया। इंडेक्स में इस बात की पड़ताल की गई है कि आम परिवार की आमदनी (औसत वार्षिक आय) मौजूदा बाजार मूल्य पर आवासीय संपत्ति खरीदने के लायक है या नहीं? यानी उसके लिए घर खरीदना किफायती है या नहीं। सर्वे के मुताबिक 2022 में लोगों की घर खरीदने की क्षमता में थोड़ी कमी आई है, क्योंकि घर निर्माण सामग्री में महंगाई की वजह से निर्माण लागत बढ़ी है। इससे खरीदारी प्रभावित हुई है।

2013 और 2021 के बीच सभी भारतीय शहरों में घर खरीदने की क्षमता में लगातार बढ़ोतरी हुई थी। यानी इन वर्षों में घर खरीदने के लिए, बेहतर समय रहा। साल 2022 में कुछ ही शहर ऐसे हैं जहां आम आदमी के लिए घर खरीदना अब भी थोड़ा किफायती है हालांकि बीते सालों की तुलना में वहां भी यह महंगा है। लगातार दो साल से कोलकाता किफायती घर खरीदने के लिहाज से सूची में सबसे ऊपर दर्ज हुआ है। घर खरीदने के लिए रेपो रेट, आवास ऋण, महंगाई और प्रति व्यक्ति आय आदि फैक्टर निर्णायक साबित होते हैं। बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को देखते हुए साल 2023 में भी घर खरीदना आसान नहीं होने वाला है। होम पर्चेज अफोर्डेबिलिटी इंडेक्स के मुताबिक इस साल देश के सात प्रमुख शहरों में घर खरीदना थोड़ा आसान बताया गया है। सर्वे में अनुमानित कीमत के हिसाब से यह आकलन किया गया कि यहां घर खरीदना किफायती है या नहीं। इस इंडेक्स में कोलकाता को 193 अंक हासिल हुए हैं, जो इस वर्ष घर खरीदने के लिए सर्वाधिक किफायती शहर बताया गया। इसके बाद 183 अंक के साथ पुणे दूसरे स्थान पर, 174 अंक के साथ हैदराबाद तीसरे पायदान पर, 168 अंक के साथ बेंगलुरु चौथे, 162 अंक के साथ चेन्नै पांचवें, 125 अंक के साथ दिल्ली छठे और 92 अंक के साथ मुंबई आखिरी सातवें स्थान पर रहा।

क्या मंदिरों और शिक्षा संस्थानों के लिए मोटा दान देते थे - कंजूस माने जाने वाले हैदराबाद के निजाम

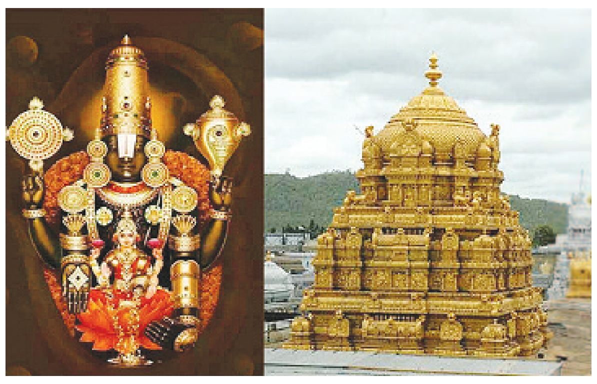

हैदराबाद के निजाम दुनिया के सबसे धनी लोगों में शामिल थे। उनके पास अकूत दौलत थी। हैदराबाद सबसे समृद्ध राज्य माना जाता था। हालांकि निजाम को इतनी दौलत के बाद भी बहुत कंजूस कहा जाता था। उनके कंजूसी के बहुत किस्से हैं। लेकिन निजाम ने जीवन भर कई बार हिंदू मंदिरों और शिक्षा संस्थानों के लिए मोटा दान भी दिया।

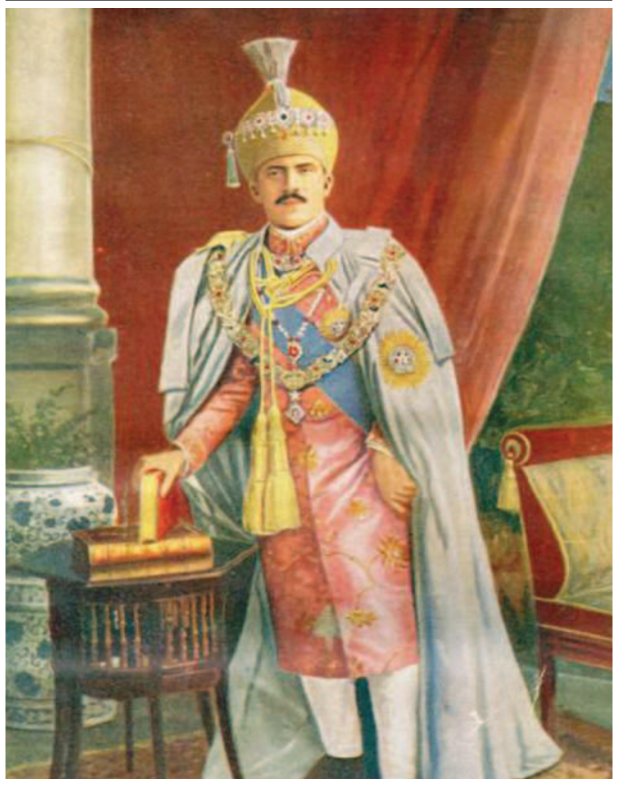

तिरुपति बालाजी मंदिर

हैदराबाद निजाम का नाम पिछले दिनों ग्रेटर हैदराबाद म्युनिशपल कारपोरेशन के चुनावों में बार बार चर्चा में आया। सातवें निजाम उस्मान अली दुनिया के सबसे धनी लोगों में थे। उनके धन दौलत के किस्से जितने ज्यादा विख्यात थे। उतने ही ज्यादा उनकी कंजूसी के बारे में कहा गया। हालांकि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना स्टेट आर्काइव्स एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट्स से मिलने वाले रिकार्ड बताते हैं कि हैदराबाद निजाम ने कई बार हिंदू मंदिरों को मोटा दान दिया। यही नहीं उन्होंने उस जमाने में पुणे से छपने वाली एक धार्मिक पत्रिका को आर्थिक मदद दी। साथ ही कई हिंदू प्रबंधन से जुड़े शिक्षा संस्थानों के लिए अपने दोनों हाथ खोल दिए।

सातवें निजाम ने तिरुपति के प्रसिद्ध तिरुमला बालाजी मंदिर के लिए 8000 रुपया आजादी से पहले दान किया था। विकीपीडिया भी इसका उल्लेख करता है। भगवान विष्णु के प्रसिद्ध वेंकटेश्वर मंदिर को देश के सबसे धनी मंदिरों में गिना जाता है। यहां लोग बड़े पैमाने पर चढ़ावा चढ़ाते हैं, इसमें बहुमूल्य आभूषणों से लेकर मोटी धनराशि भी शामिल होती रही है। ये मंदिर एक जमाने में हैदराबाद रियासत में ही आता था।

इसी तरह सीताराम बाग मंदिर, इसे हैदराबाद के मंगलहाट में 25 एकड़ के इलाके में बनवाया गया है। ये हैदराबाद के सबसे पुराने मंदिरों में एक है अब ये हैरिटेज दर्जे में आने लगा है। कुछ दशक पहले इस मंदिर की हालत खराब थी। इसको बड़े स्तर पर जीर्णोद्धार की जरूरत थी। तब निजाम के सामने ये मामला आया। तब निजाम ने इसके पुर्ननिर्माण के लिए 50,000 रुपए दिए थे।आज भी मंदिर के रिकॉर्ड्स में इसका उल्लेख किया जाता है।

दक्षिण भारत का प्रसिद्ध मंदिर है श्री सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर, जो भगवान को समर्पित है। ये भद्राचलम में गोदावरी नदी के किनारे है। इसकी मान्यता दक्षिण अयोध्या के रूप में भी है। इस भव्य मंदिर के लिए निजाम ने 29,999 रुपए का डोनेशन दिया था।

तेलंगाना में यादाद्री भुवनगिरी जिले में एक मंदिर है श्री लक्ष्मी नरसिंहा मंदिर, जिसे यादगिरीगुट्टा मंदिर के नाम से भी जानते हैं। नरसिंह को विष्णु का अवतार माना जाता है। ये मंदिर हैदराबाद से करीब 60 किलोमीटर दूर है। इसे हैदराबाद के सातवें निजाम ने 82,225 रुपए दान के रूप में दिए। हैदराबाद स्थित आर्काइव एंड रिसर्च सेंटर में इससे संबंधित दस्तावेज भी मिलते हैं।

पुणे में भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट हर साल तब महाभारत का प्रकाशन करता था। लेकिन इसमें जब उसे आर्थिक तौर पर दिक्कत आने लगी तो इस संस्थान कई लोगों से मदद मांगी। जो लोग इस काम में आगे आए, उसमें हैदराबाद के निजाम भी थे। उन्होंने 11 बरसों तक लगातार हर साल 1000 रुपए की इसकी आर्थिक मदद 1932 से लेकर 1943 तक की। इसके साथ ही इस संस्थान के गेस्ट हाउस के निर्माण में 50,000 हजार रुपए की मदद की।

ये रिकॉर्ड्स आंध्र प्रदेश व तेलंगाना स्टेट आर्काइव्स एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट में हैं। जिसमें भंडारकर इंस्टीट्यूट के सचिव की अप्लीकेशन पर निजाम ने गेस्ट हाउस के निर्माण पर पहले 25,000 रुपए दिए और इतनी ही रकम इसके बाद भी।

निजाम अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की लगातार मदद करते थे। वो उनका पसंदीदा संस्थान था लेकिन टैगोर का शांति निकेतन भी इसी सूची में था। उन्होंने साथ आंध्र यूनिवर्सिटी और बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी को भी आर्थिक मदद की। शांति निकेतन को 1926-27 में एक लाख रुपए की आर्थिक मदद दी गई, जो बाद में बढ़ाकर 1.25 लाख रुपए कर दी गई।

इसी तरह रिकाड्र्स बताते हैं कि बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी को उन्होंने 30,000 रुपए की मदद देनी की मंजूरी दी थी।

इसी तरह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु को उनकी मदद के बारे में लगातार बताया जाता रहा है। तब सर सीवी रमन के अनुरोध पर इस संस्थान को हर साल तीन हजार साल रुपए का डोनेशन कई साल तक दिया।

तेलंगाना का प्रसिद्ध मंदिर यादगिरीगुट्टा

नारद मुनि की वेद व्यास को सीख

असफलता और परेशानियों की वजह से निराशा और भ्रम बढ़ने लगते हैं, लेकिन हमें किसी भी स्थिति में निराश नहीं होना चाहिए। निराशा की वजह से परिस्थितियां और अधिक उलझ जाती हैं। ऐसे विपरीत समय में हमें क्या करना चाहिए, ये हम नारद मुनि से सीख सकते हैं।

नारद मुनि और वेद व्यास जी से जुड़ी एक कथा प्रचलित है। कथा के मुताबिक एक दिन व्यास जी बहुत निराश थे, उन्हें कई ग्रंथों की रचना कर दी थी, लेकिन उनका मन अशांत ही था।

वेद व्यास निराश थे और उस समय उनके पास नारद मुनि पहुंचे। व्यास जी ने नारद मुनि को अपनी परेशानी बताई तो नारद मुनि ने उनसे कहा कि पिछले जन्म में मैं एक दासी पुत्र था। मेरी मां ब्रह्माणों, ज्ञानियों और तपस्वियों की सेवा में लगी रहती थी। जब मैं थोड़ा बड़ा हुआ तो मेरी मां ने मुझे तपस्वियों की सेवा में लगा दिया। उन दिनों मैं इस बात के लिए दुखी रहता था कि मेरी मां को दासी के रूप में काम करना पड़ता है। निराश होने के बाद भी मैंने तपस्वियों की सेवा में कोई कमी नहीं छोड़ी।

ज्ञानी-विद्वानों की संगत और सेवा की भावना से मेरा मन शांत होने लगा। मेरी सेवा से खुश होकर तपस्वियों ने मुझे ऐसी-ऐसी ज्ञान की बातें बताईं, जो सामान्य लोग नहीं जान पाते हैं। धीरे-धीरे मेरे मन में भक्ति भावना जाग गई। मैं भक्ति करने लगा। इसके बाद मेरा अगला जन्म हुआ और मैं नारद मुनि बन गया। अब आप देख सकते हैं कि मैं कहां हूं।

नारद मुनि ने वेद व्यास जी को जो बातें समझाई हैं, वह हमारे लिए भी काम की हैं। नारद मुनि ने व्यास जी को समझाया था कि उन्हें नकारात्मकता दूर करने के लिए तपस्वी और ज्ञानियों की संगत में रहना चाहिए। अगर हम भी सकारात्मक सोच वाले विद्वान लोगों की संगत में रहेंगे तो हमारी निराशा दूर हो सकती है, हमारे विचार सकारात्मक बन सकते हैं।

नए साल पर इस राशि पर रहेगा शनि साढ़ेसाती

क्या होती है शनि की साढ़ेसाती और उसके चरण

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि सबसे धीमी चाल से चलने वाले ग्रह हैं। यह किसी एक राशि में करीब ढाई वर्षों तक रहते है फिर अपनी राशि बदलते हैं। शनि के राशि बदलने पर कुछ राशियों पर शनि की साढ़ेसाती शुरू हो जाती है।

शनि की साढ़ेसाती बहुत ही कष्टकारी और परेशानियों वाली होती है। साढ़ेसाती के प्रभाव से व्यक्ति के जीवन में बहुत मुश्किल से ही सफलता प्राप्त होती है। बहुत संघर्ष के बाद ही कोई कार्य पूरा होता है और तरह-तरह की बीमारियां लगी रहती है। ज्योतिष गणना के अनुसार किसी जातक पर शनि साढ़ेसाती तब लगती है जब जन्म राशि से 12वें, पहले और दूसरे भाव में शनि संचरण करते हैं।

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक शनि की साढ़ेसाती के 3 चरण होते हैं। पहला चरण , दूसरा चरण और तीसरा चरण। पहले चरण को उदय चरण कहते हैं, दूसरे को शिखर चरण और तीसरे को अस्त चरण कहते हैं।

साढ़ेसाती का उदय चरण

जब शनि ढाई वर्षों के बाद राशि परिवर्तन करते हैं तो राशियों पर अलग-अलग चरण शुरू हो जाते हैं। उदय चरण शनि की साढ़ेसाती का पहला चरण होता है। इस चरण में जिस राशि पर साढ़ेसाती चल रही होती है उसे धन का नुकसान, व्यापार में हानि, कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। बहुत मुश्किल से ही कार्य संपन्न होते हैं।

साढ़ेसाती का शिखर चरण

दूसरा चरण साढ़ेसाती का शिखर चरण होता है। शिखर चरण में शनि का साढ़ेसाती अपने चरम पर होती है। शिखर चरण में सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव व्यक्ति के ऊपर रहता है। जिन जातकों के ऊपर साढ़ेसाती का शिखर चरण चलता है। उन्हें सेहत संबंधी गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ता है। इस चरण से जातकों को बहुत ज्यादा कष्ट झेलने होते हैं। धन हानि, सेहत और करियर में सबसे बुरे नतीजे प्राप्त होते हैं।

साढ़ेसाती का अस्त चरण

तीसरा और आखिरी चरण अस्त चरण कहलाता है। इसमें धीरे-धीरे पिछले सात सालों से चल रही साढ़ेसाती का प्रभाव कम होने लगता है। साढ़ेसाती के अंतिम चरण में आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बेवजह के खर्चे बढ़ जाते हैं।

2023 में इन राशियों पर रहेगा साढ़ेसाती

शनि 30 साल बाद 17 जनवरी 2023 को कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। शनि के कुंभ राशि में गोचर करने से मीन राशि के जातकों पर शनि की साढ़ेसाती शुरू हो जाएगी। इसके अलावा मकर और कुंभ राशि पर चल रही साढ़ेसाती जारी रहेगी। मीन राशि पर साढ़ेसाती का पहला चरण,कुंभ राशि पर दूसरा और मकर राशि पर अंतिम चरण होगा।

भूलकर भी किसी को ना बताएं ये 5 बातें

आचार्य चाणक्य का पूरा नाम 'आचार्य विष्णुगुप्त चाणक्य' था और चणक आचार्य के पुत्र होने के कारण वह 'चाणक्य' कहलाए थे। वह अपने गुणों से राजनीति विशारद, आचार-विचार के कूटनीतिज्ञ के रूप में जाने जाते हैं। 2500 ई। पू। आचार्य चाणक्य ने अर्थशास्त्र, लघु चाणक्य, वृद्ध चाणक्य, चाणक्य-नीति शास्त्र लिखा था।

सिद्ध औषधिः आचार्य चाणक्य कहते हैं कुछ दवाएं किसी व्यक्ति को सिद्ध हो जाती हैं, इसलिए लोग उससे दूसरों का भला तो करते हैं, किन्तु उसके बारे में किसी को कुछ नहीं बताते। विश्वास किया जाता है कि ऐसी दवा के बारे में दूसरों को बताने पर उसका प्रभाव समाप्त हो जाता है।

धर्मः अपने धर्म या कर्तव्य के बारे में भी लोगों को कुछ नहीं बताना चाहिए, केवल इसका पालन करते जाना चाहिए।

घर की कमियांः अपने घर की कमी को बाहर बताने से अपनी ही बदनामी होती है। कमियां तो सभी घरों में होती हैं। अतः इन्हें बताना मूर्खता ही है।

संभोगः आचार्य चाणक्य कहते हैं संभोग के विषय में किसी को कुछ बताना भी असभ्यता और अश्लीलता है। ये काम एकांत में गुप्त रूप से करने के हैं।

गलत भोजनः यदि भूल से भी कोई ऐसी चीज खा ली हो जिसकी धर्म या समाज इजाजत नहीं देता, तो इसे किसी को न बताएं

सुनी हुई बुरी बातः यदि किसी ने आपसे कोई बात कह दी या आपने कहीं कोई गलत बात सुन ली हो, तो इस बात को हजम कर जाना चाहिए, किसी को कुछ बताना नहीं चाहिए।

दीपिका का दमकता रूप देख आप भी रह जाएंगे दंग

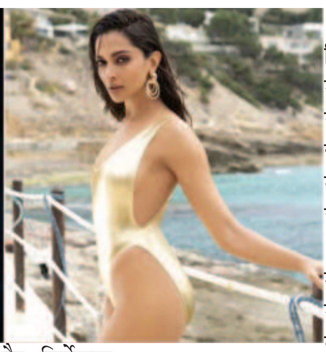

निर्माता आदित्य चोपड़ा और निर्देशक सिद्धार्थ आनंद पठान दर्शकों के लिए भारत का अब तक का सबसे बड़ा एक्शन तमाशा पेश करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। अपने ट्रेलर के बाद से अगले साल की शानदार एक्शन फिल्म के रूप में प्रतीक्षित यश राज फिल्म्स की 'पठान' का इंतजार कर रहे दर्शकों की बेताबी बढ़ाने के लिए सोमवार को इस फिल्म का पहला गाना रिलीज होने जा रहा है। फिल्म 'पठान' यश राज फिल्म्स के महत्वाकांक्षी स्पाई यूनिवर्स (वाईआरएफएसयू) का हिस्सा है और इसमें अभिनेता शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम की कलाबाजियां देखने के लिए लोग अभी से काफी बेचैन हैं।

सिद्धार्थ पहले ही बता चुके हैं कि फिल्म 'पठान' की कहानी अभी तक काफी गोपनीय रखी जा रही है। दर्शकों को इस बात का आभास तो हो चुका है कि इस फिल्म में शाहरुख खान एक रॉ (रिसर्च एंड एनालिसिस विंग) के एजेंट बने हैं और इस फिल्म में यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स के दो और रॉ एजेंट टाइगर के रूप में सलमान खान और कबीर के रूप में ऋतिक रोशन के भी इस फिल्म में होने की उम्मीद है। लेकिन फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से इस फिल्म ने दर्शकों की उम्मीदों का पारा और बढ़ा दिया है।

जानकारी के मुताबिक फिल्म 'पठान' का पहला गाना अपने आप में एक नया धमाका होने जा रहा है। सोमवार 12 दिसंबर को रिलीज होने जा रहे इस गाने का नाम है, 'बेशरम रंग' और ये माना जा रहा है कि यह गाना दीपिका पादुकोण को उनके अब तक के सबसे हॉट अवतार में पेश करेगा और उनके और शाहरुख के बीच परदे पर एक ऐसी केमिस्ट्री दिखाएगा जो शायद परदे पर अब तक कभी नहीं रची गई।

इस बारे में फिल्म 'पठान' के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद कहते हैं, "हां, ये सच है कि हमारी फिल्म का पहला गाना सोमवार को रिलीज किया जा रहा है। 'बेशरम रंग' नामक इस गाने में मौजूदा पीढ़ी के दो सबसे बड़े सुपरस्टार शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण को उनके अभी तक के सबसे हॉट अवतार में पेश करने की तैयारी है। यह सीजन का पार्टी एंथम है जिसका लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और मुझे विश्वास है कि आने वाले कई साल तक ये गाना पार्टी एंथम बना रहेगा।"

गौरतलब है कि शाहरुख खान और दीपिका की जोड़ी ने भारतीय सिनेमा के इतिहास में कई हिट फिल्में दी हैं, जिनमें 'ओम शांति ओम', 'चेन्नई एक्सप्रेस' और 'हैप्पी न्यू ईयर' शामिल हैं। सोमवार को फिल्म 'पठान' का जो गाना रिलीज होने जा रहा है, उसकी शूटिंग स्पेन में हुई है और इस गाने की शूटिंग के दौरान खींची गई कुछ तस्वीरें लीक होने के बाद इंटरनेट पर धूम मचा चुकी हैं। फिल्म 'पठान' 25 जनवरी, 2023 को हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज होने जा रही है।

सलमान खान को फिर हुआ प्यार!

24 साल छोटी इस अभिनेत्री को कर रहे डेट, दो फिल्मों में भी किया साइन

बॉलीवुड के भाईजान यानि सलमान खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म किसी का भाई किसी की जान की शूटिंग में बिजी हैं। वह प्रोफेशनल से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहते हैं। कभी लव लाइफ तो कभी शादी अभिनेता कई वजहों से सुर्खियों का हिस्सा होते हैं। फिल्मी गलियारों में इस बात की चर्चा है कि सलमान को उनकी नई पार्टनर मिल गई है और वह इन दिनों उनके साथ रिलेशनशिप में हैं। ज्यादातर लोग इस बात को जानते हैं कि सलमान का की अभिनेत्रियों के साथ अफेयर रह चुका है और उनका रिश्ता बहुत ही बुरी तरह खत्म हुआ है। लेकिन खबरों के अनुसार अब सलमान भाई को एकबार फिर प्यार हो गया है। कहा जा रहा है कि सलमान खान पूजा हेगड़े को डेट कर रहे हैं। सिर्फ इतना ही नहीं पूजा सलमान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान में भी काम कर रही हैं। दरअसल उमैर संधू के एक ट्वीट ने बॉलीवुड में हलचल मचा दी है। उमैर का कहना है कि सलमान और पूजा रिलेशनशिप में हैं। उमैर ने अपने ट्वीट में लिखा- ब्रेकिंग न्यूज...टाउन में नया कपल सामने आ गया है। मेगा स्टार सलमान खान को पूजा हेगड़े से प्यार हो गया है। सलमान के प्रोडक्शन हाउस ने पूजा को अपनी दो फिल्मों के लिए साइन भी कर लिया है। ये दोनों आजकल साथ में समय बिता रहे हैं और सलमान के करीबी ने भी इस बात को कन्फर्म किया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान के पास इन दिनों किसी का भाई किसी की जान, किक 2, सूरज बड़जात्या संग एक फिल्म और नो एंट्री का सीक्वल शामिल है। इसके अलावा वह शाहरुख खान की पठान में भी कैमियो रोल करते नजर आएंगे। इसके अलावा पूजा हेगड़े सलमान के साथ किसी का भाई किसी की जान और रणवीर सिंह की सर्कस को लेकर चर्चा में हैं।

कटरीना-विक्की की फर्स्ट वेडिंग एनिवर्सरी

विक्की बोले- मैं आपसे उतना प्यार करता हूं, जितना आप कभी सोच भी नहीं सकतीं

बॉलीवुड इंडस्ट्री के पॉपुलर कपल कटरीना कैफ और विक्की कौशल आज अपनी पहली वेडिंग एनिवर्सरी सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस खास मौके पर कपल ने कुछ अनसीन फोटोज शेयर कर एक-दूसरे को सोशल मीडिया के जरिए विश किया है। इन फोटोज में कटरीना और विक्की एक-दूसरे के साथ बेहद खुश नजर आ रहे हैं। विक्की ने कटरीना के साथ कुछ फोटोज को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'समय उड़ता है, लेकिन माइ लव ये आपके साथ सबसे जादुई तरीके से उड़ता है। शादी के एक साल पूरे होने की शुभकामनाएं। मैं आपसे उतना प्यार करता हूं, जितना आप कभी सोच भी नहीं सकतीं।' कटरीना और विक्की इस समय पहाड़ों में अपनी पहली वेडिंग एनिवर्सरी को सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस दौरान कटरीना ने पति विक्की की एक वीडियो भी शेयर की है, जिसमें वो खुशी के मारे भांगड़ा करते हुए नजर आ रहे हैं।

कटरीना और विक्की पिछले साल 9 दिसंबर 2021 को राजस्थान के सिक्स सेंसेस फोर्ट में शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों 2019 से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो कटरीना जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म 'टाइगर 3' में भी दिखाई देने वाली हैं। वहीं विक्की 'सैम बहादुर', 'गोविंदा नाम मेरा' और 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' में नजर आने वाले हैं।

सिद्धार्थ-कियारा की शादी में करण जौहर समेत कई सेलेब्स होंगे शामिल, अगले साल होगी शादी

बॉलीवुड के पॉपुलर कपल सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी जल्द शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। इंडिया टुडे के मुताबिक कपल ने अपनी शादी की गेस्ट लिस्ट पर काम करना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि बी-टाउन के कई सेलेब्स और फिल्ममेकर्स सिद्धार्थ-कियारा की शादी में शामिल होंगे। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि सिद्धार्थ और कियारा अपने कुछ प्रोड्यूसर और डायरेक्टर फ्रेंड्स के बहुत क्लोज हैं और वे उन्हें भी शादी में इनवाइट करने की प्लानिंग कर रहे हैं।

सिद्धार्थ-कियारा की शादी की गेस्ट लिस्ट लीक हो गई है। इसमें अब तक जिन नामों को कंफर्म किया गया है, वो करण जौहर और अश्विनी यार्डी का है। ये दोनों सिद्धार्थ और कियारा के बहुत करीब हैं। वहीं विक्की कौशल, कटरीना कैफ, वरुण धवन, जैकी भगनानी और उनकी गर्लफ्रेंड रकुल प्रीत सिंह को भी इनवाइट किए जाने की संभावना है।

कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि कपल ने अपना वेडिंग वेन्यू डिसाइड कर लिया है। इस शादी के लिए पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ के ओबेरॉय सुखविलास होटल को चुना गया है। शादी के बाद मुंबई में कपल का ग्रैंड रिसेप्शन रखा जाएगा। इतना ही नहीं मल्होत्रा और आडवाणी फैमिली ने शादी की तैयारियों पर काम शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि जल्द ही वेडिंग डेट की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी जाएगी।

सिद्धार्थ और कियारा ने 2021 में आई फिल्म 'शेरशाह' में साथ काम किया है। सिद्धार्थ के वर्कफ्रंट की बात करें तो, एक्टर रोहित शेट्टी की सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में नजर आएंगे। ये सीरीज अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी। वहीं कियारा जल्द ही 'सत्यप्रेम की कथा' में दिखाई देंगी। इस फिल्म में उनके साथ कार्तिक आर्यन भी हैं।

हिना खान और रॉकी का बना हुआ है प्यार, बॉयफ्रेंड ने रोमांटिक तस्वीरों के जरिए लुटाया प्यार

हिना खान और रॉकी जयसवाल टीवी की सबसे अच्छी जोड़ी मानी जाती हैं. रॉकी पहली बार सुर्खियों में तब छा गए थे जब वो बिग बॉस 11 के एक एपिसोड में पहुंचे थे और नेशनल टीवी पर हिना को प्रपोज किया था. 2009 में हिना खान ने स्टार प्लस के शो ये रिश्ता क्या कहलाता है से डेब्यू किया था और इसी दौरान रॉकी की मुलाकात हुई थी. हालांकि कुछ दिनों पहले जब हिना ने एक टूटने वाला पोस्ट शेयर किया तो फैंस को लगा कि इनका 13 साल पुराना रिश्ता टूट रह है लेकिन अब हिना के प्यार रॉकी ने इसपर विराम लगा दिया है.दरअसल, हिना और रॉकी के ब्रेकअप की खबरें उस समय चर्चा में आईं, जब हिना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक सीक्रेट नोट साझा किया था. 6 दिसंबर 2022 को हिना ने विश्वासघात के बारे में एक नोट पोस्ट किया था. हालांकि, उन्होंने अपनी पोस्ट में यह नहीं बताया था कि वह अपने रिश्ते में किसी परेशानी का सामना कर रही हैं या नहीं, उनके नोट को इस प्रकार पढ़ा जा सकता है, "विश्वासघात ही एकमात्र सत्य है, जो टिका रहता है. देर रात के विचार.' वहीं अब 7 दिसंबर 2022 को रॉकी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर हिना के साथ एक रोमांटिक तस्वीर पोस्ट की थी. यह तस्वीर उनके वेकेशन की थी, जिसमें कपल क्रूज पर मस्ती करता दिख रहा था. इसके साथ ही रॉकी ने गॉसिप करने वालों का मुंह बंद करते हुए एक नोट लिखा, उन्होंने कैप्शन में लिखा था, "वी आर वन @real-hinakhan तुम मेरे घर हो.'इस पोस्ट पर कपल के चाहने वाले उनपर जमकर प्यार लुटा रहे हैं और रॉकी के इस पोस्ट पर हिना खान ने खुद कमेंट करते हुए लिखा है की हमेशा के लिए. इस पोस्ट से फैंस के बीच जो हलचल पैदा हो गई थी वो अब शांत हो गई है.

आमिर खान ने किरण राव संग की पूजा लुक देखकर लोग हुए कन्फ्यूज़

आमिर खान ने सोशल मीडिया तो छोड़ दिया है लेकिन इंस्टाग्राम पर उनकी निजी जिंदगी से जुड़े अपडेट्स आते रहते हैं. हाल ही में आमिर खान की अपने प्रोडक्शन हाउस में पूजा करते हुए तस्वीरें वायरल हुई. आमिर के साथ उनकी एक्स वाइफ किरण राव और बेटे आजाद भी इस मौके पर मौजूद थे. हालांकि इसकी वजह अभी तक सामने नहीं आई है लेकिन आमिर खान के लुक ने लोगों का सिर घुमा दिया है. कुछ लोग तो इतने कन्फ्यूज हो गए है उन्होंने आमिर को शक्ति कपूर और साउथ स्टार जगतपति बाबू तक समझ लिया.

लोग आमिर की इन तस्वीरों पर जमकर कमेंट कर रहे हैं. एक ने लिखा- मैंने तो आमिर को शक्ति कूपर समझ लिया था. बता दें, आमिर और किरण के तलाक के फैसले ने लोगों को चौंका दिया था. आमिर ने कहा था कि वे तलाक जरूर ले रहे हैं लेकिन किरण के हमेशा दोस्त रहेंगे. तलाक के बाद भी दोनों को हमेशा साथ देखा जाता है. अपनी फिल्म लाल सिंह चड्ढा के फ्लॉप होने के बाद आमिर खान ने कुछ वक्त का ब्रेक लिया है. वे इस वक्त छुट्टियों पर हैं और कुछ नया करने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं।

12 साल छोटे अर्जुन कपूर को डेट करने पर बोली मलाइका अरोड़ा, कहा 'मर्द है वो बड़ा हो चुका हैं'

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर बॉलीवुड के पावर कपल को तौर पर जानें जाते हैं और दोनों कई सालों से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं. मलाइका और अर्जुन में 12 साल के एज गैप है, जिस वजह से इन्हें कई बार ट्रोल भी किया जाता है लेकिन ये कपल इससे दूर अपनी जिंदगी को एक नए अंदाज से आगे बढ़ा रहा है. इसी बीच में मलाइका अरोड़ा इन दिनों मलाइका अपने रियलिटी शो 'मूविंग इन विद मलाइका' को लेकर काफी सुर्खियों में बनीं हुई है. ऐसे में इस शो में एक्ट्रेस ने ना केवल अपने एक्स पति अरबाज बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ और अर्जुन के साथ अपने रिश्ते पर खुल कर बातें की हैं.मलाइका ने इस दौरान उम्र में छोटे अर्जुन को डेट करने जैसे सवाल का जवाब दिया, जिसके लिए दोनों को जमकर ट्रोल किया जाता है.अपने रिएलिटी शो के चौथे एपिसोड में मलाइका अरोड़ा एक स्टैंडअप कॉमेडियन बनीं ऐसे में उन्होंने उन लोगों की क्लास ली जो उनके और अरबाज के तलाक, अर्जुन संग रिलेशन और उनके वॉकिंग स्टाइल पर उन्हें ट्रोल करते हैं. ऐसे में मलाइका ने साफ-साफ कह दिया कि 'वो अर्जुन कपूर को डेट करके उनकी लाइफ बर्बाद नहीं कर रही हैं. मलाइका ने तंज कसते हुए कहा कि मेरी बदनसीबी है कि मैं ना सिर्फ उम्र में बड़ी हूं बल्कि खुद से छोटे आदमी को भी डेट कर रही हूं. मुझमें दम है, मैं उनकी जिंदगी बर्बाद कर रही हूं यही ना?' मलाइका यही नहीं रुकी इसके बाद उन्होंने कहा 'सभी को बता दूं मैं उनकी जिंदगी बर्बाद नहीं कर रही. ऐसा नहीं है कि वो स्कूल जा रहा था और अपनी पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पा रहा है. जब भी हम डेट पर होते हैं तो ऐसा नहीं है कि मैं उसकी जिंदगी बर्बाद कर रही हूं. ऐसा भी नहीं है कि जब वो पोकीमोन का पीछा करता है तो मैं उसके पीछे दौड़ती हूं. मलाइका अरोड़ा ने लोगों से विनती की कि भगवान के लिए वो अब बड़ा हो चुका है. हम दो एडल्ट हैं जो साथ में रहना चाहते हैं. अगर कोई बड़ा आदमी खुद से छोटी लड़की को डेट करता है तो वो प्लेयर है. वहीं अगर लड़की बड़ी हुई और लड़का छोटा तो उसे cougar कहा जाता है, ये ठीक नहीं है.'

शहनाज गिल हुईं ट्रोलर्स का शिकार

शहनाज ने मीडिया से की रूड तरीके से बात, तंज कसते हुए बोलीं- बस फोटो ही चाहिए इनको

एक्ट्रेस शहनाज गिल इस समय ट्रोलर्स के निशाने पर हैं। दरअसल शहनाज और रैपर एमसी स्क्वायर बिग बॉस 16 में अपने हालिया रिलीज सॉन्ग को प्रमोट करने पहुंचे थे। इस दौरान वो मीडिया से गलत तरीके से बात करती हुईं नजर आईं। शहनाज का ये रवैया कई लोगों को पसंद नहीं आया, इसलिए वो लोग उन्हें ट्रोल करने लगे।

शो में जाते समय पैपराजी ने शहनाज और एमसी स्क्वायर को घेर लिया। इस दौरान वो पैपराजी को देखते ही वियर्ड रिएक्शन देने लगीं। फिर वो रूड तरीके से एमसी स्क्वायर से कहने लगीं, 'गाना गाओ, ये लोग सिर्फ फोटो लेने आए हैं।' उसके बाद एमसी स्क्वायर ने गाना गाया। फिर शहनाज पैपराजी पर तंज कसते हुए कहने लगीं, 'ये सब कट जाएगा। ये पता नहीं कुछ और ही करेंगे।'

पैपराजी इसके बाद शहनाज को सोलो फोटो क्लिक कराने को कहने लगे। ये सुन शहनाज गुस्से में एमसी स्क्वायर को खींचते हुए आगे ले गईं और कहने लगीं, 'हो गया यार, सोलो क्यों दें हम? हम गाना प्रमोट करने आए हैं। हमारा गाना भी प्रमोट कर दो। बस फोटो ही चाहिए इनको।' अब शहनाज का ये रवैया लोगों को पसंद नहीं आया और वो उन्हें जमकर ट्रोल करने लगे।

शहनाज का एटीट्यूड देख लोग नाराज हो गए और सोशल मीडिया के जरिए उन्हें खरी खोटी सुनाने लगे। जहां एक यूजर ने कहा, 'किस बात का एटीट्यूड है?' वहीं दूसरे यूजर ने कहा, 'ये कैसा बिहेवियर है? शहनाज इतना गुस्से में क्यों रहने लगी?' शहनाज गिल को सोशल मीडिया पर लोग ट्रोल कर रहे हैं। दरअसल, शहनाज हाल ही में सलमान की ईद पार्टी में पहुंची थी। पार्टी खत्म होने के बाद सलमान और शहनाज ने बाहर निकलते हुए पैपराजी को पोज भी दिए। वायरल हो रहे वीडियो में शहनाज सलमान को किस और हग करती हुई नजर आ रही हैं। जिसे लेकर यूजर्स एक्ट्रेस को खूब ट्रोल कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सूर्यकुमार ने सबसे ज्यादा छक्के लगाए, बटलर-मिलर करीब भी नहीं

साल 2022 समाप्ती की ओर है। इस साल क्रिकेट में कई शानदार मैच देखने को मिले। हालांकि, टीम इंडिया का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। दो बड़े टूर्नामेंट्स में टीम को हार मिली। एशिया कप में टीम इंडिया सुपर-फोर राउंड से बाहर हो गई, जबकि टी20 वर्ल्ड कप में भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। इन तमाम हार के बावजूद एक स्टार टीम इंडिया को जरूर मिला। वह है सूर्यकुमार यादव।

सूर्या इस साल अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने तीनों फॉर्मेट मिलाकर कुल 74 छक्के जड़े। यह बड़े-बड़े शॉट लगाने में माहिर इंग्लैंड के जोस बटलर और दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर द्वारा इस साल अब तक लगाए गए छक्कों से भी ज्यादा है। बटलर ने तीनों फॉर्मेट मिलाकर साल 2022 में 39 और मिलर ने 31 छक्के यानी कुल मिलाकर 70 छक्के लगाए।

वहीं, सूर्यकुमार ने इस साल कुल 44 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। इसमें 40.68 की औसत और 157.87 के स्ट्राइक रेट से 1424 रन बनाए। सूर्या ने कुल 74 छक्के लगाए।

तीनों फॉर्मेट मिलाकर इस साल अब तक सबसे ज्यादा छक्के

खिलाड़ी		मैच	रन	6s
सूर्यकुमार यादव	(IND)	44	1424	74
निकोलस पूरन	(WI)	44	1093	59
मोहम्मद वसीम	(UAE)	37	1011	58
सिकंदर रजा	(ZIM)	39	1380	55
रोहित शर्मा	(IND)	39	995	45

टेस्ट में सूर्यकुमार अब तक डेब्यू नहीं कर सके हैं। वहीं, वनडे में सूर्या ने इस साल 13 मैच खेले और 260 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने छह छक्के लगाए। वहीं, टी20 में उनका धमाल देखने को मिला। टी20 में सूर्यकुमार ने कुल 31 मैच खेले और 46.56 की औसत और 187.43 के स्ट्राइक रेट से 1164 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 68 छक्के जड़े। सूर्या ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में दो शतक लगाए और नौ अर्धशतक लगाए। सूर्यकुमार साल 2022 में टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

इस साल अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वालों में दूसरे स्थान पर निकोलस पूरन हैं। उन्होंने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 44 मैचों में 59 छक्के लगाए। वहीं, यूएई के मोहम्मद वसीम 58 छक्कों के साथ तीसरे, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा 55 छक्कों के साथ चौथे और रोहित शर्मा 45 छक्कों के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

टेस्ट में इस साल अब तक सबसे ज्यादा छक्का लगाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के नाम है। उन्होंने 14 मैचों में 24 छक्के लगाए। दूसरे नंबर पर 18 छक्कों के साथ इंग्लैंड के ही जॉनी बेयरस्टो हैं। श्रीलंका के दिनेश चांदीमल 15 छक्कों के साथ तीसरे, ऋषभ पंत 14 छक्कों के साथ चौथे और न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 10 छक्कों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। वनडे में इस साल अब तक सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड शिखर धवन समेत 13 बल्लेबाजों के नाम है। इन सभी ने सात-सात छक्के लगाए हैं।

टी20 में इस साल अब तक सबसे ज्यादा छक्के

खिलाड़ी		मैच	रन	6s
सूर्यकुमार यादव	(IND)	31	1164	68
मोहम्मद वसीम	(UAE)	16	596	43
रोवमन पॉवेल	(WI)	22	513	39
टीपी उरा	(PNG)	12	446	39
सिकंदर रजा	(ZIM)	24	735	38
इकबाल हुसैन	(Aut)	12	412	34
ग्लेन फिलिप्स	(NZ)	21	716	33

वहीं, टी20 में सूर्यकुमार ने सबसे ज्यादा 68 छक्के लगाए। इसके बाद यूएई के मोहम्मज वसीम ने 43 छक्के, वेस्टइंडीज के रोवमन पॉवेल और पपुआ न्यू गिनी के टीपी उरा 39-39 छक्के के साथ तीसरे और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा 38 छक्के के साथ चौथे नंबर पर हैं।

रोहित के बयान पर बवाल, मदनलाल बोले- अगर कप्तान ही ऐसा कह रहा तो जिम्मेदार कौन?

भारतीय टीम को पिछले एक साल में कई खिलाड़ियों के चोटिल होने से काफी नुकसान उठाना पड़ा है। जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा और रवींद्र जडेजा जैसे स्टार क्रिकेटर्स पिछले काफी समय से चोट की वजह से टीम इंडिया से बाहर हैं। ऑस्ट्रेलिया में टी20 वर्ल्ड कप के दौरान इन खिलाड़ियों के न होने से टीम को काफी नुकसान हुआ।

अब बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में भी नए खिलाड़ियों को मौका देना टीम इंडिया को भारी पड़ा। भारतीय टीम बांग्लादेश से वनडे सीरीज हार गई। तीसरा वनडे शनिवार को खेला जाना है। हालांकि, तीसरे वनडे से पहले भी टीम इंडिया चोट से जूझ रही है। सीरीज से पहले मोहम्मद शमी चोटिल हो गए। वहीं, कप्तान रोहित शर्मा समेत तीन खिलाड़ी भी चोट की वजह से तीसरे वनडे से बाहर हो गए हैं।

रोहित शर्मा भी चोटिल हो गए

रोहित के अलावा दीपक चाहर और कुलदीप सेन भी अनफिट होने के कारण तीसरा वनडे नहीं खेलेंगे। दूसरे वनडे में हार के बाद कप्तान रोहित ने नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए थे और कहा था कि हमें इस बात का पता लगाना होगा कि क्यों आधे फिट खिलाड़ी देश के लिए खेल रहे हैं। अब इस बयान पर बवाल मचा हुआ है।

पूर्व क्रिकेटर मदनलाल ने रोहित के इस बयान पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह रोहित के बयान से पूरी तरह सहमत हैं। मदनलाल ने कहा कि अगर कप्तान इस तरह की कड़ी टिप्पणी कर रहा है, तो यह एक तरह से फिटनेस की खराब स्थिति को

दर्शाता है। मदनलाल ने एनसीए को निशाना बनाते हुए कहा कि जहां खिलाड़ी टीम में वापसी करने से पहले रिहैबिलिटेशन से गुजरते हैं और अब इसके प्रशिक्षक ही बीसीसीआई से हल निकालने का आग्रह कर रहे हैं।

मदनलाल ने कहा- यह दुख की बात है। अगर कप्तान ही ऐसा कह रहा है तो कहीं न कहीं कुछ गलत है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या ट्रेनर इसके लिए जिम्मेदार हैं? अनफिट खिलाड़ी क्यों जा रहे हैं? आप अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं और परिणाम सामने है। यदि खिलाड़ी आराम करना चाहते हैं तो वे आईपीएल मैचों के दौरान आराम कर सकते हैं। आपका देश पहले आता है। यदि आप आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीतने जा रहे हैं, तो आपके देश का क्रिकेट नीचे जा रहा है।

चोट के अलावा मदनलाल को लगता है कि भारतीय टीम पिछले पांच वर्षों में अच्छे प्रदर्शन के बाद फिलहाल एक बेहद खराब दौर से गुजर रही है। पूर्व ऑलराउंडर का मानना है कि मौजूदा भारतीय टीम में प्रेरणा की कमी है। जो लगातार क्रिकेट खेलने के कारण हो सकता है। उन्होंने कहा- निश्चित रूप से भारतीय टीम सही दिशा में नहीं जा रही है। मैंने पिछले कुछ वर्षों में उनमें 'जोश' नहीं देखा है। वे भारतीय टीम की तरह नहीं दिख रहे हैं।देश के लिए खेलने का जुनून गायब है। या तो उनका शरीर बहुत थक गया है या वे सिर्फ खेलते जा रहे हैं और यह एक गंभीर चिंता विषय है।

भारतीय टीम में फिटनेस की समस्या इस साल पहले से ज्यादा रही है। इस वजह से टीम अपनी बेस्ट प्लेइंग-11 के साथ किसी मैच में नहीं उतर सकी है। इससे टीम के प्रदर्शन पर भी असर पड़ा है। एशिया कप में टीम सुपर-फोर में हारकर बाहर हो गई। टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत को 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

इसके बाद टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज हार गई। वहीं, भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज भी गंवा दिया। अगले साल अपने ही घर में भारत को वनडे वर्ल्ड कप खेलना है, ऐसे में टीम की तैयारियों को झटका लगा है। इन सबको सोचते हुए रोहित का गुस्सा फूट पड़ा।

क्या है पूरा मामाल?

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे मैच के बाद पूर्व क्रिकेटर अंजुम चोपड़ा के साथ बातचीत में रोहित ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद खिलाड़ियों के चोटिल होने के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने कहा- मेरा मतलब है कि निश्चित रूप से कुछ चोट की चिंता का विषय हैं। हमें इसकी तह तक जाने की जरूरत है। मुझे नहीं पता कि यह वास्तव में यह क्या हो रहा है। हो सकता है कि वे बहुत अधिक क्रिकेट खेल रहे हों। हमें कोशिश करने और सभी खिलाड़ियों पर नजर रखने की जरूरत है।

रोहित ने कहा- यह समझना महत्वपूर्ण है कि जब वे भारत के लिए खेलने आते हैं तो उन्हें 100 प्रतिशत या इससे भी अधिक फिट होने की आवश्यकता होती है। यह कुछ ऐसा है जिसे हमें देखना होगा और इस पर विचार करना होगा। हमें एनसीए के साथ बैठना होगा और खिलाड़ियों के वर्कलोड की निगरानी करनी होगी। हम यहां आधे फिट या यूं कहें अनफिट खिलाड़ियों का खेलना बर्दाश्त नहीं कर सकते। देश का प्रतिनिधित्व करना गर्व और सम्मान की बात है और अगर वे पर्याप्त रूप से फिट नहीं हैं तो वह खेलने के लिए आदर्श नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई बांग्लादेश के खिलाफ भारत की हार की समीक्षा भी करेगा। इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा, कोच राहुल द्रविड़ और एनसीए अध्यक्ष वीवीएस लक्ष्मण भी मौजूद रहेंगे। भारत को अगले तीन महीनों में अपने घर में तीन महत्वपूर्ण सीरीज खेलने हैं। ऐसे में खिलाड़ियों का फिट रहना महत्वपूर्ण है। अगले साल श्रीलंका, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीमें भारत के दौरे पर आएंगी।

पूर्व क्रिकेटर ने टीम चयन पर उठाए सवाल, कहा- रजत-राहुल को क्यों चुना

पिछले एक साल से टीम इंडिया में प्रयोग का दौर हार की मुख्य वजहों में से एक रहा है। भारतीय टीम में कई खिलाड़ियों को आजमाया गया है और इसकी वजह से टीम का प्रदर्शन भी गिरा है। टी20 वर्ल्ड कप में कई मुख्य खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी और इसके बाद सीनियर खिलाड़ियों को आराम और नए खिलाड़ियों को मौका देना भारत के लिए अब तक सही साबित नहीं हुआ है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में चुने जाने के बाद शुभमन गिल और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ियों के बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर कर देने के फैसले पर भी फैन्स नाखुश दिखे। इन दोनों की अनुपस्थिति ने भारत के लगभग हर पूर्व क्रिकेटर और प्रशंसक को हैरान कर दिया। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज और पूर्व चयनकर्ता सबा करीम भी गिल और सैमसन के बाहर होने से हैरान थे। हालांकि, तीन मैचों की सीरीज के लिए रजत पाटीदार और राहुल त्रिपाठी के चयन से उन्हें और अधिक आश्चर्य हुआ।

पाटीदार ने बांग्लादेश दौरे के लिए पहली बार सीनियर स्क्वॉड में शामिल किया गया, जबकि राहुल त्रिपाठी जो आयरलैंड में टी20 स्क्वॉड का हिस्सा थे, उन्होंने भी पहली बार वनडे टीम में जगह बनाई। करीम ने त्रिपाठी के चयन पर सवाल उठाते हुए उन्हें टी20 स्पेशलिस्ट बताया। करीम ने कहा- आप रजत पाटीदार और राहुल त्रिपाठी को बांग्लादेश क्यों ले गए हैं? त्रिपाठी ने वनडे में क्या किया है? वह टी20 स्पेशलिस्ट हैं, लेकिन आपने उन्हें वनडे टीम में चुना है। मुझे नहीं लगता कि वह खेलेंगे। नई चयन समिति और प्रबंधन को पहले कोर टीम तय करनी चाहिए।

राहुल त्रिपाठी राइजिंग पुणे सुपर जाएंट्स, राजस्थान रॉयल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और अब सनराइजर्स हैदराबाद जैसी कई टीमों से आईपीएल खेल चुके हैं और लीग में कंसिस्टेंट परफॉर्म करने वालों में से एक रहे हैं, लेकिन उनकी लिस्ट ए संख्या आकर्षक नहीं है। महाराष्ट्र के लिए 53 मैचों में उन्होंने 37 की औसत से 1782 रन बनाए हैं। त्रिपाठी और पाटीदार में से

राहुल त्रिपाठी

सबा करीम

रजत पटीदार

कम से कम एक के बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को होने वाले तीसरे और अंतिम वनडे मैच में डेब्यू करने की संभावना है। ऐसा इसलिए क्योंकि नियमित कप्तान रोहित शर्मा और दीपक चाहर चोटिल होने के कारण बाहर हो गए हैं।

भारत अपने कई प्रमुख खिलाड़ियों को या तो चोटों के कारण या वर्कलोड मैनेजमेंट की वजह खो रहा है। बुमराह, रवींद्र जडेजा, शमी चोट के कारण बांग्लादेश दौरे से बाहर हैं, जबकि ऋषभ पंत, हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह, सूर्यकुमार यादव और भुवनेश्वर कुमार को आराम दिया गया है। रोहित, विराट कोहली और केएल राहुल जैसे खिलाड़ी न्यूजीलैंड दौरे पर नहीं गए थे, जहां शिखर धवन और हार्दिक पांड्या ने भारत की वनडे और टी20 टीम का नेतृत्व किया था।

भारत के पूर्व हरफनमौला रितिंदर सिंह सोढ़ी ने कहा कि अब समय आ गया है कि भारत अपने शीर्ष खिलाड़ियों को बार-बार ब्रेक देने की प्रवृत्ति को दूर करे। उन्होंने कहा- हार्दिक पांड्या शानदार फॉर्म में थे, लेकिन ब्रेक से लौटने के बाद उन्हें बल्ले और गेंद से भी थोड़ा संघर्ष करना पड़ा।

आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन के बाद उन्हें भारत की कप्तानी भी मिली, लेकिन अब फिर से उनका ग्राफ थोड़ा नीचे आ गया है। हार्दिक जैसे खिलाड़ियों को लगातार खेलना होगा। ब्रेक लेने का यह चलन खत्म होना चाहिए। सीरीज गंवाने के बाद भारत अब शनिवार को अंतिम वनडे में मेजबान टीम को हराकर सीरीज का अंत शानदार तरीके से करना चाहेगा

तीसरे वनडे के लिए टीम इंडिया में यह 'चाइनामैन' गेंदबाज शामिल, केएल राहुल करेंगे कप्तानी

बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया में कुछ बदलाव किए हैं। नियमित कप्तान रोहित शर्मा, तेज गेंदबाज दीपक चाहर और कुलदीप सेन चोट की वजह से तीसरे वनडे से बाहर हो गए हैं। वहीं, 'चाइनामैन' बॉलर कुलदीप यादव को टीम इंडिया में शामिल किया गया है। कुलदीप तीसरा वनडे खेल सकते हैं।

बीसीसीआई ने रोहित शर्मा की चोट पर भी अपडेट दिया है। दूसरे वनडे में फील्डिंग के दौरान रोहित को चोट लगी थी। उनके बाएं हाथ का अंगूठा डिसलोकेट हो गया था। इसके बावजूद रोहित दूसरी पारी में बैटिंग के लिए उतरे थे। बोर्ड ने बताया- बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उनकी जांच की और ढाका के एक स्थानीय अस्पताल में उनका स्कैन कराया

गया। वह विशेषज्ञ परामर्श के लिए मुंबई के लिए रवाना हो गए हैं और अंतिम वनडे में नहीं खेल पाएंगे। आगामी टेस्ट सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता पर फैसला बाद में लिया जाएगा।

कुलदीप यादव

तेज गेंदबाज कुलदीप सेन ने पहले वनडे के बाद पीठ में जकड़न की शिकायत की थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उनकी जांच की और उन्हें दूसरे वनडे से आराम की सलाह दी गई। कुलदीप को स्ट्रेस इंजरी का पता चला है और उन्हें सीरीज से बाहर कर दिया गया है। साथी तेज गेंदबाज दीपक चाहर को दूसरे वनडे के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया और वह सीरीज से भी बाहर हो गए। कुलदीप और दीपक दोनों अब अपनी चोटों के आगे के प्रबंधन के लिए एनसीए को रिपोर्ट करेंगे। वहीं, कुलदीप यादव को टीम से जोड़ा गया है। बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीमः केएल राहुल (कप्तान) (विकेटकीपर), शिखर धवन, विराट कोहली, रजत पाटीदार, श्रेयस अय्यर, राहुल त्रिपाठी, ईशान किशन (विकेटकीपर), शाहबाज अहमद, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, मो. सिराज, उमरान मलिक, कुलदीप यादव।

वेंकटेश प्रसाद बन सकते हैं बीसीसीआई चयन समिति के नए अध्यक्ष

पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद का बीसीसीआई चयन समिति का नया अध्यक्ष बनना तय लग रहा है. प्रसाद का नाम जल्द ही नए अध्यक्ष के रूप में नामित किए जाने की उम्मीद है. उनके पास टी20 क्रिकेट का अच्छा अनुभव है। चयन समिति के नए अध्यक्ष पद के लिए जिन उम्मीदवारों ने आवेदन किया है, सीएसी अब उनमें से शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का इंटरव्यू लेगी और फिर अगले हफ्ता तक इसका ऐलान करेगी. प्रसाद के अलावा नयन मोंगिया, पूर्व स्पिनर मनिंदर सिंह, अजय रात्रा और सलामी बल्लेबाज शिव सुंदर दास ने भी सीनियर चयनकर्ताओं के पद के लिये आवेदन किए हैं. बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से बताया कि प्रसाद का चयन समिति का नया अध्यक्ष बनने की संभावना है. सूत्र ने कहा, " इस महीने के अंत नई चयन समिति की घोषणा की जाएगी. वेंकटेश प्रसाद सबसे अनुभवी क्रिकेटरों में से एक हैं. उन्होंने इस पद के लिए आवेदन किया है. हालांकि कोई औपचारिक चर्चा नहीं हुई है, लेकिन उन्हें नए अध्यक्ष के रूप में सभी से विश्वास मत प्राप्त होने की संभावना है."53 साल के प्रसाद ने भारत के लिए 33 टेस्ट और 161 वनडे मैच खेले हैं. उनके नाम 290 विकेट दर्ज है. वह चयन समिति के नए अध्यक्ष पद के लिए सबसे अनुभवी उम्मीदवारों में से एक हैं. गौरतलब है कि टी20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से 10 विकेटों से मिली करारी हार के बीसीसीआई ने चेतन शर्मा की अध्यक्षता वाली चयन समिति को बर्खास्त कर दिया था. इसके बाद नए आवेदन मांगे गए थे।

ऑस्ट्रेलियाई के सामने भारत की होगी कड़ी परीक्षा, विश्व कप से पहले दोनों के पास तैयारी का मौका

भारतीय महिला टीम का सामना शुक्रवार को मुंबई में पहले टी-20 मैच में ऑस्ट्रेलिया से होगा। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कड़ी परीक्षा होगी। दोनों देशों के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी और विश्वकप को देखते हुए यह सीरीज काफी अहम है। इस सीरीज से भारतीय टीम अपने विश्वकप की तैयारियां शुरू करेगी। टी-20 विश्वकप अगले साल फरवरी में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होगा।

बल्लेबाजी क्रम स्थिर दिखता है जिसमें स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना के काफी रन जुटाने की उम्मीद है। उनकी सलामी जोड़ीदार शेफाली वर्मा की शॉर्ट गेंद के खिलाफ कमजोरी को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज उन्हें दबाव में ला सकती हैं। शेफाली अगले महीने होने वाले अंडर-19 विश्वकप में टीम की अगुवाई भी करेंगी। जेमिमा रोड्रिग्ज ने राष्ट्रीय टीम में वापसी के बाद से अच्छी फॉर्म दिखाई है। कप्तान हरमनप्रीत ने भी निरंतरता हासिल की है। हरलीन देओल और यास्तिका भाटिया ने चैलेंजर ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन की बदौलत वापसी की।

लेग स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर देविका वैद्य ने आठ साल के बाद टी-20 टीम में वापसी की है और उनकी मौजूदगी से स्पिन आक्रमण में विविधता आएगी। रेणुका ठाकुर पिछले छह महीनों से टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली तेज गेंदबाज रही हैं और वह बाएं हाथ की तेज गेंदबाज अंजलि सरवनी से सहयोग मिलने की उम्मीद लगाए होंगी।

खेल से ब्रेक लेने के कारण मेग लैनिंग की जगह एलिसा हीली ऑस्ट्रेलियाई टीम की अगुवाई कर रही हैं। इस टीम में कई नए खिलाड़ी भी शामिल हैं जो अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे। 19 साल की बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड से टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। लिचफील्ड ने पिछले साल महिला बिग बैश लीग के दौरान मंधाना के साथ काफी समय बिताया था। आयरलैंड के लिए खेल चुकीं तेज गेंदबाज किम गार्थ और हीथर ग्राहम ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण कर सकती हैं।

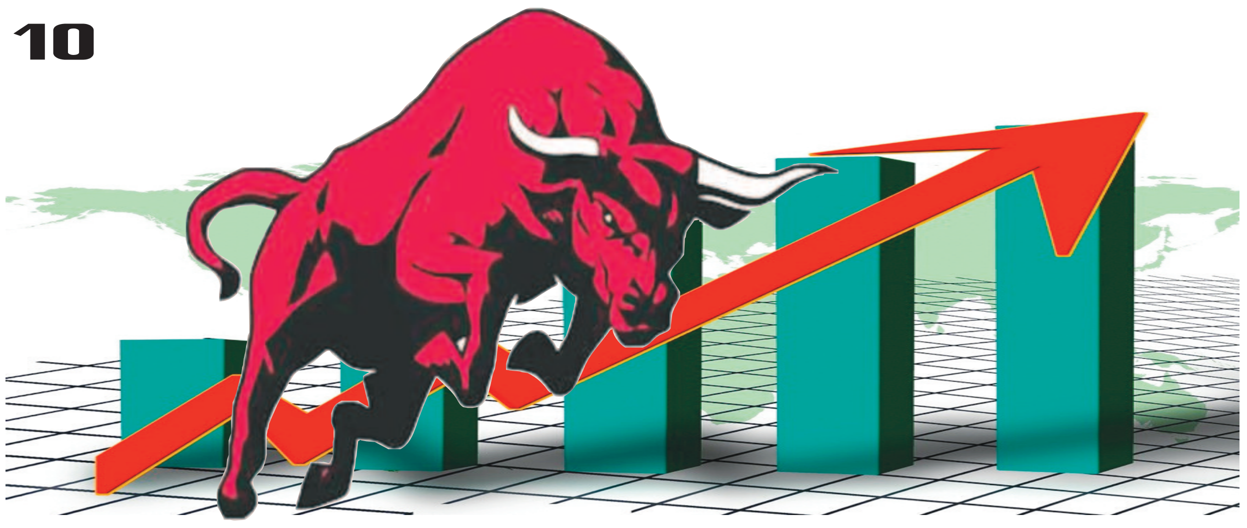

टैक्स पेयर्स की लगी लॉटरी

टैक्स रिफंड के बदल गए नियम, वित्तमंत्रालय ने दी जानकारी!

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की तरफ से टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत देने का फैसला लिया गया है। सरकार की तरफ से टैक्स रिफंड को लेकर नए नियम जारी किए गए हैं, जिसका फायदा देश के करोड़ों टैक्सपेयर्स को मिलेगा। इनकम टैक्स विभाग की ओर से इन नियमों को लेकर जानकारी दी गई है।

21 दिन में लेना होगा फैसला

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने जानकारी देते हुए नए नियमों के बारे में कहा है कि अब से बकाया टैक्स के मुकाबले रिफंड के मुकाबले रिफंड एडजस्ट करने में टैक्सपेयर्स को राहत मिली है। इस तरह के मामलों में टैक्स अधिकारियों को 21 दिनों में फैसला लेना होगा। विभाग के अधिकारियों की तरफ से लिए गए इस फैसले से मुकदमेबाजी में भी काफी कमी आएगी।

पहले 30 दिन थी समय सीमा

डायरेक्टोरेट ऑफ इनकम टैक्स ने बताया है कि पहले यह समय सीमा 30 दिन की थी, लेकिन अब इसको घटाकर 21 दिन करने का फैसला लिया गया है। अधिकारी की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, अगर टैक्स भरने वाला एडजस्टमेंट करने के लिए पूरी तरह से सहमत नहीं है तो ऐसी स्थिति में यह मामला एसेसिंग अधिकारी के पास जाएगा और वह इसे 21 दिन के अंदर सुलझाएंगे और अपनी राय देंगे।

रिफंड का गलत एडजस्टमेंट

इसके अलावा कुछ मामलों मे धारा 245 के तहत सूचना जारी करने के लिए डिमांड पोर्टल पर भी जवाब दिया था कि किसी भी तरह की गलत डिमांड को एसेसिंग अधिकारियों द्वारा रोका जा चुका है।

इसके साथ ही कई बार मांगों के खिलाफ रिफंड का गलत एडजस्टमेंट किया गया है, जिससे कई बार शिकायतें हुई हैं।

एयर इंडिया का दावा- परिचालन संबंधी समस्याएं गंभीर नहीं, हमारे पास पर्याप्त केबिन क्रू

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा है कि एयरलाइन की कुछ उड़ानों को परिचालन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा है, लेकिन ये मामले छिटपुट हैं और इसका तुरंत समाधान कर लिया गया। प्रवक्ता ने कहा कि हालांकि केबिन क्रू की कमी की अफवाहें पूरी तरह निराधार हैं। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा है कि अफवाहों के विपरीत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर बढ़ते यातायात को सुचारु ढंग से संचालित करने के लिए एयरलाइन पिछले कुछ महीनों में सक्रिय रूप से भर्ती कर रही है। फिर भी, हमें इस असुविधा के लिए खेद है कि विमानों की देरी से हमारे मूल्यवान यात्रियों को परेशानी हुई। हालांकि एयर इंडिया ने यह माना कि केबिन क्रू को हवाईअड्डा प्रवेश पास जारी करने की अपेक्षाकृत धीमी गति से परिचालन संबंधी कुछ परेशानी हुई, इसके कारण उत्तरी अमेरिका की कुछ उड़ानों (लंबी दूरी) के संचालन में देरी हुई।

सेंसेक्स क्लोजिंग बेल: लाल निशान पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार

सेंसेक्स 389 अंक टूटा, निफ्टी 18500 के नीचे

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स 389 अंक टूटकर 62181 अंकों के लेवल पर जबकि निफ्टी 112 अंकों की गिरावट के साथ 18496 अंकों के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि शुक्रवार के दिन बैंक निफ्टी ऑल हाई पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी सेशन में आईटी सेक्टर के शेयरों में भारी बिकवाली दिखी। शुक्रवार के दिन सेंसेक्स में करीब 600 अंकों से अधिक की गिरावट दिखी और यह 62 हजार के नीचे पहुंचा। शुक्रवार के दिन डॉलर के मुकाबले रुपया 15 पैसे मजबूत हुआ और यह 82.27 अंकों के स्तर पर बंद हुआ। गुरुवार को यह 82.42 अंकों के लेवल पर बंद हुआ था।

स्थान	22 कैरेट गोल्ड (10ग्र)	24 कैरेट गोल्ड (10ग्र)	सील्वर (1केजी)
हैदराबाद	49,500 रुपये	54,000 रुपये	71,300 रुपये
बैंगलोर	49,500 रुपये	54,000 रुपये	71,300 रुपये
केरल	49,500 रुपये	54,000 रुपये	71,300 रुपये
विशाखापत्तनम	49,500 रुपये	54,000 रुपये	71,300 रुपये

स्थान	पेट्रोल पर लीटर	डीजल पर लीटर
हैदराबाद	109.67 रुपये	97.82 रुपये
दिल्ली	96.72 रुपये	89.62 रुपये
चेन्नई	102.63 रुपये	94.24 रुपये
मुंबई	106.31 रुपये	97.28 रुपये
बेंगलुरू	101.94 रुपये	87.89 रुपये

किसानों को फ्री में मिलेगा 150 किलो चावल

छत्तीसगढ़ सरकार ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की ओर से देश के करोड़ों लोगों को फ्री राशन दिया जा रहा है। कोविड महामारी के दौरान शुरू की गई फ्री राशन योजना को केंद्र सरकार की ओर से कई बार बढ़ाया गया है। यह राशन परिवार के सदस्यों के अनुसार दिया जाता है। अब राज्य सरकार की ओर से किसानों को फ्री में 150 किलो चावल देने का ऐलान किया गया है। राज्य सरकार की ओर राशन कार्ड पर 135 किलो राशन से लेकर 150 किलो राशन फ्री में दिया जाएगा। हालांकि, यह उन्हीं लोगों को दिया जाएगा, जिनके पास राशन कार्ड होंगे। इसके अलावा, सरकार ने कुछ और शर्त भी रखी है।

किन लोगों को मिलेगा 150 किलो फ्री चावल

यह घोषणा छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से की गई है और इसका लाभ बीपीएल कार्डधारकों को दिया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से किए गए ऐलान के अनुसार, 15 किलो से लेकर 135 किलो तक का राशन फ्री में दिया जाएगा। इसके अलावा राज्य के प्राथमिकता राशन कार्ड धारकों को 15 किलो से 150 किलो तक का चावल दिया जाएगा। इससे पहले राज्य सरकारों को 35 किलो चावल दिया जाता था। अक्टूबर-नवंबर यानी दो महीने के चावल का कोटा एक साथ लोगों को दिया जाएगा। यह केंद्र सरकार का काटा होगा, वहीं राज्य सरकार की ओर से भी चावल दिया जाएगा। ऐसे में राशन कार्डधारकों को 150 किलो चावल मिलेगा।

कृषि विभाग की ओर से पेश किए गए आंकड़ें के अनुसार, धान के पैदवार में गिरावट आई है। 15 जुलाई तक धान के रकबे में 17.4% गिरावट दर्ज की गई है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ और पश्चिम बंगाल में धान का रकबा पिछले साल के मुकाबले 31 फीसदी गिरा है। गौरतलब है कि इस साल छत्तीसगढ़ के अलावा, उत्तर भारत के राज्यों में सूखा का सामना करना पड़ा है। यूपी के 62 जिलो में सूखे का असर दिखा है, तो वहीं बिहार और झारखंड में भी सूखे का असर देखने को मिला है। बिहार और झारखंड के किसानों को सूखे के लिए 3500 रुपये दिए जा रहे हैं।

महंगाई से मिली राहत! नवंबर में 6.4 फीसदी रहने का अनुमान

खाने-पीने की चीजों के घटे दाम

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। महंगाई के मोर्चे पर बड़ी राहत मिल सकती है। मनीकंट्रोल की ओर से 17 अर्थशास्त्रियों के बीच कराए पोल में सामने आया है कि नवंबर में भारत की खुदरा महंगाई नौ महीने के निचले स्तर 6.4 प्रतिशत पर आ सकती है। अक्टूबर में खुदरा महंगाई की दर 6.77 फीसदी रही थी। इससे पिछले महीने, सितंबर में रिटेल महंगाई 7.41 फीसदी थी। सरकार की ओर से 12 दिसंबर को शाम 5.30 बजे नवंबर के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी करेगा। अर्थशास्त्रियों का अनुमान अगर सही साबित होता है और रिटेल महंगाई 6.4 प्रतिशत रहती है तो यह नौ महीने का निचला स्तर होगा। हालांकि, नवंबर लगातार 11वां ऐसा महीना होगा जिसमें महंगाई दर 6 फीसदी से ऊपर बनी रहेगी। यही नहीं लगातार 38वें महीने खुदरा महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक के 4 प्रतिशत के मध्यम अवधि के लक्ष्य से अधिक रह सकती है। बार्कलेज के मुख्य अर्थशास्त्री राहुल बाजोरिया के अनुसार, खाद्य मुद्रास्फीति अक्टूबर के 7 प्रतिशत के मुकाबले नवंबर में गिरकर 6.2 प्रतिशत हो सकती है। बाजोरिया ने 5 दिसंबर को एक नोट में कहा, "हमें अनाज और दालों की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिल रही है, लेकिन जल्द खराब होने वाली चीजों जैसे सब्जियों की कीमतों में कमी आने की संभावना है।" उपभोक्ता मामलों के विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर की तुलना में नवंबर में जिन पांच खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी आई है उनमें चावल, पाम ऑयल, चाय, वनस्पति तेल और टमाटर शामिल है।नवंबर के मुद्रास्फीति के आंकड़े आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) द्वारा 7 दिसंबर को रेपो रेट में 35 आधार अंकों की बढ़ोतरी करने के बाद आ रहे हैं। रेपो रेट अब बढ़कर 6.25 प्रतिशत हो गया है। रिजर्व बैंक ने 8 महीनों में पांचवीं बार नीतिगत दर में वृद्धि की है। आरबीआई का अनुमान है कि अक्टूबर-दिसंबर में सीपीआई इनफ्लेशन औसतन 6.6 प्रतिशत रह सकती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

बुध ९ शुक्र, सूर्य ८, केतु ७, ६, शनि १०, ११, ५, गुरु १२, मंगल २, ४, राहु १, चंद्र ३

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	वृश्चिक	में
चंद्र-	मिथुन	में
मंगल	वृष	में
बुध-	धनु	में
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	धनु	में
शनि-	मकर	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
वृश्चिक.	04-52	बजे
धनु---	07-06	बजे
मकर-	09-10	बजे
कुंभ -	11-11	बजे
मीन...	12-39	बजे
मेष--	14-14	बजे
वृष--	16-00	बजे
मिथुन..	18-01	बजे
कर्क...	20-12	बजे
सिंह...	22-25	बजे
कन्या..	23-35	बजे
तुला	02-41	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,** हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- पूर्व-अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - **13 -48** तक उपरान्त तृतीया
मास - पौष कृष्ण पक्ष, शनिवार **Dec 10**
नक्षत्र - आर्द्रा - **17 - 41** - तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - शुक्ल - **04 - 24** - तक उप- ब्रह्म
करण- गर - **13 - 48** - तक उप- वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार - विश्व मानवाधिकार दिवस

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:23 से 10:46 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:39 - 07:59	अशुभ	लाभ.	17:41 - 19:18	शुभ
शुभ.	07:59 - 09:23	शुभ	उत्पात	19:18 - 20:55	अशुभ
रोग.	09:23 - 10:46	अशुभ	शुभ	20:55 - 22:32	शुभ
उत्पात	10:46 - 12:09	अशुभ	अमृत	22:32 - 00:09	शुभ
चंचल	12:09 - 13:32	शुभ	चंचल	00:09 - 01:46	शुभ
लाभ	13:32 - 14:55	शुभ	रोग	01:46 - 03:23	अशुभ
अमृत	14:55 - 16:18	शुभ	काल	03:23 - 05:00	अशुभ
काल	16:18 - 17:38	अशुभ	लाभ	05:00 - 06:39	शुभ

दाल-रोटी महंगी:1 महीने में 5% बढ़े गेहूं-दालों के भाव

पाम ऑयल छोड़कर सभी प्रमुख खाद्य तेलों के दाम में मामूली तेजी

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। दाल-रोटी एक बार फिर महंगी होने लगी है। बीते एक महीने में रिटेल बाजार में गेहूं व दाल के भाव 5% और 4% तक बढ़ गए हैं। पाम ऑयल को छोड़कर सभी प्रमुख खाद्य तेलों की कीमतों में भी इस दौरान मामूली वृद्धि हुई है। दूसरी तरफ आलू, प्याज और टमाटर की औसत रिटेल कीमतों में गिरावट आई है।

गेहूं का औसत रिटेल भाव 31.90 रुपए प्रति किलो

केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को एक सवाल के लिखित जवाब में कहा, 'देश में गेहूं और दाल जैसी जरूरी वस्तुओं की औसत रिटेल कीमतों में हाल के महीनों में कोई तेज और लगातार वृद्धि नहीं हुई है।' गोयल के मुताबिक, 6 दिसंबर को गेहूं का औसत रिटेल भाव एक महीने पहले के 30.50 रुपए की तुलना में 31.90 रुपए प्रति किलो हो गया।

35.20 रुपए से बढ़कर 37.40 रुपए हुआ आटा

सरकार ने आटे की औसत रिटेल कीमत की जानकारी नहीं दी। लेकिन सरकार की मूल्य निगरानी प्रणाली के ब्योरे से पता चलता है कि आटे की कीमत एक महीने पहले 35.20 रुपए की तुलना में 6% बढ़कर 37.40 रुपए प्रति किलो हो गई है। दालों में, चना दाल की कीमत पिछले एक महीने में 2% बढ़ी है। ठीक एक महीने पहले चना दाल का औसत भाव 110.90 रुपए प्रति किलो था। मंगलवार को यह 112.80 रुपए प्रति किलो भाव पर बिकी। अन्य दालों के भाव में लगभग स्थिरता देखी गई।देश के ज्यादातर इलाकों में गेहूं के भाव अभी एमएसपी से 30-40 फीसदी ऊपर है। व्यापारियों का कहना है कि मौजूदा भाव करीब-करीब रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर बना हुआ है। बीते 4 महीनों में कीमतें धीरे-धीरे बढ़ते हुए रिटेल में 32 रुपए किलो तक पहुंच गए हैं।

ट्विटर डिलीट करेगा 150 करोड़ अकाउंट

मस्क बोले- बिना इस्तेमाल वाले अकाउंट हटाकर स्पेस फ्री करेंगे, लेकिन इससे यूजर बेस घटेगा

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। ट्विटर के नए बॉस एलन मस्क ने सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी के करोड़ों इनएक्टिव अकाउंट्स को हटाने का ऐलान किया है। मस्क ने ट्वीट में लिखा, 'ट्विटर जल्द ही 1.5 बिलियन (150 करोड़) अकाउंट के नेम स्पेस को फ्री करना शुरू कर देगा'। ट्विटर के अपने अधिग्रहण के बाद से मस्क, कंपनी में कई बदलाव कर चुके हैं जिनमें से ये एक है। मस्क के इस फैसले से उन यूजर्स को फायदा होगा जो एक पर्टिकुलर यूजर नेम चाहते हैं लेकिन इसे ले नहीं पा रहे क्योंकि किसी ओर ने इसे पहले ही ले रखा है और वो उसका इस्तेमाल नहीं कर रहा। मस्क के इस कदम से स्पेस तो फ्री हो जाएगा, लेकिन इससे ट्विटर का यूजर बेस भी कम होगा। हालांकि मस्क ने उस हिस्से पर ज्यादा जानकारी नहीं दी है।कॉस्ट कटिंग के लिए करीब आधे एम्प्लॉइज को निकाल दिया है। छंटनी के बाद मस्क ने कहा था, 'जब कंपनी को रोजाना 40 लाख डॉलर (32.77 करोड़ रुपए) का नुकसान हो रहा है, तो हमारे पास कर्मचारियों को हटाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मस्क ने हाल ही में कुछ देशों में 8 डॉलर में ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन लॉन्च किया था। अगर लोग इसे नहीं खरीदते हैं, तो वे अपना वेरिफाइड चेकमार्क खो देंगे। हालांकि फेक अकाउंट की संख्या बढ़ने के बाद इस सब्सक्रिप्शन को होल्ड कर दिया गया है।

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा। दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं।आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं।आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है।आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे।जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं।आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे। अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे।आपके लिए रोमांचक समय है।आपको किसी का ध्यान अपनी और खीचने की जरुरत नही है।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें।कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है।अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें।आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं।अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज ग्रहों की दशा आपको शांत तरीके से अपने बारे में सोचने का मौका देगी।आपने पिछले समय में कई मौकों पर काफी कठोर ढंग से अपनी प्रतिक्रिया दी है लेकिन अब आप मानसिक रूप से काफी शांत स्थिति में हैं।सुलह करने और सम्बन्ध सुधरने के लिए बहुत अच्छा समय है।ख़ुशी पाने का सबसे अच्छा तरीका यह है

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे। अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें। दिन शांत और तनावरहित रहेगा। आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चो पर भी नजर रखें।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है।आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं।फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे।जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
यह सोचने और जानने के लिए कि आप अपने जीवन से क्या चाहते हैं,कुछ देर एकांत में बैठें।पिछले कई दिन काफी व्यस्त रहे हैं।इसीलिए आपको अपने उद्देश्यों का फिर से मूल्यांकन करना है और यह भी देखना है की आपके काम किस प्रकार आपके जीवन और संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं।यात्रा संभावित है।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं।ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें।यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है।वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आप अन्दर से डरे हुए से हैं।यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है। इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दुसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं। ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी। अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
अगर कुछ लोग आपको नहीं समझ पा रहें हैं तो उन्हें अपना हरेक काम समझाने में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद ना करें।वे कभी नही मानेंगे।आप काफी व्यस्त रहेंगे लेकिन आपको आने वाली जरूरतों के कारण पहले वाली योजनाओं में भी कुछ बदलाव करने पड सकते हैं।स्थिति की मांग के अनुसार कार्य करें।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

भारत मध्य अफ्रीका को 2 अरब डॉलर का 'सॉफ्ट लोन' देगा

जानें भारतीय राजदूत ने और क्या कहा?

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने मध्य अफ्रीका में परियोजनाओं के लिए 2 बिलियन डालर के 'सॉफ्ट लोन' देने का फैसला किया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत रुचिरा कंबोज ने गुरुवार को मध्य अफ्रीका के क्षेत्रों के साथ नई दिल्ली के सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को रेखांकित करते हुए ये बातें कही। यूएनओसीए/एलआरए (यूएन रीजनल ऑफिस फॉर यूएनओसीए) पर यूएनएससी की ब्रीफिंग के दौरान राजदूत कंबोज ने कहा, भारत के मध्य अफ्रीकी के देशों के साथ सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंध हैं। हमने इस क्षेत्र में अपनी राजनयिक उपस्थिति बढ़ाई है। क्षेत्र में विकास के लिए हमारी सहायता और समन्वय स्थायी रहा है। उन्होंने कहा, ₹हमने क्षेत्र के देशों को कृषि, परिवहन, बिजली और पानी की आपूर्ति से जुड़ी परियोजनाओं के लिए 2 बिलियन अमरीकी डालर का 'सॉफ्ट लोन' दिया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के शीर्ष राजदूत ने कहा कि देश की ड्यूटी-फ्री टैरिफ वरीयता (डीएफटीपी) योजना कई मध्य अफ्रीकी देशों पर भी लागू है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भारत अपने लोगों के लिए शांति, सुरक्षा और विकास को आगे बढ़ाने के लिए मध्य अफ्रीका के देशों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना जारी रखेगा। कबोज ने अपने संबोधन में कहा कि मध्य अफ्रीकी क्षेत्र के देशों में राजनीतिक घटनाक्रम सकारात्मक रहे हैं, जो चुनावी प्रक्रियाओं, देशों के बीच नियमित आदान-प्रदान और सहयोग के आधार पर चिह्नित किए गए हैं। भारतीय दूत ने रेखांकित किया कि मध्य अफ्रीकी क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक और मानवीय स्थिति बहुआयामी चुनौतियों को दर्शाती है, जो ऐतिहासिक अन्यायों से प्रभावित हैं और विकास के लिए जूझते रहे हैं।

धनलक्ष्मी व कोटक महिंद्रा बैंक ने एफडी पर ब्याज दरें बढ़ाईं

जानें किन्हें मिलेगा फायदा?

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। धनलक्ष्मी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक ने सावधि जमा (एफडी) पर अपनी ब्याज दरों में संशोधन किया है। धनलक्ष्मी बैंक ने 2 करोड़ रुपये से कम की सावधि जमा पर ब्याज दर में बदलाव किया है। नई दरें 8 दिसंबर, 2022 से प्रभावी हैं। बदलाव के बाद, बैंक अब 7 दिनों से लेकर 10 साल तक की परिपक्वता अवधि के सावधि जमा पर 3.25 प्रतिशत से 6.10 प्रतिशत तक की ब्याज दरों की पेशकश करता है। धनलक्ष्मी बैंक अब 555 दिनों में परिपक्व होने वाली जमा पर अधिकतम 7.25 प्रतिशत ब्याज देगा। बैंक के अनुसार अब 7 दिनों से 45 दिनों में परिपक्व होने वाली जमाओं पर वह 3.25 प्रतिशत ब्याज का भुगतान करेगा। छह सप्ताह से नौ महीनों के दौरान परिपक्व होने वाले जमाओं पर धनलक्ष्मी बैंक अब 3.75 प्रतिशत ब्याज का भुगतान करेगा। धनलक्ष्मी बैंक अब एक वर्ष व उससे अधिक और दो वर्ष तक की परिपक्वता वाली एफडी पर 6.25 प्रतिशत की ब्याज देगा इसके अलावे बैंक 91 दिनों से कम अवधि में परिपक्व होने वाली जमाओं पर बैंक ने 4.50 प्रतिशत की ब्याज दर की पेशकश की है। इस बीच कोटक महिंद्रा ने भी अपने फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों में बदलाव किया है। 2 करोड़ रुपये से कम जमा पर यह संशोधित ब्याज दर लागू होगा। नई एफडी ब्याज दरें 9 दिसंबर, 2022 से प्रभावी हैं। बैंक वरिष्ठ नागरिकों के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट पर 6.75 फीसदी और आम जनता को एक साल के लिए एफडी पर 6.25 फीसदी ब्याज देगा। उसी तरह, 180-दिवसीय सावधि जमा (एफडी) नियमित जमा के लिए 5.50 प्रतिशत की दर से और वरिष्ठ नागरिक जमा के लिए 6 प्रतिशत की दर से ब्याज दी जाएगी। बैंक की वेबसाइट के अनुसार वरिष्ठ नागरिकों की सावधि जमा की ब्याज दरें एनआरओ या एनआरई जमा पर लागू नहीं होंगे। यदि एनआरई एक वर्ष से कम अवधि के लिए एफडी करते हैं तो उन्हें कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा।

दलालों की सूची में नाम आने पर वकीलों में रोष

वर्क सस्पेंड, पुलिस पर लगाया छवि धूमिल करने का आरोप

पानीपत, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। दलालों की सूची में दो वकीलों का नाम आने पर वकीलों ने रोष प्रकट करते हुए वर्क सस्पेंड कर दिया है। वकीलों ने आरोप लगाया कि पुलिस विभाग में सबसे ज्यादा रिश्वतखोरी होती है, अधिकारियों ने जिस प्रकार दलालों की सूची निकली है उसी प्रकार अपने विभाग की सूची तैयार कराए। वकीलों का नाम डालकर छवि खराब करने का प्रयास किया गया है। वकीलों ने कहा कि वर्क सस्पेंड कब तक और कितने दिन तक चलेगा, इस बारे में अभी कुछ नहीं कह सकते। वकील और समाजसेवी रत्न सिंह रावल का कहना है कि पुलिस ने दलालों की सूची में दो वकीलों के नाम गलत प्रकाशित किए हैं। जबकि असली दलाल सरेआम दलाली करते हैं। समाजसेवियों को दलाल का नाम देकर पुलिस ने उनकी छवि धूमिल की है। अब कोर्ट में मानहानि का केस करूंगा। वकील इरफान अली ने कहा कि वर्ष 2017 में किला थाने का उद्घाटन किया गया था। उस समय आईजी करनाल सुभाष यादव पानीपत आए थे। उन्हें भी अतिथि के तौर पर बुलाया गया था। वह हमेशा सामाजिक कार्य करता आया है, जब भी किला थाने में दो समुदायों की बात आई तो पुलिस उन्हें थाने बुलाती रही है। कभी किसी के नाम से रुपये नहीं लिए। किसी ने रंजिशन उनका नाम सूची में जुड़वाया, जो गलत है।

नाम डालकर बेवजह घसीटने का आरोप

नारा गांव के पूर्व सरपंच सूरजभान ने भी पुलिस की ओर से जारी लिस्ट में उनका नाम बेवजह घसीटने का आरोप लगाया है। पूर्व सरपंच का कहना है कि उसने कभी किसी पीड़ित से पुलिस के नाम पर रुपये नहीं लिए बल्कि हमेशा मदद की है। वह पूरा दिन पीड़ित के साथ दुकान छोड़कर घूमते हैं। गांव के हर मामले को पंचायती के माध्यम से निपटाने की कोशिश करते हैं ताकि लोगों की दिक्कत दूर हो लेकिन पुलिस ने उनका नाम दलालों की सूची में डालकर सम्मान को ठेस पहुंचाई है।

यह है मामला

पानीपत पुलिस ने चौकी थानों में सक्रिय 63 दलालो की सूची तैयार की है, सूची में वकील, होमगार्ड, एसपीओ, पूर्व सरपंच तक शामिल हैं। एसपी ने कहा कि यह सब पुलिस के नाम पर शिकायतकर्ता से पैसे लेते हैं, जिससे पुलिस की छवि धूमिल होती है। इन दलालों को थाने चौकी में नहीं घुसने दिया जाए। सूची वायरल होते ही शहर में हड़कंप मचा हुआ है।

बंदियों की हुई अदला-बदली, हथियार व्यापारी के बदले रूस ने बास्केटबाल स्टार ब्रिटनी को छोड़ा

वाशिंगटन, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका और रूस के बीच रिश्ते किस कदर खराब हैं, यह दुनिया से छिपा नहीं है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद स्थिति और भी चिंताजनक हो गई है। हालांकि, अब इन दो महाशक्तियों के बीच से राहत की खबर सामने आई है। पता चला है कि दोनों देशों के बीच पर्दे के पीछे बातचीत जारी है। दरअसल, दोनों देशों ने हाल ही में बंदियों की अदला-बदली की है। जानकारी के मुताबिक, अमेरिका की बास्केटबाल स्टार ब्रिटनी ग्राइनर को रूस ने रिहा किया है तो इसके बदले रूस के हथियार व्यापारी विक्टर बाउट को भी अमेरिका ने छोड़ दिया है। अमेरिकी की स्टार खिलाड़ी और दो बार ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ब्रिटनी ग्राइनर आठ महीने से रूस की जेल में बंद थीं। उनकी गिरफ्तारी रूस में नशीला पदार्थ ले जाने के आरेप में हुई थी।

अमेरिका ने पाकिस्तान की छह कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

असुरिक्षत परमाणु गतिविधियों को लेकर हुई कार्रवाई

वाशिंगटन, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की छह कंपनियों पर अमेरिका ने बैन लगा दिया है. इन कंपनियों पर आरोप है कि वे पाकिस्तान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम के लिए उपकरणों की आपूर्ति कर रही थीं. अमेरिका ने कहा कि ये कंपनियां पाकिस्तानी परमाणु कार्यक्रम को तकनीक देकर उसके लिए खतरा पैदा कर रही थीं. बाइडेन प्रशासन ने पाकिस्तान की खतरनाक परमाणु तकनीक देने वाली छह कंपनियों पर बैन लगाया है. अमेरिका ने 24 कंपनियों के निर्यात पर रोक लगाते हुए कहा कि ये कंपनियां रूस को सैन्य या रक्षा उद्योग में मदद कर रही थी. बाइडेन प्रशाशन ने कहा कि ये कंपनियां पाकिस्तान के असुरिक्षत परमाणु कार्यक्रम के सामनों की आपूर्ति कर खतरा पैदा कर रही थी.

पाकिस्तान की बैन कंपनियों की सूची

पाकिस्तान की जिन कंपनियों को बैन किया है उनमें डायनेमिक इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन, एनरक्विप प्राइवेट लिमिटेड, एनएआर टेक्नोलॉजीज जनरल ट्रेडिंग एलएलसी, ट्रोजन, रेनबो सॉल्यूशंस और यूनिवर्सल ड्रिलिंग इंजीनियर्स शामिल हैं. अब इन कंपनियों को अमेरिकी उपकरणों को खरीद में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा.

पाकिस्तान का परमाणु तस्करी का इतिहास पुराना

पाकिस्तान की परमाणु तस्करी का इतिहास पुराना रहा है. परमाणु वैज्ञानिक एक्यू खान ने उत्तर कोरिया और लीबिया को परमाणु तकनीक की तस्करी की थी. जब इस खतरनाक मामले का खुलासा हुआ तो पाकिस्तानी परमाणु बम के जनक एक्यू खान को उनके घर में नजरबंद कर दिया था. पाकिस्तान ने परमाणु तकनीक देकर उत्तर कोरिया से मिसाइल तकनीक खरीदी थी ताकि भारत के खिलाफ उस का इस्तमाल किया जा सके. एनआर टेक्नोलॉजीज जरनल ट्रडिंग एलएलसी और ट्रोजन को उनके कार्यों और गतिविधियों के आधार पर पाकिस्तान और यूएई को लाभ पहुंचाने के लिए बैन की सूची में जोड़ा गया है जो अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के हितों के विपरीत है.

भर्ती परीक्षा रद्द होने से अभ्यर्थियों में रोष

बोले- ब्लेकलिस्टेड एजेंसी को दी जिम्मेदारी

जम्मू, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस सब इंस्पेक्टर (एसआई) की 1200 पदों पर भर्ती परीक्षा दोबारा रद्द होने की सूचना से अभ्यर्थियों में निराशा का माहौल है। युवा सरकार से खफा हैं। अभ्यर्थियों का आरोप है कि बोर्ड ने जानबूझकर ब्लेकलिस्टेड एजेंसी को भर्ती करवाने की जिम्मेदारी दी, जबकि बोर्ड को इसकी पहले ही जानकारी थी। जेकेपीएसआई के अभ्यर्थी आकाश भगत ने कहा कि सरकार जानबूझकर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। सरकार नहीं चाहती कि युवाओं को सरकारी नौकरी मिले। उन्हें निजी क्षेत्र की ओर धकेलने का प्रयास किया जा रहा है। अगर जेकेएसएसबी परीक्षा आयोजित करने में सक्षम नहीं तो जेकेपीएससी या यूपीएससी को परीक्षा आयोजित करने का जिम्मा सौंपना चाहिए था। अभ्यर्थी शुभम लंगर ने कहा कि परीक्षा लेने के बाद उसे रद्द कर दिया जाता है। सरकार युवाओं के लिए परेशानी का सबब बन गई। वर्तमान समय में युवा पीढ़ी विषम परिस्थितियों से गुजर रही है। अभ्यर्थी कोचिंग पर हजारों रुपये खर्च कर रहे हैं। इस बात से सरकार को मतलब नहीं है। कई आयु सीमा भी पूरी कर चुके हैं। वह आखिरी बार परीक्षा दे रहे थे, लेकिन उन्हें फिर भी अधिकार से वंचित रखा गया है। अभ्यर्थी पल्लवी शर्मा ने कहा कि पहले भी जेकेपीएसआई की परीक्षा रद्द कर दी गई थी। दूसरी बार फिर परीक्षा रद्द करने की सूचना मिली है। बोर्ड की खामियों का खमियाजा युवाओं को भुगतना पड़ा रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए युवा कोचिंग संस्थानों में पैसा खर्च करते हैं। अब भविष्य की चिंता सता रही है। परीक्षा देने के बाद भी हाथ खाली है। कोई उम्मीद नहीं रही। अभ्यर्थी सिमरन जीत कौर का कहना है कि 16 दिसंबर को उनकी परीक्षा थी, लेकिन उससे पहले ही बुरी खबर सुनने को मिली। उन्होंने कहा कि परीक्षा रद्द होना उनके लिए परेशानी बन गई है।

पाक पीएम शहबाज शरीफ ने जीता मानहानि का मुकदमा, ब्रिटिश अखबार ने मांगी माफी

इस्लामाबाद, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ब्रिटिश अखबार डेली मेल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा जीत लिया है। डेली मेल अपने पत्रकार डेविड रोज के एक लेख में पाक पीएम शहबाज के खिलाफ लगाए गए आरोपों को साबित करने में विफल रहा। अखबार ने गुरुवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से माफी मांगी और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के सभी निराधार आरोप वापस ले लिए। इस पर पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा कि एक और दुर्भावनापूर्ण प्रचार का पर्दाफाश हो गया है। उन्होंने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को अब भ्रष्टाचार मुक्त घोषित कर दिया गया है। पाकिस्तान की सूचना एवं प्रसारण मंत्री मरियम औरंगजेब ने एक बयान में कहा कि डेली मेल द्वारा मांगी गई माफी से शहबाज शरीफ दुनिया के सामने विजयी हुए हैं। वहीं, पाकिस्तान के शिक्षा मंत्री राणा तनवीर हुसैन ने ट्वीट कर कहा कि डेली मेल का माफीनामा इस बात का सबूत है ।

चीन को लेकर न्यूजीलैंड की पीएम जैसिंडा ने कह दी ऐसी बात

जिनपिंग को लग जाएगी मिर्ची

वेलिंगटन, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने चीन को लेकर बड़ा बयान दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले पांच साल के कार्यकाल पर नजर डालें तो निस्संदेह चीन के तेवर पहले से ज्यादा आक्रामक हो गए हैं। उन्होंने यह भी आगाह किया कि चीन छोटे प्रशांत देशों के साथ संबंध बनाने के लिए लगा है। इसके अलावा दूसरे पर हावी होने का प्रयास भी कर रहा है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन हाल के वर्षों में पूरी तरह से बदल गया है।

चीन पहले से काफी आक्रमक हुआ

उन्होंने आगे कहा, ''मुझे लगता है कि यदि मैं आसपास या दूर के इलाके पर नजर डालू तो चीन काफी आक्रमक होते दिखाई देता है। अर्डर्न ने आगे कहा कि ''इसके कई कारण होंगे। क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में उसका एकीकरण, चीन का विकास, उसके मध्यम वर्ग का विकास ऐसे कारणों की एक पूरी लिस्ट है।''

चीन ने इन क्षेत्रों में साहसिक कदम उठाए

उन्होंने आगे कहा कि कई अलग-अलग मुद्दों और संबंधों पर अधिक मुखर दृष्टिकोण देखा है। चीन ने इस वर्ष प्रशांत क्षेत्र में कुछ साहसिक भू-राजनीतिक कदम उठाए। उसने सोलोमन द्वीप समूह के साथ एक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किया। इसके बाद सुरक्षा से लेकर मत्स्य पालन तक सभी क्षेत्रों को समेटने वाले व्यापक समझौते पर 10 प्रशांत देशों से हस्ताक्षर कराने का लगातार प्रयास में लगा रहा लेकिन सफल नहीं हुआ।

चीन से परेशान ये देश

चीन के इन कदमों से अमेरिका समेत पश्चिमी देश परेशान देखे जा सकते हैं। वहीं अर्डर्न ने इस आलोचना को भी खारिज कर दिया कि न्यूजीलैंड ने इस साल पर्याप्त उपस्थिति दर्ज नहीं कर पाई है। अर्डर्न ने कहा, प्रशांत क्षेत्र हमारे घर जैसा है क्योंकि हम एक परिवार की तरह हैं, हम प्रशांत का हिस्सा हैं।' उन्होंने कहा कि ये संबंध सामुदायिक स्तर पर बनाए गए हैं।

रंजिश के चलते युवक को ट्रैक्टर से कुचलकर मारा, पूर्व सरपंच के भाई सहित दो पर हत्या का केस दर्जरोहतक

रोहतक, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। रोहतक के लाखनमाजरा खंड के गांव घरोटी में ट्रैक्टर की टक्कर में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। आरोप है कि चुनाव की रंजिश के चलते ट्रैक्टर चालक ने जानबूझकर युवक को टक्कर मारी है। पुलिस ने गांव के पूर्व सरपंच के भाई सहित दो के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक घरोटी गांव निवासी अंकित ने अपनी शिकायत में बताया कि उसका भाई अक्षय और शमशेर निजी काम से रोहतक बाइक पर जा रहे थे। गुरुवार दोपहर गांव के अड्डे से 500 मीटर दूर पहुंचे तो सामने से गांव के पूर्व सरपंच समुंदर सिंह का भाई सतीश ट्रैक्टर लेकर आ रहा था। आरोप है कि पुरानी रंजिश के चलते सतीश ने जानबूझकर बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से अक्षय की मौके पर ही मौत हो गई जबकि शमशेर गंभीर रूप से घायल हो गया आरोपी ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया मामले की सूचना पाकर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और घायल शमशेर को पीजीआई में दाखिल कराया।

पीसीबी के फरमान से देश में खड़ा हो सकता है दवाओं का संकट

फार्मा यूनिटों पर लटकी बंदी की तलवार

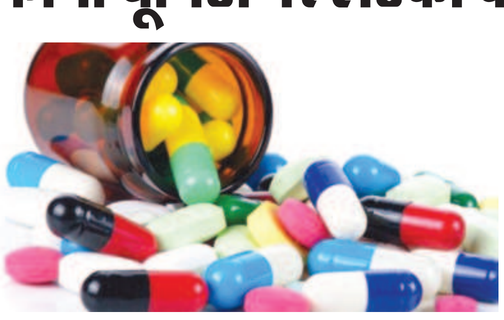

विकासनगर , 9 दिसंबर (एजेंसियां)। प्लास्टिक-पैकेजिंग मामले में उत्तराखंड की औद्योगिक इकाइयों की एनओसी रद्द करने की कार्रवाई से प्रदेश के फार्मा उद्योग पर भी बंदी की तलवार लटक गई है। उत्तराखंड में संचालित हो रहीं दवा उत्पादन करने वाली करीब 300 इकाइयां प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के इस फरमान से अगर बंद होती हैं तो देशभर में दवाओं का संकट पैदा हो सकता है। उत्तराखंड में देहरादून स्थित सेलाकुई फार्मा सिटी, रुड़की, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर आदि क्षेत्रों में 300 से ज्यादा फार्मा यूनिटें दवाएं बनाती हैं। कोरोना महामारी के समय जब देशभर में छोटी दुकानों से लेकर बाजार और औद्योगिक इकाइयां तक बंद हो गई थीं, तब भी दवा फैक्टरियां और रफ्तार से चलने लगी थीं। लेकिन, अब उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से उद्योगों की एनओसी रद्द करने के आदेश के बाद प्रदेश की सभी दवा फैक्टरियों पर बंदी का संकट खड़ा हो गया है। अगर ऐसा हुआ तो देशभर में दवाओं की किल्लत शुरू हो सकती है। क्योंकि, देश में बनने वाली दवाओं का 20 से 25 फीसदी तक उत्पादन यहां के फार्मा उद्योगों में होता है। इनमें जीवनरक्षक दवाओं से लेकर तमाम तरह के मेडिकल इक्यूप्मेंट्स, सर्जिकल गुड्स आदि शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार व राजस्व भी होगा प्रभावित

औद्योगिक इकाइयों के बंद होने की स्थिति में देश से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाजार को नुकसान पहुंचने की आशंका है। क्योंकि, दवाओं में इस्तेमाल होने वाले अधिकतर साल्ट और इलेक्ट्रानिक्स सामान के उपकरण चीन से आयात किए जाते हैं। इसके अलावा इकाइयों में तैयार किए जाने वाले उत्पादों को देश-विदेश तक निर्यात किया जाता है। उत्पादन के हिसाब से औद्योगिक इकाइयां बड़े पैमाने पर सरकार को राजस्व भी देती हैं। ऐसे में औद्योगिक इकाइयों के बंद होने से सरकार से लेकर उद्योगपतियों तक को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उद्योगों से जुड़ी समस्याओं के मामले में सरकार को सक्रिय रहकर काम करना चाहिए। सरकार को कोर्ट से संबंधित मामले में मजबूत पैरवी करनी चाहिए थी। यदि उद्योगों को नुकसान होता है तो रोजगार, राजस्व और व्यापार पर बड़े पैमाने पर असर पड़ेगा।

मेटा में छंटनी की शिकार हुई भारतीय मूल की सुरभि गुप्ता

नेटफ्लिक्स के शो में आई थीं नजर

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। इन दिनों बड़ी-बड़ी कंपनियां बड़े पैमाने पर छंटनी कर रही हैं। फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा भी इनमें से एक है। हाल ही में मेटा ने अपने हजारों कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। भारतीय मूल की सुरभि गुप्ता भी इन कर्मचारियों में से एक हैं। हाल ही में सुरभि नेटफ्लिक्स के चर्चित शो इंडियन मैचमेकिंग में भी नजर आई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेशे से इंजीनियर सुरभि 2009 से अमेरिका में रह रही हैं और वह मेटा में बतौर प्रोजेक्ट मैनेजर काम कर रही थीं। वह कहती हैं कि उन्हें इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि अच्छा काम करने के बाद भी कंपनी उन्हें बाहर कर देगी। सुरभि बताती हैं कि एक दिन सुबह छह बजे उनके पास नौकरी से निकाले जाने का मेल आया। इसके बाद न ही वह अपना कम्प्यूटर एक्ससेस कर सकती थीं, यहां तक कि ऑफिस के जिम भी नहीं जा सकती थीं। उनका कहना है कि यह मुझे निराश करने वाला था।

रह चुकी हैं ब्यूटी क्वीन

सुरभि 2018 में अमेरिका में आयोजित एक ब्यूटी कंपटीशन में भी प्रतिभाग कर चुकी हैं। इसमें वह मिस भारत-कैलिफोर्निया चुनी गई थीं। वह कहती हैं कि बीते 15 सालों से अमेरिका में जिंदगी आसान बनाने के लिए वह बहुत मेहनत कर रही हैं। हालांकि, कंपनी के एक मेल के बाद उन्हें ऐसा लगा जैसे जैसे टाइटैनिक डूब रहा है क्योंकि मैं एक-एक करके चीजों को खो रही थी। जैसे - वर्कप्लेस, लैटपटॉप, ईमेल।

एच1-बी वीजा पर हैं सुरभि

मेटा की तरफ से आए मेल ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दरअसल, सुरभि एच1-बी वीजा पर अमेरिका में हैं। मेटा में नौकरी का उनका आखिरी दिन जनवरी में होगा। इसके बाद उन्हें केवल 60 दिनों के लिए अमेरिका में रहने के अनुमति होगी। एच1-बी वीजा के नियमों के अनुसार, अमेरिका में आगे रहने के लिए उन्हें तत्काल नौकरी की आवश्यकता होगी। वह कहती हैं कि नई नौकरी ढूंढना आसान नहीं है, क्योंकि यह छुट्टियों का मौसम है और अधिकतर कंपनियों ने अपने यहां की भर्ती प्रक्रिया को धीमा कर दिया है।

इस देश में जून 2023 में घट जाएगी नागरिकों की उम्र, हो जाएंगे एक से दो साल युवा

सियोल, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया में अधिकांश व्यक्ति इसी बात से परेशान रहते हैं कि उनकी उम्र बढ़ रही है। उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक बीमारियां तो घेरती ही हैं, साथ ही नौकरी से रिटायरमेंट और अन्य आर्थिक चिंताएं भी सताने लगती हैं। लेकिन एक ऐसा देश भी है, जहां जून, 2023 तक नागरिकों की उम्र एक से दो साल घटने वाली है। सुनने में यह बात भले ही अजीब लगे, लेकिन दक्षिण कोरिया में ऐसा ही होने जा रहा है। हालांकि, यहां के नागरिकों की उम्र सिर्फ आधिकारिक दस्तावेजों पर ही बढ़ने जा रही है। फिर भी सरकार का ऐसा फैसला चौंकाने वाला है।

कैसे घटेगी दक्षिण कोरिया के लोगों की उम्र

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दक्षिण कोरियाई सरकार की ओर से एक कानून पारित किया गया है, जिसमें कहा गया है कि देश अपने नागरिकों की उम्र की गिनती, पारंपरिक तरीके से न करके अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर करेगा। इस कानून के बाद हुए संशोधन के आधार पर यहां के नागरिकों की आधिकारिक दस्तावेजों पर एक से दो वर्ष कम हो जाएगी। यह कानून जून, 2023 से प्रभावी होगा।

अभी तक कैसे मापी जाती थी उम्र

दक्षिण कोरिया अपने नागरिकों की उम्र की गणना के लिए पारंपरिक तरीका अपनाता है। इस अनुसार यहां के लोगों को जन्म के समय एक वर्ष का माना जाता है। साथ ही, हर साल एक जनवरी को उनकी उम्र में एक साल जोड़ा जाता है। इसके अलावा शराब या धूम्रपान के लिए यहां एक और तरीके से उम्र की गणना की जाती है। इसके तहत व्यक्ति की आयु की गणना जन्म के समय शून्य से की जाती है और 1 जनवरी को एक वर्ष जोड़ा जाता है।

चिकित्सा और कानूनी दस्तावेजों में अंतरराष्ट्रीय मानक

पारंपरिक तरीके अलावा दक्षिण कोरिया सिर्फ चिकित्सीय और कानूनी दस्तावेजों में आयु की गणना के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक अपनाता है। इसके तहत जन्म के समय व्यक्ति की उम्र शून्य मानी जाती है और प्रत्येक जन्मदिन पर उसकी उम्र में एक साल जोड़ा जाता है।

सैन्य अफसरों के खिलाफ विवादित ट्वीट

पीटीआई सीनेटर स्वाति की जमानत अर्जी पर सुनवाई 12 दिसंबर तक टली

इस्लामाबाद, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। इस्लामाबाद की एक अदालत ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सीनेटर आजम खान स्वाति की विवादित ट्वीट मामले में जमानत याचिका पर सुनवाई 12 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आजम खान स्वाति फिलहाल एक मामले में बलूचिस्तान पुलिस की हिरासत में हैं। स्वाति पर अलग-अलग ट्वीट के जरिए सैन्य अधिकारियों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगा है। गुरुवार को सुनवाई के दौरान विशेष न्यायाधीश राजा आसिफ महमूद ने कहा कि उनका बहुद जल्द दूसरी अदालत में ट्रांसफर होने वाला है, इसलिए दूसरे न्यायाधीश स्वाति की याचिका पर सुनवाई करेंगे। इसके बाद न्यायाधीश ने सुनवाई स्थगित कर दी और कहा कि अगर 12 दिसंबर तक उनके तबादले की अधिसूचना जारी नहीं की गई तो वह याचिका पर सुनवाई करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट में आजम खान स्वाति के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल के विवादित ट्वीट को लेकर पाकिस्तान में कई मामले दर्ज किए गए हैं। जबकि बलूचिस्तान हाईकोर्ट ने स्वाति के खिलाफ अतिरिक्त मामले दर्ज नहीं करने का आदेश दिया है। 14 अक्तूबर को, पाकिस्तान के संघीय जांच प्राधिकरण (एफआईए) ने सेना प्रमुख, न्यायपालिका और अन्य सरकारी संस्थानों के खिलाफ सोशल मीडिया पर 'धमकी भरा संदेश' पोस्ट करने को लेकर पीटीआई सीनेटर आजम खान स्वाति को गिरफ्तार किया था।

कोतवाली पहुंचा दिलचस्प मामला: युवक ने रचाई तीन शादियां तो पत्नियों ने किया चौकी में हंगामा

कोटद्वार, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। कोतवाली में एक ऐसा दिलचस्प मामला सामने आया है जिसमें एक युवक ने बिना तलाक लिए दूसरी शादी कर ली। इसके बाद उसने दूसरी शादी से तलाक ले लिया तो बुधवार को तीसरी शादी कर ली। इसकी भनक लगते ही बृहस्पतिवार को पहली और दूसरी पत्नी बाजार चौकी पहुंची और जमकर हंगामा किया। पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए दोनों महिलाओं को थाने भेज दिया। मामले में पहली पत्नी की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है। आरोपी युवक की पूर्व की दो पत्नियों से तीन संतान भी हैं। बृहस्पतिवार को दो महिलाएं बाजार चौकी पहुंचीं। दोनों महिलाओं ने स्वयं को नजीबाबाद रोड निवासी एक युवक (32) की पत्नी बताया और हंगामा किया। इस पर पुलिस आरोपी युवक को उसके घर से दबोच कर बाजार चौकी ले आई। युवक की पहली पत्नी ने बताया कि

उसका विवाह युवक के साथ वर्ष 2012 में हुआ था। उनका नौ साल का एक बेटा भी है। मगर ससुरालियों ने उसे तंग करना शुरू किया तो वह वर्ष 2016 में अपने मायके चली आई। अभी तक दोनों का तलाक नहीं हुआ है। वहीं दूसरी पत्नी का आरोप है कि युवक के साथ उसका प्रेम प्रसंग शुरू हुआ जिस पर युवक के परिजनों की रजामंदी के बाद गुरुद्वारे में शादी कर ली गई। उसकी दो बेटियां तीन और दो साल की हैं लेकिन युवक उसे दोनों बेटियों से बात नहीं करने देता और बच्चियों को उसके खिलाफ भड़काता है।

राम-राम नहीं, रावण जी कहिए, ना रावण दहन, ना दशहरा

मान्यता ऐसी कि सोने की दुकान खोली तो शिवलिंग सा काला हो जाएगा सोना

कांगड़ा, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। राम की धरती पर रावण जी। यहां ना कोई दशहरा मनाता है और ना रावण दहन होता है। दूसरे शहरों में या टीवी पर भी रावण दहन दिख जाए, तो लोग मुंह फेर लेते हैं, टीवी बंद कर देते हैं। अगर किसी की जुबान से रावण निकल जाए, तो लोग नाराज हो जाते हैं। वे रावण को रावण जी कहते हैं।

यहां कोई सोने की दुकान भी नहीं खोलता। मान्यता ये कि जिसने भी दशहरा मनाया उसकी अकाल मृत्यु हो जाती है। जिसने सोने की दुकान खोली उसका सोना शिवलिंग के रंग का हो जाता है, काला पड़ जाता है।

रात करीब 1.30 बजे का वक्त। मैं चंडीगढ़ बस स्टैंड से बैजनाथ मंदिर के लिए निकली। बस में सवार ज्यादातर लोगों को बैजनाथ मंदिर जाना है।

कुछ देर बाद मैंने लोगों से हल्की-फुल्की बातचीत शुरू की। इस दौरान एक बात मेरे ध्यान में आई। हमारी तरफ तो लोग एक दूसरे से मिलने पर राम-राम कहते हैं, लेकिन यहां किसी की जुबां पर राम का नाम नहीं है। लोग जय शंकर या जय महाकाल बोलते हैं।

पास की सीट पर बैठे युवक से मैंने पूछा यहां लोग रावण को इतना इज्जत क्यों देते हैं?

नाराजगी भरे लहजे युवक ने कहा, 'रावण जी कहिए। मैं गुरुग्राम में नौकरी करता हूं, वहां भी दशहरा नहीं मनाता, न रावण दहन देखने जाता हूं, क्योंकि वे हमारे लिए पूज्य हैं।'

इसी बीच बस ड्राइवर बोले,'मैडम... हम अपने बच्चों को राम की नहीं, रावण जी की कहानियां सुनाते हैं। उनकी वीरता के किस्से सुनाते हैं। आज तक उनके जैसा विद्वान और शक्तिशाली कोई हुआ ही नहीं।'

मन में सवाल आया कि रावण ने तो एक स्त्री के साथ गलत किया था। सीताजी का हरण किया था, फिर उसका इतना मान-सम्मान क्यों? लेकिन जहां लोग बस रावण कहने से नाराज हो जाते हों, वहां ये सवाल पूछना ठीक नहीं होता। मैं चुप रह गई।

सात घंटे के सफर के बाद सुबह 11 बजे बैजनाथ धाम पहुंच गई। थोड़ा फ्रेश होने के बाद सीधे शिव मंदिर पहुंची। मंदिर में आरती हो रही थी। आरती में शिव की स्तुति गाई गई। प्रसाद बांटा गया।

मंदिर के भीतर जमीन में धंसा हुआ शिवलिंग है। थोड़ी दूर पर गणेश, कार्तिकेय, हनुमान, पार्वती और लक्ष्मी नारायण जी की मूर्तियां हैं, लेकिन राम-सीता की कोई मूर्ति नहीं। राम नाम का कहीं जिक्र नहीं।

आरती के बाद मंदिर के पंडित संजय शर्मा से बात हुई। वे कहते हैं, 'इस मंदिर में रावण जी की ना तो कोई मूर्ति है और ना ही उनकी पूजा होती है, लेकिन उनका दर्जा बहुत बड़ा है। देश के बाकी हिस्सों की तरह यहां उनकी छवि नहीं है।

हम बैजनाथवासी मानते हैं कि वे शिव के परमभक्त थे। चार वेदों के ज्ञाता, उनसे बड़ा विद्वान पूरी दुनिया में कोई दूसरा नहीं हुआ।'

यहां दशहरा क्यों नहीं मनाया जाता?

पंडित संजय शर्मा बताते हैं, 'बैजनाथ में रावण जी ने तप किया था। यहां जब भी किसी ने दशहरा मनाया, एक महीने बाद उसकी मौत हो गई। अकाल मृत्यु हो गई। भगवान शिव की धरती पर उनके भक्त का दहन कोई नहीं कर सकता। महाकाल नाराज हो जाते हैं। इसलिए यह परंपरा बंद करनी पड़ी।'

वे कहते हैं, 'भगवान शिव ने रावण जी को सोने की लंका दान में दी थी। इसलिए कोई और सोने की दुकान नहीं खोल सकता है, अपने यहां भारी मात्रा में सोना नहीं रख सकता।'

मंदिर के एक पंडित बताते हैं कि कोई कितना भी पैसा लगा ले। कहीं से भी सोना ले आए, तीसरे दिन सोने का रंग शिवलिंग जैसा काला हो ही जाता है। बड़े-बड़े लोगों ने लाखों रुपए इंवेस्ट करके यहां सोने का व्यापार करने की कोशिश की, लेकिन तीसरे दिन उन्हें दुकान बंद करनी पड़ी।'

बैजनाथ ट्रेड वेलफेयर के अध्यक्ष विनोद नंदा कहते हैं, '80 के दशक की बात है। यहां एक सोने की दुकान खुली थी। जनकराज नाम व्यापारी ने यह दुकान खोली थी। वो जो भी सोना लाता, तीन दिन बाद काला पड़ जाता। उसे लगा कि उसके सोने में ही दोष है।

उसने कई जगहों से सोने लाकर आजमा लिया, लेकिन कोई फायदा नहीं। इस दौरान उसे बहुत नुकसान उठाना पड़ा। कोई अनहोनी भी उसके घर हो गई थी। इसलिए उसे दुकान बंद करनी पड़ी। वो दुकान ही यहां की आखिरी सोने की दुकान थी। उसके बाद किसी ने सोने की दुकान खोलने की हिम्मत नहीं जुटाई।'

वे कहते हैं, 'यहां सिर्फ मंदिर के पास नहीं, बल्कि गांवों में भी लोग रावण जी ही बोलते हैं। बच्चे-बुजुर्ग सभी। हमारे यहां तो लोग अपनी दुकानों के नाम, घरों के नाम भी रावण जी के नाम पर रखते हैं। मेरे गांव में ही रावण जी के नाम से टी स्टॉल है।'

मुझे इनकी बातों पर यकीन तो नहीं होता कि सोना काला पड़ जाता है, लेकिन इनकी मान्यता इतनी मजबूत है कि मुझे यहां एक भी सोने की दुकान नहीं दिखी।

मन में सवाल उठा रावण का इतना महिमामंडन क्यों?

अश्विनी डोगरा बैजनाथ में रहते हैं। वे पूजा करने के लिए मंदिर आए हैं। कहते हैं, 'किसी धर्म ग्रंथ में तो नहीं लिखा है कि रावण जी का सम्मान करिए, लेकिन हम बचपन से ऐसा करते आ रहे हैं।

जिसने भी दशहरा मनाया है, वो जिंदा नहीं बचा। अगर कोई दूसरा भी आदर के साथ उनका नाम नहीं लेता है, तो हमें तकलीफ होती है, गुस्सा भी आता है, क्योंकि हमारे दादा-बाबा सब उनका सम्मान करते रहे हैं।'

राम से दिक्कत क्या है?

मंदिर के पुजारी संजय शर्मा कहते हैं, 'हमें राम से कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन हम पूजा शिव की करते हैं और स्तुति रावण की। अपने घरों में भी लोग शिव को ही पूजते हैं। त्योहार के नाम पर केवल सावन और शिवरात्रि मनाई जाती है। शिव के अलावा अगर हम किसी को मानते हैं तो रावण जी को, क्योंकि वे शिवजी के भक्त थे।

हम लोगों से मिलते हैं तो शिवशंकर या जय महाकाल बोलते हैं। राम-राम कहते मैंने किसी को नहीं सुना। कुछ लोग अपने घरों में रामायण रखते हैं, लेकिन कोई उनकी जय नहीं बोलता। उनका उत्सव नहीं मनाता।'

अब मन में सवाल उठता है, रावण का इस मंदिर से क्या कनेक्शन है?

मंदिर में रखी किताब के मुताबिक बैजनाथ मंदिर को लेकर एक पौराणिक कथा का जिक्र है।

''त्रेता युग की बात है। रावण शिवजी का भक्त था। उसने कैलाश पर्वत पर तप किया, लेकिन शिवजी प्रसन्न नहीं हुए। तब रावण ने एक हवन कुंड बनाया। नृत्य और तांत्रिक क्रिया के बाद उस हवन कुंड में अपना एक-एक शीश चढ़ाने लगा।

9 शीश चढ़ाने के बाद भी जब शिवजी प्रसन्न नहीं हुए तो रावण अपने 10वें शीश की आहुति देने लगा। इससे देवता घबरा गए। वे शिवजी से कहने लगे कि अब कुछ कीजिए वरना रावण अजर-अमर हो जाएगा। इसके बाद शिवजी प्रकट हुए। उन्होंने राणव को ऐसा करने से रोक लिया और उसके सभी शीश वापस जीवित कर दिए।

रावण ने कहा कि प्रभु मैं आपको लंका में स्थापित करना चाहता हूं। शिवजी ने इसे स्वीकार तो कर लिया, लेकिन एक शर्त भी रखी। उन्होंने कहा कि मुझे एक बार उठाने के बाद बीच में कहीं रख दोगे, तो मैं वहीं विराजमान हो जाऊंगा। रावण ने शिवजी की शर्त मान ली।

रास्ते में शिवलिंग ले जाते वक्त रावण को लघुशंका लगी। वो बैजू नाम के एक ग्वाला को शिवलिंग देकर लघुशंका के लिए चला गया। काफी देर तक जब रावण नहीं लौटा तो ग्वाले ने शिवलिंग जमीन पर रखा दिया। जब रावण वापस लौटा तो शिवलिंग को उठाने की पूरी कोशिश की, लेकिन वो शिवलिंग हिला भी नहीं सका। वो शिवजी की माया समझ गया। उसे काफी गुस्सा आया।

उसने शिवलिंग को अपने अंगूठे से बहुत तेज दबाया, जिस वजह से वह जमीन में धंस गया। आज भी यहां का शिवलिंग जमीन में धंसा हुआ है। शिवजी ने रावण के शीश ठीक किए थे, इसलिए इस मंदिर का नाम वैद्यनाथ या बैजनाथ बाबा पड़ा। लोग इसे रावणेश्वर भी कहते हैं।''

पंडित संजय शर्मा कहते हैं, 'भले ही इस मंदिर को 12 ज्योतिर्लिंगों में जगह नहीं मिली हो, लेकिन यहां के लोगों के लिए यह ज्योतिर्लिंग से कम नहीं है। हजारों साल से यहां लोग शिव की पूजा करते आ रहे हैं। अज्ञातवास के दौरान पांडवों ने भी यहां पूजा की थी। इसको मुगलों ने तोड़ने की कोशिश की थी, जिसे बाद में कांगड़ा के राजा ने बनवाया।''

कहीं रावण का मंदिर तो कहीं दशहरे में उतारी जाती है आरती

जोधपुर के मौदगिल में ब्राह्मण खुद को रावण का वंशज मानते हैं। वे लोग रावण दहन की बजाय उसकी आत्मा की शांति के लिए पिंडदान करते हैं।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के एक गांव में रावण को देवताओं का पुत्र माना जाता है। उसकी पूजा की जाती है।

उज्जैन के चिकली गांव में भी रावण का पुतला नहीं जलाया जाता है। मध्य प्रदेश के मंदसौर में भी रावण की पूजा होती है। मंदसौर को रावण की पत्नी मंदोदरी का मायका माना जाता है। आंध्र प्रदेश के काकिनाड में रावण का मंदिर बना है। वहां भगवान शिव के साथ रावण की पूजा होती है। उत्तर प्रदेश के जसवंतनगर में दशहरे के दिन रावण की आरती उतारी जाती है। उसकी मूर्ति के टुकड़े किए जाते हैं। इसके बाद उन टुकड़ों को लोग घर ले जाते हैं और रावण की तेरहवीं करते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष साव बोले- विकास के नाम पर नहीं

झूठे प्रचार के दम पर जीता उपचुनाव

भानुप्रतापपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भानुप्रतापपुर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी की हार पर छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव की प्रतिक्रिया आ गई है। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने कहा कि यह कांग्रेस की अनैतिक जीत है। नैतिक तौर पर कांग्रेस हार गई है। कांग्रेस ने चरित्र हत्या और सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर उपचुनाव तो जीत लिया। लेकिन स्पष्ट हो गया कि आदिवासी समाज अब कांग्रेस का साथ छोड़ता जा रहा है। आदिवासी समाज ने कांग्रेस का दावा खोखला साबित कर दिया है। चुनाव में भाजपा और निर्दलीय आदिवासी प्रत्याशी को जितने वोट

मिले उतने वोट कांग्रेस प्राप्त नहीं कर पाई। यह स्पष्ट करता है कि कांग्रेस के विकास के दावों में सच्चाई नहीं है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस आदिवासी आरक्षण के नाम पर भ्रमित करने के बाद भी आदिवासी समाज का भरोसा नहीं जीत पाई। कांग्रेस की चारित्रिक हार तो प्रचार के दौरान ही हो गई थी।

यह कांग्रेस की नहीं विशुद्ध सहानुभूति और कांग्रेस के अलोकतांत्रिक हथकंडों की जीत है। कांग्रेस ने प्रशासनिक अनैतिकता से आदिवासियों का हक छीना है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने मतदाताओं और भाजपा कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि कांग्रेस के दुष्प्रचार और सत्ता के दुरुपयोग के बावजूद भाजपा प्रत्याशी को जो जन आशीर्वाद प्राप्त हुआ, वह कांग्रेस की निम्न मानसिकता पर करारा प्रहार है। पिछला चुनाव मनोज मंडावी जितने वोट से जीते थे, 4 साल में कांग्रेस की तथाकथित विकास गाथा के बावजूद अंतर बढ़ने के बजाय घट गया है, जो इसका प्रमाण है कि कांग्रेस ने षड्यंत्र करके जनादेश का हरण किया है।

रायपुर एयरपोर्ट में ड्रग्स वाले बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड

युवक-युवती को एनसीबी ने पकड़ा, टीशर्ट में अफगानी ड्रग रखकर गोवा किया था कूरियर

रायपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर पुलिस की गिरफ्त में एक ऐसी गर्लफ्रेंड आई है जो ड्रग्स की शौकीन है। बॉयफ्रेंड और अपने दोस्तों के साथ ड्रग्स लिया करती थी। इसे स्मगल करने की कोशिश में थी मगर पकड़ी गई। इस लड़की को एनसीबी(नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) की टीम ने रायपुर के एयरपोर्ट से पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया है। अब रायपुर पुलिस इनसे ड्रग्स स्मगलिंग से जुड़ी पूछताछ कर रही है। इनके पास से तीन ग्राम मैथाफेटामाईन नाम ड्रग्स मिला है। अब तक सामने आई जानकारी के मुताबिक जिस लड़की को पुलिस ने पकड़ा उसका नाम दीप्ति रानी भारद्वाज है। 29 साल की दीप्ति कोरबा के पाली की रहने वाली है। इसका आना जाना रायपुर में हुआ करता था। यहां इसका बॉयफ्रैंड संदीप चंद्राकर रहा करता था। ये युवक मूलतः महासमुंद का रहने वाला है। इन दोनों के बारे में एनसीबी का टिप मिली थी कि ये ड्रग्स गोवा ले जा रहे हैं। शुक्रवार को एयरपोर्ट से इन्हें गोवा जाते वक्त पकड़ लिया गया। बड़ी ही चालाकी से इन लवर्स ने ड्रग्स को कूरियर के जरिए गोवा के एक पते पर भेजने का प्लान बनाया। इन्हें डर था कि ये एयरपोर्ट पर पकड़े जा सकते हैं। इसलिए प्लान ये था कि टी शर्ट में ड्रग्स रखकर किसी कूरियर कंपनी से गोवा भेजेंगे। फिर अपने बताए पते पर गोवा जाकर पार्सल रिसीव कर लेंगे। दोनों ने ऐसा ही किया।

पकड़ा गया पल्लवी का हत्यारा खुलेंगे कई राज

मां ने पुलिस को बताया हत्या से कुछ देर पहले ही किया था कॉल कहा, झगड़ा हो गया

रायपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बीआईटी मेसरा की छात्रा पल्लवी का हत्यारा बिहार के आरा से पकड़ा गया है। पल्लवी की हत्या करने के बाद ही आरोपी बनारस फरार हो गया था। पुलिस बनारस पहुंचती इससे पहले आरा भाग गया। यहां से भी वह किसी तीसरी जगह फरार होने के चक्कर में था तभी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पांच दिसंबर को रांची के टाटीसिलवे स्थित आरागेट रेल पटरी पर लहूलुहान हालत में पल्लवी की लाश मिली थी। इस घटना को आत्महत्या साबित करने की कोशिश की गयी थी लेकिन रेलवे ट्रेक से दूर पड़े होने और आसपास के लोगों के बयान से यह साबित हो गया कि यह हत्या है। स्थानीय लोगों ने बताया था कि दोनों में किसी बात को लेकर जोरदार बहस हो रही थी। अपनी मां से फोन पर पल्लवी ने कहा था कि उसका किसी लड़के से

झगड़ा हो गया है। इसके बाद फोन डिसकनेक्ट हो गया फिर फोन स्वीच ऑफ हो गया। पल्लवी की सहेलियों ने पूछताछ में बताया था कि उसका किसी पीयूष नाम के लड़के से झगड़ा हुआ था।पुलिस इस पूरे मामले की तह तक पहुंच गयी है। आरोपी ने भी पूछताछ में यह बताया है कि झगड़ा किस बात को लेकर हुआ, दोनों के बीच क्या रिश्ते थे। पुलिस इस मामले में अभी आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कह रही। पल्लवी की मां ने बताया कि फोन पर बातचीत अधूरी हुई लेकिन वह घर से यह कहकर निकली थी कि हॉस्टल जा रही है।

घर से एक हजार रुपये लेकर निकली थी पल्लवी

दिन को 11 बजे के करीब घर से निकली पल्लवी के बारे में दोपहर 3 बजे के आसपास सूचना मिली कि वो लहूलुहान हालत में रेलवे पटरी के पास पड़ी है। पल्लवी की मां ने बताया कि पल्लवी पूजा में शामिल होने घर आई थी। उसे कुछ और दिन घर में रूकना था क्योंकि हॉस्टल में रंग-रोगन का काम हो रहा था।

उसने इतना ही कहा कि हॉस्टल से कुछ कपड़े और फॉर्म लाने के लिए जाना है। घर से 1 हजार रुपये भी लिए और निकल गयी।

ऑनलाइन गेम्स को लेकर कड़े कानून की तैयारी

एक्सक्लूसिव डेस्क, 9 दिसंबर। भारत में इंटरनेट के बढ़ रहे इस्तेमाल के साथ ही पैसे से जुड़े ऑनलाइन गेमिंग में भी लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है। बड़ी संख्या में ग्रामीण युवा और बच्चें भी इस वर्चुअल खेलों के शिकार हो रहे हैं।

ग्रामीण युवाओं में बढ़ रहा है ऑनलाइन गेमिंग का क्रेज

2022 के सितंबर महीने में गुजरात में रहने वाले एक 21 वर्षीय छात्र ने ऑनलाइन गेम खेलने के दौरान कर्ज में आने की वजह से परेशान होकर अपने हॉस्टल के कमरे में आत्महत्या कर ली। उसने अपने कमरे में एक सुसाइड नोट भी छोड़ा था, जहां मृतक ने स्पष्ट रूप से कर्ज को इस तरह के कदम उठाने का कारण बताया था।

इसके अलावा पिछले साल 2 अगस्त को मध्य प्रदेश के छतरपुर में रहने वाले राहुल पाण्डेय के बेटे ने भी खुदकुशी कर ली थी। उसके परिवार वालों ने बताया कि वह 'फ्री फायर' नाम का एक ऑनलाइन शूटिंग गेम खेला करता था। इस खेल में पैसों की जरूरत पड़ती है। मृतक ने ऑनलाइन सट्टेबाजी के लेनदेन के लिए मां के अकाउंट से 40,000 रुपये खर्च कर दिए थे।

वहीं इसी परेशानी से जूझ रहे दिल्ली के करोल बाग के अमन भाटिया ने एबीपी से बातचीत करते हुए कहा, 'मेरा बेटा 16 साल का है और उसे ऑनलाइन गेम खेलने की ऐसी लत लग गई थी कि वह दिनभर गेम खेलता रहता था। हालांकि अब हम इस बात का ख्याल रखते हैं कि उसे दिन भर में 2 घंटे ही फोन दें।'

उन्होंने कहा कि इन सभी ऑनलाइन गेम्स को डाउनलोड करने में कुछ नियम होने चाहिए। अभी इसे डाउनलोड करना बहुत आसान। जिसे बच्चे आसानी से डाउनलोड कर पाते हैं और फिर इसमें आकर्षित हो जाते हैं।

भारत में इंटरनेट के बढ़ रहे इस्तेमाल के साथ ही पैसे से जुड़े ऑनलाइन गेमिंग में भी लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है। बड़ी संख्या में ग्रामीण युवा और बच्चें भी इस वर्चुअल खेलों के शिकार हो रहे हैं। लेकिन हमारे देश में इन गेम्स को खेलने से रोकने के नियम कायदे लगभग जीरो है।

कुछ राज्यों में जुए के समान माना जाने वाला गेम ऑफ चांस जैसे ऑनलाइन खेल प्रतिबंधित है। लेकिन यह राज्य सरकारों के दायरे में आता है कि उसे प्रतिबंधित माना जाए या नहीं। ऑनलाइन रियल मनी गेम यानी पैसे लगाकर खेले जाने वाले ऑनलाइन गेम्स को लेकर हमारे देश में आज भी कोई स्पष्ट

कानून नहीं है।

इस साल एक अप्रैल को कांग्रेस सांसद डीन कुरियाकोस ने ऑनलाइन गेमिंग (रेगुलेशन) बिल, 2022 पेश किया। बिल में बताया गया कि भारत में साल 2022 में लगभग 42 करोड़ सक्रिय ऑनलाइन गेमर्स हैं। साल 2021 में लगभग 390 मिलियन सक्रिय ऑनलाइन गेमर्स दर्ज किए गए थे। वहीं 2020 में 360 और 2019 में 300 मिलियन गेमर्स दर्ज किए गए। भारतीय ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र हर साल करीब 30 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। इसी बिल में बताया गया कि यह इंडस्ट्री साल 2025 तक पांच बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी।

जुए की लत और देश में लगातार जुए से संबंधित आत्महत्याओं को देखते हुए भारत सरकार ने एक टास्क फोर्स का गठन किया है जो देश के औपनिवेशिक युग के सार्वजनिक जुआ अधिनियम को बदलने और ऑनलाइन गेम को सुरक्षित सुनिश्चित करने के लिए एक नए कानून का मसौदा तैयार करने में मदद करेगा।

दरअसल हमारे देश में जुआ खेलने पर रोक लगाने के लिए साल 1867 से ही कानून है लेकिन यह कानून सिर्फ गेम ऑफ चांस के खेलने पर ही प्रतिबंध लगाता है। इस कानून के अंदर ऑनलाइन गेम में हो रहे सट्टेबाजी के प्रतिबंध को लेकर कोई नियम नहीं बताए गए हैं।

क्या है देश का जुआ कानून

हमारे देश में पब्लिक गैंबलिंग पर रोक लगाने के लिए जुआ पर प्रतिबंध लगाने के लिए सौ साल से भी पहले 'सार्वजनिक जुआ अधिनियम,1867' लागू किया गया था। यह कानून अंग्रेजों के समय बनाया गया था। इस कानून के तहत जुआघर चलाना, इसे चलाने में किसी का सहयोग करना, जुए में पैसा लगाना और जुआ उपकरण रखना को अपराध के दायरे में रखा गया है। हालांकि ज्यादातर ऑनलाइन गेमिंग पोर्टल अपने 'गेम को चांस' की बजाय 'गेम ऑफ स्किल' के तौर पर प्रमोट करते हैं।

कैसा है भारत का गेमिंग उद्योग

3 दिसंबर, 2021 को राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी के सांसद सुशील कुमार मोदी ने भी भारत में ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर हो रहे गैंबलिंग को रोकने के लिए कानून बनाने की बात कही थी। उन्होंने इसे एक बड़ी लत बताते हुए कहा था, मैं इस बात को रेखांकित करना चाहूंगा कि क्रिप्टो इंडस्ट्री की तरह इस क्षेत्र में भी नियामक खामियां हैं। मैं सरकार से ऑनलाइन गेमिंग पर एक समान टैक्स लाने का आग्रह करूंगा। साथ ही मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि ऑनलाइन गेमिंग के लिए नियम का एक व्यापक ढांचा बनाया जाए।

क्या होता है ऑनलाइन गैंबलिंग

ऑनलाइन जुए या गैंबलिंग का मतलब आम तौर पर दांव लगाने और पैसे कमाने के लिए इंटरनेट का उपयोग होता है। यह एक कैसीनो की तरह ही है, लेकिन फर्क बस इतना है कि ये वर्चुअल तरीके से खेला जाता है। इसमें पोकर, स्पोर्ट गेम, कैसिनो गेम आदि शामिल हैं। भारत में 'तीन' और 'रमी' सबसे पॉपुलर ऑनलाइन गैंबलिंग गेम हैं। यूजर्स ऑनलाइन पेमेंट मोड जैसे क्रेडिट, डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग या यूपीआई के जरिए दांव लगाते हैं। एक शर्त रखने के बाद जीतने या हारने वाला अपने हिसाब से पेमेंट करता है।

ऑनलाइन गेमिंग और ऑनलाइन गैंबलिंग में फर्क

ऑनलाइन गेमिंग और ऑनलाइन गैंबलिंग के बीच एक बहुत बारीक सी लकीर है। मल्टीप्लेयर गेमिंग मजेदार है जिसके जरिए आप अपने दोस्तों के साथ अच्छा टाइम पास कर सकते हैं।

हालांकि जुए में एक-दूसरे के खिलाफ पैसे का दांव लगाया जाता है और खिलाड़ियों के बीच पैसों का लेन देन होता है। ज्यादातर ऑनलाइन गेम फ्री हैं और खेलने के लिए किसी भी पैसे की आवश्यकता नहीं है जबकि ऑनलाइन गैंबलिंग के लिए यूजर्स को पहले पैसों की शर्त लगाने और फिर खेल खेलने की आवश्यकता होती है।

आत्महत्या का कारण बन रहा है ऑनलाइन गेमिंग

ऑनलाइन गेमिंग में पैसे गंवाने के बाद आत्महत्या करने वालों में सिर्फ बच्चे ही नहीं बल्कि युवा वर्ग भी शामिल है। साल 2022 के अक्टूबर महीने में तेलंगाना के हनमकोंडा जिले के मलकपल्ली गाँव में एक 26 साल के युवक ने आत्महत्या कर ली। कारण था ऑनलाइन गेम के कारण कर्ज का शिकार होना।

इसी महीने में आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में एक 21 साल के छात्र ने 80,000 रुपये गंवाने के बाद आत्महत्या कर ली। चेन्नई में इसी साल जून के समय 29 साल की एक मां ने खुदकुशी की थी। उनके दो बच्चों ने ऑनलाइन रमी में 10 लाख रुपये गंवा दिए थे, जिसका कर्ज वह नहीं चुका पा रही थी। इसके अलावा मई महीने में 20 साल के नीट उम्मीदवार ने ऑनलाइन जुए में पैसे गंवाने के बाद अपनी जान दे दी थी। फरवरी में एक 25 साल के छात्र ने इंदौर में खुद को मार डाला।

मनी लॉन्ड्रिंग में ईडी की कोर्ट में चार्जशीट

रायपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। ईडी ने शुक्रवार को रायपुर की अदालत में चालान पेश कर दिया। ये चालान आईएएस समीर विश्नोई, कारोबारी सूर्यकांत तिवारी, लक्ष्मीकांत तिवारी और सुनील अग्रवाल से जुड़ा है। इन चारों ही आरोपियों ने कैसे करोड़ों रुपयों की हेर-फेर की। कैसे पद पर रहकर आईएएस ने अपनी ताकतों का इस्तेमाल किया, ये पूरी जानकारी अदालत को दी गइ है।

प्रवर्तन निदेशालय के अफसर गाड़ियों में चार्जशीट लेकर चुपचाप रायपुर की अदालत पहुंचे। जज अजय सिंह की कोर्ट में अफसर पहुंच गए और जानकारी दी। हालांकि चर्चा शनिवार को चार्जशीट पेश करने की थी, मगर एक दिन पहले ही इसे पेश किया गया। अदालत में एक आवेदन की चर्चा है। शुक्रवार को ईडी के अफसरों के खिलाफ एक कारोबारी ने ये शिकायत का आवेदन दिया है। चर्चा है कि ईडी जांच में फंसे आरोपियों से इस आवेदक का संबंध रहा है।

आवेदक ने कोर्ट में दिए आवेदन में कहा है कि बेवजह मुझे ईडी के अफसर परेशान कर रहे हैं, पूछताछ के नाम पर मुझे मुर्गा बनाया जाता है, धमकाया जाता है।

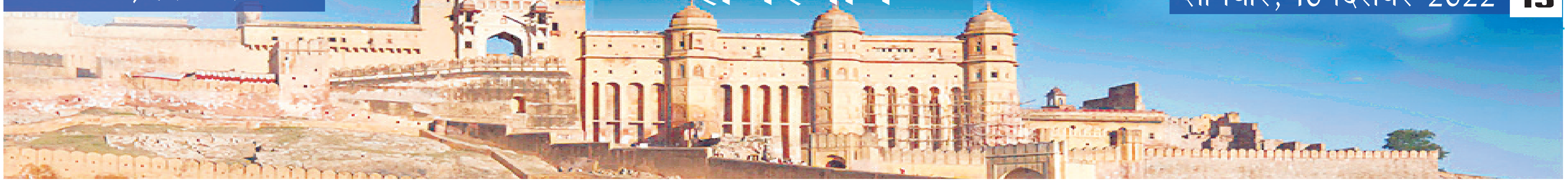

आचार्य प्रमोद ने गहलोत को दिखाया आईना

कहा-पायलट हिमाचल के ऑब्जर्वर थे, राजस्थान सीएम गुजरात के

जयपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की जीत के बाद एक बार फिर राजस्थान में सियासत गरमा गई है। पायलट समर्थक आचार्य प्रमोद कृष्णम ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को निशाने पर लिया है। आचार्य प्रमोद कृष्णम की एक ट्वीट से सियासी गलियारों में हलचल मच गई है।

प्रमोद कृष्णम ने ट्वीट किया कि 'युवा नेता सचिन पायलट हिमाचल के ऑब्जर्बर थे और हमारे अनुभवी नेता अशोक गहलोत गुजरात के, आगे मुझे कुछ नहीं कहना।' बता दें कि सचिन पायलट को हिमाचल का स्टार प्रचारक बनाया गया था। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस जीत गई है।

गहलोत को गुजरात की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। गुजरात में कांग्रेस हार गई। ऐसे में आचार्य प्रमोद ने इशारों-इशारों में सीएम गहलोत के फेल्योर को सामने रखा है और सचिन पायलट को हिमाचल की जीत का श्रेय दिया है। इससे पहले भी प्रमोद कृष्णम कई बार सचिन पायलट को राजस्थान का सीएम बनाने की मांग कर चुके हैं।

समीक्षा बैठक में बोले गहलोत

राजू ठेहट हत्याकांड के आरोपियों का पकड़ा जाना पुलिस की बड़ी उपलब्धि

जयपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार शाम को पुलिस मुख्यालय में क्राइम को लेकर समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने सीकर में राजू ठेहट की हत्या की आरोपियों का पकड़ा जाना पुलिस की बड़ी उपलब्धि बताया। इसके अलावा मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि अगर किसी पुलिसकर्मी और अपराधी में गठजोड़ की बात सामने आई तो उसके खिलाफ भी सख्त एक्शन लिया जाएगा।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार समीक्षा बैठक में अशोक गहलोत ने कहा कि प्रदेश अपराध मुक्त होना चाहिए। इसके लिए पुलिस को जो करना है, वो करे। राजस्थान के अंदर बाहरी राज्यों के बदमाश शरण लेते हैं और धीरे-धीरे यही बदमाश राजस्थान में अपराध करने लगते हैं। ऐसे बदमाशों को चिन्हित कर उन्हें गिरफ्तार करें और उनके राज्यों की पुलिस को इस संबंध में अवगत कराएं।

राजस्थान में बढ़ा-चढाकर आते हैं एनसीआरबी के आंकड़े

मुख्यमंत्री गहलोत ने दावा किया कि राजस्थान में क्राइम को कंट्रोल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एससीएसटी और महिला अत्याचार के मामलों में इन्वेस्टिगेशन का

टाइम कम हुआ है। साल 2018 के बाद महिला अत्याचार भी कम हुए हैं। एनसीआरबी आकड़ों पर सीएम गहलोत ने कहा कि राजस्थान में आंकड़े हमेशा बढ़ा-चढ़ाकर आते हैं। हम नेशनल क्राइम से बेहतर हैं।

अपराधियों से लिंक पर पुलिस पर होगी सख्त कार्रवाई

वहीं सीएम गहलोत ने पुलिस जवानों का अपराधियों से गठजोड़ पर सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि कोई भी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी, क्रिमिनल से नेक्सस रखेगा तो उसे गिरफ्तार करेंगे। इसके साथ ही सख्त एक्शन लेकर सस्पेंड करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ड्रग का नेटवर्क चिंता का विषय बना हुआ है। इसके लिए अभियान चलाएंगे। इस अभियान में पैरेंट्स और शिक्षक वर्ग को भी शामिल करेंगे। मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। शिक्षा विभाग को भी इसमें जोड़ा जाएगा। शिक्षकों को भी निगरानी रखनी होगी। कोई बच्चा मादक पदार्थ का सेवन करता है तो शिक्षक इसकी जानकारी पुलिस और बच्चे के परिजन को दें। जिससे तस्करों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जा सके और परिजन बच्चे पर निगरानी रख सकें।

राजस्थान सरकार ने रात 8 बजे बाद शराबबंदी के आदेश जारी किए थे लेकिन रात आठ बजे बाद भी शराब की दुकानें खुली मिलने की शिकायत मिलती है। सीएम गहलोत के निर्देश पर आबकारी और पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। अगर रात आठ बजे बाद शराब की दुकान खुली हुई मिलेगी तो संबंधित थाने के एसएचओ और सीओ पर कार्रवाई होगी। आठ बजे बाद शराब नहीं बिके, यह सुनिश्चित करेंगे।

प्रदेश में रात 8 बजे बाद के शराब बिकी तो अधिकारी होंगे सस्पेंड

जयपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां) मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार शाम को पुलिस मुख्यालय में क्राइम को लेकर समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने सीकर में राजू ठेहट की हत्या की आरोपियों का पकड़ा जाना पुलिस की बड़ी उपलब्धि बताया। इसके अलावा मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि अगर किसी पुलिसकर्मी और अपराधी में गठजोड़ की बात सामने आई तो उसके खिलाफ भी सख्त एक्शन लिया जाएगा।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार समीक्षा बैठक में अशोक गहलोत ने कहा कि प्रदेश अपराध मुक्त होना चाहिए। इसके लिए पुलिस को जो करना है, वो करे। राजस्थान के अंदर बाहरी राज्यों के बदमाश शरण लेते हैं और धीरे-धीरे यही बदमाश राजस्थान में अपराध करने लगते हैं। ऐसे बदमाशों को चिन्हित कर उन्हें गिरफ्तार करें और उनके राज्यों की पुलिस को इस संबंध में अवगत कराएं। मुख्यमंत्री गहलोत ने दावा किया कि राजस्थान में क्राइम को कंट्रोल किया जा रहा है।

गैंगस्टर ठेहट के मर्डर पर बोली लेडी डॉन

कहा-मुझे भी जान का खतरा, आनंदपाल के नाम का नेताओं ने यूज किया

झुंझुनूं, 9 दिसंबर (एजेंसियां) सीकर में गैंगस्टर राजू ठेहट की हत्या के बाद कई बदमाशों में गैंगवार का डर पैदा हो गया। डर के मारे बदमाश अपनी सुरक्षा को लेकर पुलिस से मदद मांग रहे हैं। इसमें राजस्थान की लेडी डॉन अनुराधा का नाम भी सामने आ रहा है। लेडी डॉन अनुराधा चौधरी उर्फ अनुराग ने कहा- उसे जान का खतरा है। अनुराधा ने कहा पुलिस से उसे कोई खतरा नहीं है, लेकिन आनंदपाल गैंग से नाम जुड़ा होने और कोई भी फेमस होने के लिए उसकी हत्या कर सकता है। बोली- प्रदेश के कई नेताओं ने कुख्यात गैंगस्टर आनंदपाल के नाम का फायदा उठाया था।

कभी आनंदपाल की करीब रहीं और अब गैंगस्टर काला जठेड़ी उर्फ संदीप की पत्नी अनुराधा भी अपनी सुरक्षा के लिए कानून मदद मांगने की तैयारी कर रही है। सोशल मीडिया पर राजू ठेहट मर्डर में नाम आने के बाद भास्कर ने अनुराधा से बातचीत की। बातचीत में अनुराधा ने कई खुलासे किए हैं। राजू ठेहट की हत्या में मेरा कोई इंवॉलमेंट नहीं है। सोशल मीडिया पर जिस तरह से मेरा नाम इस मामले में घसीटा गया है, मैंने आगे आकर लोकल थाने में संपर्क किया है।

मैं सभी जांच एजेंसियों के संपर्क में हूं। किसी अधिकारी ने पूछताछ के लिए नहीं बुलाया है। हो सकता है कि कोई और उनके नाम से यह जिम्मेदारी ले रहा हो। किसी के नाम से कोई भी आईडी बना सकता है। कल को कोई मेरे नाम से ही फेक आईडी बना ले। इसकी जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है, जहां तक मेरे जुड़ाव की बात है इस हत्या से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।

राहुल ने एमपी की 3 बेटियों को हेलिकॉप्टर में घुमाया

उज्जैन में किया था वादा...राजस्थान में पूरा किया; स्टूडेंट बोलीं- हमेशा रहेगा याद

बूंदी, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान एमपी की तीन स्टूडेंट्स से किया वादा 10 दिन में ही पूरा कर दिया। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो यात्रा में इन दिनों राजस्थान में हैं। गुरुवार को यात्रा की बूंदी जिले में एंट्री हुई। कोटा में यात्रा कंप्लीट होने के बाद राहुल सीधे बूंदी के गुडली में बनाए गए हेलिपैड पहुंचे। वहां एमपी के उज्जैन की तीन स्टूडेंट राहुल के इंतजार में बैठी थीं। वे राहुल के साथ हेलिकॉप्टर की राइड करने आईं थीं।

दरअसल, 29 नवंबर को उज्जैन में यात्रा के दौरान राहुल 11वीं की स्टूडेंट्स शीतल, अंतिमा और 10वीं में पढ़ने वाली गिरिजा से मिले थे। इनसे राहुल ने उनके ड्रीम करियर को लेकर बात की। उनसे पूछा कि स्कूल के बाद पढ़ाई के अलावा उनके और क्या-क्या ड्रीम हैं। बातों ही बातों में इन छात्राओं ने राहुल से उनके साथ हवाई यात्रा करने की भी इच्छा

जताई थी। उस समय राहुल ने तीनों से वादा किया था कि आपको जल्द हवाई यात्रा कराऊंगा।

राहुल ने 10 दिन में ही अपना वादा निभाते हुए तीनों छात्राओं के साथ 20 मिनट की हेलिकॉप्टर राइड की। तीनों छात्राएं हेलिकाप्टर से उतरीं तो राहुल ने उनको चॉकलेट भी दी। साथ ही राहुल और हेलिकॉप्टर के पायलट ने 10 मिनट तक छात्राओं को हेलिकॉप्टर की तकनीकी जानकारियां भी दीं। तीनों बेटियों के साथ राहुल ने फोटो खिंचवाए। इसके बाद राहुल गांधी सीधे सोनिया गांधी से मिलने के लिए सवाईमाधोपुर रवाना हो गए। राहुल के साथ हवाई यात्रा करने वाली तीनों छात्राओं ने बातचीत की। उज्जैन निवासी 11वीं क्लास की शीतल पाटीदार, अंतिमा पंवार और 10वीं की स्टूडेंट गिरजा पंवार ने बताया कि यह हमारे लिए सपना पूरा होने जैसा है। उनका कहना था कि पहली बार हेलिकॉप्टर में बैठे और वह भी राहुल गांधी के साथ, यह क्षण हमारे लिए अकल्पनीय था और अविस्मरणीय रहेगा।

यात्रा के दौरान हम सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से राहुल गांधी से जुड़े थे। तब उन्होंने भरोसा दिलाया था कि लगन और मेहनत से लक्ष्य की ओर बढ़ो तो हवाई यात्रा करने का सपना जरूर पूरा होगा। हवाई यात्रा के दौरान राहुल ने हमसे कहा कि देश भर की यात्रा के दौरान वे बच्चों से मिले हैं। सभी बच्चों ने बड़े पदों पर जाने की इच्छा जताई है।

उन्होंने कहा कि बच्चे जो भी करें, वह मन से करें, जो ज्यादा पसंद हो, उसको दिल से करते हुए अपना करियर बनाएं। छात्राओं ने बताया कि राहुल ने हमसे कहा कि परिवार या समाज के दबाव में आकर करियर नहीं चुनें, अपनी पसंद का करियर ही चुनें। हवाई यात्रा के बाद राहुल ने छात्राओं को हेलिकॉप्टर की स्पीड, कितने देर में कितनी दूरी तय करता है... जैसी अहम जानकारियां दीं।

'तुझे किसी और के साथ नहीं देख सकता', गर्लफ्रेंड की शादी होने पर किशोर ने खुद को मारी गोली

भीलवाड़ा, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में गर्लफ्रेंड की शादी हो जाने के सदमे में एक प्रेमी ने खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे तो किशोर लहूलुहान जमीन पर पड़ा हुआ था, उसके सिर में गोली लगी हुई थी। आननफानन में उसे अस्पताल ले जाया गया लेकिन उसकी मौत हो गई।

युवक ने जिला अस्पताल परिसर में खुद को गोली मार ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। एसपी आदर्श सिद्धू, पुलिस उप अधीक्षक शहर नरेंद्र दायमा भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि अस्पताल परिसर में एक युवक हाथ में पिस्टल लेकर खड़ा है। फिर उसने कुछ देर बाद खुद को गोली मार ली। मृतक किशोर की पहचान कारोईं थाना क्षेत्र के यश व्यास के रूप में हुई, युवक 11वीं कक्षा में पढ़ता है। उसने मरने से पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट डाले और स्टेटस भी लगाया। उसने लिखा कि 'मां अगले जन्म तेरा ही बेटा बनूंगा लेकिन किसी से प्यार नहीं करूंगा'। इसके साथ ही एक और स्टेटस में युवक ने लिखा कि 'नहीं रह सकता तेरे बिना किसी को साथ नहीं देख सकता'।

इमोशनल होकर बोली थीं-अब टाइगर का शिकार देश में नहीं होगा

इंदिरा गांधी की गोद में थे बिन मां के बच्चे

जयपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। आज सोनिया गांधी रणथंभौर में अपना जन्मदिन मना रही हैं। राहुल और प्रियंका भी उनके साथ हैं। दरअसल रणथंभौर, टाइगर और गांधी परिवार का बहुत पुराना रिश्ता है। 50 साल पहले देश में टाइगर के शिकार पर कोई रोक नहीं थी। साल 1972 में इंदिरा गांधी ने टाइगर के शिकार पर रोक लगाई। इसके बाद वन्यजीव संरक्षण अधिनियम-1972 बनाया गया और इसी के साथ रणथंभौर के जंगलों को नेशनल पार्क घोषित किया गया। इसके बाद देश के कई जंगलों को नेशनल पार्क घोषित किया गया, जहां बाघ थे।

साल 1970-72 में भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के तहत राजस्थान कैडर में एक ऑफिसर थे कैलाश सांखला। वे देश में बाघों की घटती संख्या से बेहद चिंतित थे। उसी वक्त रणथंभौर में एक बाघिन ने दो बच्चों को जन्म दिया। थोड़े दिनों बाद बाघिन की मौत हो गई। ऐसे में सांखला ने उन दोनों बच्चों को एक टोकरी में रखा और दिल्ली रवाना हो गए। सांखला ने वो दोनों शावक तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भेंट किए। इंदिरा गांधी ने दोनों शावकों को अपनी गोद में उठा लिया। उन शावकों की मां बाघिन के बारे में सुनकर इंदिरा गांधी भावुक हो गईं।

सांखला ने उन्हें बताया कि देश के जंगलों और पर्यावरण की रक्षा के लिए बाघों को बचाया जाना बहुत जरूरी है। इसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पूरे देश में टाइगर प्रोजेक्ट की घोषणा की और इसकी शुरुआत रणथंभौर से की। कानून बनाकर बाघ के शिकार पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई। रणथंभौर तब से बाघों का घर बन गया। बाद में सांखला को देश भर के टाइगर प्रोजेक्ट का प्रमुख भी बनाया गया और उन्हें साल 1992 में केन्द्र सरकार ने पद्मश्री से भी सम्मानित किया। उस वक्त राजस्थान के मौजूदा सीएम अशोक गहलोत केंद्र सरकार में मंत्री थे। अब राजस्थान में 100 से ज्यादा बाघ हैं।

पीएम मोदी ने सोनिया गांधी को दी जन्मदिन की बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोनिया गांधी को जन्मदिन पर बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि 'श्रीमति सोनिया गांधी को जन्मदिन की बधाई। उनके जन्मदिन पर लंबी और स्वस्थ जिंदगी की कामना करता हूं।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष पूनिया का राहुल गांधी से सवाल

पूछा-क्या मंदिरों में जाना सियासी पाखंड है, रामनवमी-हिंदू नववर्ष पर पाबंदी क्यों?

जयपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजेपी राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पांचवा सवाल पूछा है। पूनिया ने कहा- क्या आपका मंदिरों में जाना सियासी पाखंड भर है या जरा भी कोई आस्था आपके मन में है? क्या आपके पास जवाब है कि रामनवमी और हिंदू नववर्ष पर आपकी कांग्रेस पार्टी की सरकार ने प्रतिबंध क्यों लगाया?

पूनिया ने कहा-राहुल गांधी की मंदिरों में आस्था होती, तो अलवर के राजगढ़ में तोड़े गए 300 साल पुराने भगवान शिव जी के मंदिर का संज्ञान जरूर लेते। उदयपुर के कन्हैयालाल दर्जी की हत्या और उसके बाद लगातार बहुसंख्यक लोगों पर अत्याचार हुए, वह राजस्थान में किसी से छुपा नहीं है। हिजाब के मसले में कोटा में पीएफआई को परमिशन दी जाती है, दूसरी तरफ करौली, जोधपुर, भीलवाड़ा को दंगे की आग से झुलसा दिया जाता है। पूनिया बोले-मैं देखता हूं कि राहुल गांधी अपनी यात्रा में अक्सर मंदिरों में जाते हैं, क्या आपका मंदिरों में जाना सियासी पाखंड भर है या जरा भी कोई आस्था आपके मन में है ? अगर ऐसा होता तो आप अलवर के राजगढ़ में तोड़े गए मंदिर मामले में जरूर कुछ कदम उठाते। मुझे लगता है कि अगर आपकी आस्था होती तो राजस्थान की सरकार ने जो तुष्टीकरण की पराकाष्ठा की, उस पर सवाल जरूर करते।

सचिन पायलट के होर्डिंग-पोस्टर फाड़े

अलवर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। अलवर ग्रामीणा विधानसभा क्षेत्र में मालाखेड़ा के आसपास कांग्रेस नेता राहुल गांधी व पूर्व मंत्री सचिन पायलट के लगे पोस्टर फाड़ने का मामला सामने आया है। यहां के कांग्रेस कार्यकर्ता संतराम पटेल ने आलाकमान को शिकायत भेजी है। संतराम का कहना है कि मालाखेड़ा के आसपास राहुल गांधी व सचिन पायलट के पोस्टर व कुछ होर्डिंग लगवाए थे। जिनको रात को फाड़ दिया गया। कुछ जला दिए गए। यह ओछी हरकत करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

भारत यात्री सहवाग ने यात्रा में 18 किलो वजन घटाया

राहुल रोज पूछते हैं कितना घटा, केरल के पूर्व सीएम का बेटा 2500 किमी नंगे पांव चल रहा

जयपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ चल रहे कई यात्रियों ने अपना वजन घटाकर चौंकाया है। भारत यात्री प्रमोद सहवाग ने यात्रा के दौरान ही 18 किलो वजन घटा लिया है। सहवाग जब यात्रा में चले थे तब उनका वजन 130 किलो के आस-पास था। मगर अबतक उनका वजन घटकर 112 किलो रह गया है। यात्रा पूरे होने तक उनका लक्ष्य लगभग 30 किलो वजन घटाने का है। इसी तरह दो बार के मुख्यमंत्री रहे ओमान चांडी के बेटे चांडी ओमन भी नंगे पांव चलकर अपना फिटनेस बढ़ा रहे हैं।

'मिस्टर फिट' बने भारत यात्री

राहुल गांधी और उनके साथ चल रहे भारत यात्रियों का मकसद भले ही कुछ भी हो मगर भारत जोड़ो यात्रा ने राजनीति से हटकर कई फायदे पहुंचाए हैं। इनमें फिजिकल और मैंटल हैल्थ बेहद महत्वपूर्ण है। यात्रा से जहां कई यात्री अब फिटनेस को लेकर ज्यादा सजग हो गए। वहीं कई ऐसे भी हैं जिन्होंने अपनी हैल्थ में काफी सुधार किया है। ऐसे ही कई भारत यात्रियों से हमने बातचीत की।

वजन कम होने से अब कॉन्फिडेंस बढ़ा है

हरियाणा के रहने वाले प्रमोद सहवाग 18 किलो से ज्यादा वजन कम होने के चलते पूरी यात्रा में भारत यात्रियों और अन्य लोगों के बीच काफी चर्चित हो गए हैं। राहुल गांधी जब भी सहवाग से मिलते हैं तो उनसे वजन के बारे में पूछते हैं। सहवाग से प्रेरित होकर अब कई लोग यात्रा में वजन और फिटनेस को लेकर फोकस्ड हो गए हैं। वहीं सहवाग भी अब वजन कम होने के बाद यात्रा को लेकर और ज्यादा बेहतर महसूस करने लगे हैं।

प्रमोद सहवाग बताते हैं कि उनका वजन 130 किलो के आसपास था। जब शुरू में आए थे तो कोई कल्पना नहीं थी कि कैसी यात्रा होगी। लेकिन हम यात्रा में शामिल हुए तो यह तय हो गया कि हमारा निर्णय सही था। पर्सनल लेवल पर मुझे हेल्थ का फायदा हुआ। मेरा 18 किमी वजन कम हुआ। पहले चलने में जो सांस फूल जाती थी। अब मुझे कोई दिक्कत नहीं होती। नॉनस्टॉप 14-15 किमी चलते हैं। जहां पहुंचना होता है पहुंच जाते हैं।

शारीरिक रूप से हर वो व्यक्ति जो यात्रा में चला है उसे फायदा हुआ है। जितना और कम वजन होगा उतना मेरे लिए अच्छी बात है। जब स्टेमिना बढ़ता है तो मोटिवेशन मिलता है और कॉन्फिडेंस बढ़ता है। अभी और चलना है।

कश्मीर तक पहुंचना है तो और वजन कम होगा। जब भी राहुल से मुलाकात हुई तो सबसे पहले वो वजन पूछते हैं कि कितना कम हुआ। अपनी तरफ से वो डाइट को लेकर गाइड करते हैं। पूरे दिन में कैसे एक्सरसाइज और मोटिवेट रखना है वो भी वो बताते हैं। सब भारत यात्रियों को बोलते हैं। जब मिलते हैं तो कहते हैं अभी तो और वजन कम करना है। यात्रा में केरल के पूर्व सीएम ओमान चांडी के पुत्र चांडी ओमान भी चल रहे हैं।

राजस्थान में 12 दिसंबर से पड़ेगी कड़ाके की सर्दी

जयपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। हिल स्टेशन माउंट आबू में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। हालत ये है कि सुबह खेतों में बर्फ जमी नजर आ रही है। वहीं, आज माउंट आबू का पारा बढ़ा है। जो 3 डिग्री पर पहुंच गया। इससे लोगों को सर्दी से थोड़ी राहत जरूर मिली है। एक दिन पहले गुरुवार को पारा एक डिग्री पर था। बांसवाड़ा और किशनगढ़ में भी पेड़ पोधों पर ओस की बूंदे बर्फ में बदल गईं।

राजस्थान में आज तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। अजमेर, धौलपुर, सीकर, चूरू, पिलानी समेत कई शहरों में बीती रात न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ा है। इससे इन शहरों में लोगों को सर्दी से मामूली राहत मिली है। वहीं, रेगिस्तानी इलाके जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर में रात के साथ दिन में भी तापमान बढ़ा है। यहां दिन का

अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक उत्तरी भारत में एक्टिव हुए वेस्टर्न डिर्स्टबेंस के कारण नॉर्दन विंड का फ्लो कम हो गया है। इसके कारण सर्दी तापमान में मामूली इजाफा हुआ है। वहीं, अब 12 दिसंबर से राजस्थान में पारा नीचे जा सकता है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक उत्तर भारत के जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, लद्दाख एरिया में आज वेस्टर्न डिर्स्टबेंस एक्टिव होने से यहां आज और कल बारिश और बर्फबारी हो सकती है। इस सिस्टम का असर 10 दिसंबर तक बना रहेगा। 11 दिसंबर से सिस्टम जब हल्का पड़ेगा तो वहां वापस नॉदर्न विंड का फ्लो बढ़ेगा और मैदानी इलाके हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सर्दी के तेवर तेज होंगे।

डबल डिजिट में आया रात का पारा

उत्तर भारत में एक्टिव हुए सिस्टम के कारण ही कुछ शहरों में रात के टेम्प्रेचर डबल डिजिट यानी 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर आ गए है। अजमेर, गंगानगर, बीकानेर में दो दिन पहले तक तापमान 10 डिग्री सेल्सिय से नीचे था वहां अब तापमान वापस 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर आ गया है।

छात्रों में निहित प्रतिभाओं को उजागर करना जरूरी : प्रमोद केडिया

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित दुर्गाप्रसाद बनवरीलाल गर्ल्स जूनियर कॉलेज व अग्रवाल जूनियर कॉलेज फॉर बॉयस द्वारा इंडीटोन-2के 22 के अन्तर्गत अंतरविद्यालयीन प्रतियोगिताओं का आयोजन समिति के सेडमल हॉल व बॉयस कॉलेज ग्राउण्ड में किया गया। इसके अन्तर्गत स्पैल बी, मैथमैटिकल खॉडलिग, यंग एन्टरप्रीनियर, कबड्डी, रंनीग, बुगी-वुगी व मैसेज रिल्स प्रतियोगिता आयोजित की गई] जिसमें 20 विद्यालयों 500 से अधिक विद्यार्थियों की अभूतपूर्व भागीदारी रही। विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन एवं विजेताओं के सम्मान में समिति द्वारा पुरस्कार वितरण का भव्य आयोजन किया। विद्यार्थियों को प्रेरित करने एवं प्रतिभाविकास के लिये समिति द्वारा डॉ. अनुपमा ए. वाइस प्रिन्सिपल यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आर्टस व सोशल साइन्सेस उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। मंच पर मुख्य अतिथि के अतिरिक्त समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया, मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. मोहन गुप्ता, मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल, प्राचार्या डॉ. सरिता अग्रवाल प्राचार्य उमेश कुमार मचासीन रहे। मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान समय व बदलती परिस्थितियों को देखते हुए विद्यार्थियो के जीवन में बदलाव आवश्यक है। उन्हें सही दिशा निर्देश की आवश्यकता है। इसी को ध्यान में रखकर समिति के अन्तर्गत जे.के. शाह सी.ए फउण्डेशन की कक्षाएं शुरू की गई। प्रतियोगिता में विजित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

समिति के अध्यक्ष प्रमोद केडिया ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि छात्रों में निहित प्रतिभाओं को उजागर करना ही इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। इडीटेशन 2022 विद्यार्थियों को नया देखने व सिखने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि मैं भी इसी अग्रवाल शिक्षा कॉलेज की व्याख्याता विजय लक्ष्मी ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में इडीटेशन 2022 कार्यक्रम के लिये बधाई दी। विद्यार्थी के लिये शिक्षा महत्व रखती है, अपने विकास के लिये विद्यार्थीयों को एक दूसरे से जुडने को जानने का मौका मिला है। हार या जीत महत्व नहीं रखती जितना ज्ञान। मुझे खुशी है कि इसी संस्था में शिक्षा ग्रहण कर मंचासीन गणमान्य इसी शिक्षा समिति को सहयोग दे रहे है। अपने संदेश में उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक व व्यक्तित्व निर्माण कर लक्ष्य प्राप्त करने की शिक्षा दी। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सरिता अग्रवाल ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि ज्ञानार्जन कर जीवन का विकास करे। अग्रवाल जूनियार कॉलेज के प्राचार्य उमेश कुमार ने अपने संदेश में कहा विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ चरित्र निर्माण भी महत्व रखता है। मंच पर विराजित गणमान्यों द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न व शॉल प्रदान कर सम्मानित किया। मंच पर विराजित गधमान्यों द्वारा इडीटेशन-2022 प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किया गया।

अगले चुनाव में काम नहीं आएगी तेलंगाना की भावना : इटेला

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक एटाला राजेंद्र ने आज कहा कि अलग तेलंगाना की भावना राज्य में अगले विधानसभा चुनाव में काम नहीं करेगी। प्रजा गोसा-बीजेपी भरोसा बाइक रैली कार्यक्रम के तहत नलगोंडा जिले में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए, राजेंद्र ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी के गठन के बाद सीएम केसीआर और राज्य के लोगों के बीच संबंध टूट गए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेलंगाना राज्य की प्राप्ति के लिए टीआरएस पार्टी का गठन किया गया था। उन्होंने उपहास किया कि टीआरएस पार्टी की दृढ़ राय थी कि वह अलग तेलंगाना भावना पर भरोसा किए बिना अगला विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाएगी। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के विलय की वकालत करने के लिए वाईएसआरसीपी नेता सज्जला रामकृष्ण रेड्डी पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि रेड्डी टीआरएस पार्टी के साथ हाथ मिलाकर अलग तेलंगाना भावना को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में पोषण वाटिका का उद्घाटन

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजन्ना सिरसिल्ला जिले डुमाला गांव में स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में पोषण वाटिका का उद्घाटन किया गया। इसके भाग के रूप में गुलर, महुवा, देशी खजूर, आँवला, कड़ी पत्ता, नारियल, खजूर, इमली, अमरूद, काजू, बेहड़ा, अनार, नींबू ,जामुन, कटहल, देशी बादाम, पपीता, आम, बेल, रामफल, करोंदा, कैथा, चीकू, सीताफल जैसे कुल 26 प्रजातियों के फलवृक्षों को संस्थान के डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक द्वारा संग्रह करके एल्लारेड्डीपेट विद्यालय में 125 पौधे रोपण किए गए। पोषण माह के अंतर्गत आयुष मंत्रालय एवं जनजातीय मंत्रालय दोनों के सहयोग से आज का कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में एल्लारेड्डीपेट विद्यालय के प्रधानाचार्य जी. ज्योति लक्ष्मी, उप प्रधानाचार्य आर. रामाराव, लाइब्रेरियन बी. माधवी, क्राफ्ट टीचर टी. अशोक, योगा कोच पी. मनोज, भौतिक निदेशक बी. सिरिशा और विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, छात्रों ने भाग लिया और संस्थान के के. श्रीनिवास राव,लाइब्रेरियन, जी रविबाबू, फोटोग्राफर, डॉ. लंका वेंकट श्रीवानी, सीनियर रिसर्च फेलो (आयुर्वेद) ने भाग लिया। संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक ने इन फलवृक्षों को इकट्ठा करने में सहयोग देने के लिए औषधीय पौधे बोर्ड तेलंगाना सरकार, शहरी वन नर्सरी और ग्रामीण विकास निगम नर्सरी को आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

बंलागुडा में जाट समाज के गोविंदराम लालराम ग्वाला परिवार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में भाग लेते हुए तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका, लिखमाराम खोखर, चुन्नीलाल मुंदियाडा, भगवान् राम, सुरेश जाट, रमेश भाडिया, रामनिवास सहू, बुधाराम ढाका, कालुराम कासनीया, भिखाराम भाखल, रामनिवास ढाका, सुगनाराम भालीया, राकेश ढाका, उगमाराम पुनीया व अन्य।

कंप्यूटर आधारित हिन्दी कार्यशाला का शुभारंभ

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित कंप्यूटर आधारित हिन्दी कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए सोवन सेनगुप्ता, उप अंचल प्रमुख एवं उप महाप्रबंधक ने कहा कि आज कंप्यूटर और मोबाइल के माध्यम से हिंदी में हर तरह के कार्य आसानी से किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यूनियन बैंक ने व्योम नामक मोबाइल एप्लीकेशन लांच किया है जिसमें भारत की सभी भारतीय भाषाओं में लेनदेन किया जा सकता है. इस अवसर पर कर्मचारी प्रशिक्षण केंद्र के प्रशासनिक प्रधान बीएस राव तथा ग्रामीण और वित्तीय समावेशन प्रखंड के प्रभारी दीपक एन एस उपस्थित थे। देवकांत पवार, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सुश्री श्रुति पांडे, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) ने मंच संचालन किया। अंगेश कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), सुश्री उपासना सिरसैया, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), साहेबराव कांबले, सहायक प्रबंधक (राजभाषा), सुश्री स्नेहा साव, सहायक प्रबंधक (राजभाषा), सुश्री श्रुति पांडे, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) और श्री देवकांत पवार, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने हिन्दी कंप्यूटिंग और अन्य विषयों पर व्याख्यान दिया।

युवाओं को खेलों पर ध्यान देना चाहिए : मधुकर नाईक

राज्य खो-खो प्रतियोगिताओं की शानदार शुरुआत

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। छावनी के सीईओ मधुकर नाईक ने कहा कि युवाओं को खेलों पर ध्यान देना चाहिए। कैंटोनमेंट बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप शुक्रवार की सुबह मधुकर नाइक के साथ मुख्य अतिथि के रूप में बॉयन पाली खेल के मैदान में राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में शामिल हुए। बाद में छावनी खेल संघ के सदस्यों के साथ खो खो प्रतियोगिताएं शुरू की गईं। इस अवसर पर मधुकर नाईक ने कहा कि युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ खेल पर भी ध्यान देना चाहिए, क्योंकि खेलों से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि राज्य स्तरीय खो खो प्रतियोगिताएं बोइनपल्ली खेल के मैदान में शुरू हो गई हैं और हम हमेशा खिलाड़ियों की मदद करेंगे।

बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप ने कहा कि छावनी क्षेत्र खेलों का जन्मस्थान है और छावनी को कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एथलीटों को पैदा करने का श्रेय प्राप्त है।

उन्होंने कहा कि पूर्व में बोइनपल्ली में फुटबॉल फिस्टबॉल राज्य स्तरीय खेलों का आयोजन किया जाता था और अब राज्य स्तरीय खो खो प्रतियोगिताओं का आयोजन करके खुशी हो रही है।

उन्होंने कहा कि हमने यहां प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए आर्म्स ट्रस्ट के अरिगे मधुसूदन के सहयोग से तुरंत सभी व्यवस्थाएं कर ली हैं।

उन्होंने कहा कि यह तीन दिनों तक चलेगा, साथ ही सभी सुविधाओं और भोजन की व्यवस्था की गई है ताकि एथलीटों को कोई समस्या न हो। कार्यक्रम में अनुभवी अंतरराष्ट्रीय एथलीट मर्री लक्ष्मारेड्डी, छावनी नेता भानुका मल्लिकार्जुन, राज्य खो खो सचिव कृष्ण मूर्ति गौड, हैदराबाद जिला सचिव पोचप्पा, रेफ्रिस बोर्ड के अध्यक्ष सदानंद और कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे। जिलों के प्रशिक्षकों ने भाग लिया।

कागज नगर के गांधी पार्क के पास सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कागज नगर के भाजपा नेता डॉ. पालवीय हरीश राव ने कहा कि कागज नगर के गांधी पार्क के पास सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करके निर्माण कार्य शुरू किया जा रहा है। आज उन्होंने गांधी पार्क के समीप जगह पर पहुंचकर कपड़ा व्यापारियों से मिलकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि कागज नगर कि मुनसीपल विभाग पूर्ण रुप से सरकारी जमीन के अवैध कब्जा को बढ़ावा देने में लिप्त है। सारे अधिकारी नींद में सोए हुए हैं। उन्होंने कि कब्जे में आने वाली सरकारी जमीनों को मुक्त करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

गुजरात में भाजपा की होने पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ जश्न मनाते हुए सेरिलिंगमपल्ली विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद, राम रेड्डी, माणिक, वेलागा श्रीनिवास, रत्न कुमार, विजेंदर सिंह, कल्याण भारद्वाज, प्रशांत चारी, चिन्नम सत्यम, संदीप सहित कई युवा कार्यकर्ता।

देवली कला स्थित मुलैवा परिवार द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में उपस्थित सीरवी समाज सचिव किशनसिंह राठौड़, मल्लापुर सीरवी समाज अध्यक्ष बाबूलाल मुलैवा, आयोजक भंवरलाल मुलैवा, भगाराम मुलैवा, ओमप्रकाश माधावत, पुखाराम, भगदाराम, कानाराम, मांगीलाल, मोहनलाल, सोहनलाल व अन्य।

मातृभाषा में शिक्षा ही बच्चों को मजबूती प्रदान कर सकती : प्रो. खानम

मिधानि में नई शिक्षा नीति : मातृभाषा और राजभाषा विषय पर व्याख्यान आयोजित

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार के उद्यम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजय कुमार झा की अध्यक्षता में हिंदी दिवस समारोह 2022 के समापन के उपलक्ष्य में नई शिक्षा नीति : मातृभाषा और राजभाषा विषय पर व्याख्यान संपन्न हुआ। अध्यक्षीय भाषण में डॉ. संजय कुमार झा ने कहा कि आरंभिक शिक्षा मातृभाषा में करने के बाद विद्यार्थी को उच्च शिक्षा के लिए अंग्रेजी भाषा में पढ़ाई करना काफी कष्टकर होता है। वह मेहनत से अंग्रेजी सीखता है और फिर जब वह केंद्र सरकार के कार्यालय में काम करने आता है तो उसे राजभाषा हिंदी में काम करने की आवश्यकता होती है, तो उसे कार्यालयीन कामकाज की हिंदी भी सीखनी पड़ती है। इसके लिए उसे फिर से मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने आगे कहा कि नई शिक्षा नीति के सुचारू रूप से लागू होने पर विद्यार्थियों को शायद भाषा की समस्या का सामना करना नहीं पड़ेगा। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. शकीला खानम, डीन, कला संकाय, डॉ. बी. आर अम्बेडकर विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति : मातृभाषा और राजभाषा विषय पर अपने व्याख्यान देते हुए कहा कि बालक के शिक्षण में मातृभाषा की बहुत बड़ी भूमिका है। इसी मनोविज्ञान के आधार पर सरकार ने नई शिक्षा नीति 2020 बनाई है। उन्होंने कहा कि भारत में 1968 व 1986 के 34 साल बाद तीसरी बार शिक्षा नीति में परिवर्तन का प्रयास इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता वाली समिति के द्वारा किया गया है जिसका उद्देश्य सभी को शत प्रतिशत भविष्यपरक व रोजगारपरक शिक्षा देना है। डॉ. खानम ने बाताया कि नई शिक्षा नीति में 21वीं सदी के अनुरूप कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, क्रिप्टो, ब्लॉकचेन संबंधी आधुनिक पाठ्यक्रम भी शामिल किए जाएंगे, जिससे स्नातक स्तर पर शिक्षार्थियों को लचीले पाठ्यक्रम से अपने रूचि के अनुसार विषय का चयन करने में आसानी हो सकती है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. उपेंदर वेन्नम, आईपीओस, मुख्य सतर्कता अधिकारी ने कहा कि मातृभाषा हम माँ से सीखते हैं। माँ हमारी प्रथम गुरु होती है। जिस तरह वह हमें इस जगत में लाती है उसी तरह हम माँ से मिली भाषा के माध्यम से इस जगत को देखने और समझने का प्रयास करते हैं। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मुख्य सतर्कता अधिकारी तथा मुख्य अतिथि ने हिंदी पक्षोत्सव के अवसर पर आयोजित शब्दावली, निबंध, वाक, प्रेरक प्रसंग और प्रश्नमंच प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कारों से सम्मानित किया। प्रतियोगिताओं के निर्णायक श्री प्रवीण एस वारद, उ.म.प्र. (भंडार), टीजे राव, उ.म.प्र. (ईएमएस व सीओई), सत्यनारायण, हिंदी अध्यापक (डीएवी स्कूल) और श्रीमती सावित्री, हिंदी अध्यापक (डीएवी स्कूल) को स्मृति चिह्न देकर सम्मानिक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंक्ष दीप प्रज्वलन तथा श्रीमती सुंधुमाधुरी, उ.प्र. (वित्त एवं लेखा), श्रीमती पी वर्षा, कनिष्ठ कार्यपालक (वित्त) तथा श्री विजय कुमार कुशवाह, तकनीशीयन, मेल्टशॉप द्वारा मिधानि गीत से हुआ। संचालन डॉ. बी. बालाजी, उप प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में हिंदी अनुभाग की अवर कार्यपालक श्रीमती डीवी रत्ना कुमारी का सक्रिय सहयोग रहा।

वर्तमान राजनीतिक तापमान व्यापारियों की सेहत के लिए ठीक नहीं : इन्दू सिंह

सीएम केसीआर से व्यापारियों के हित में बेहतर योजना शुरू करने की मांग

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर-प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष इन्दू सिंह ने कहा कि देशभर में व्यापारियों पर संकट के बादल मडरा रहे है। केन्द्र और प्रदेशों की सरकार व्यापारियों को लेकर गंभीर नहीं है। हैदराबाद में एक निजी समारोह में भाग लेने पहुंचे श्री सिंह ने प्रेस को जारी एक बयान में कहा कि मौजूदा राजनीतिक तापमान व्यापारियों की सेहत के लिए ठीक नहीं है। आन लाइन मार्केटिंग कंपनियों के कारोबार को सरकार द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है। इसका नतीजा सामान्य व्यापारियों का कारोबार चौपट हो गया है। पीढ़ियों से कारोबार कर व्यापारी धीरे-धीरे सड़क पर आ रहे है। सरकार को व्यापारियों की चिंता नहीं है। सरकार विदेशी आनलाइन कंपनियों को कमाई करवाने में जुटी है। देश की अर्थव्यवस्था में प्रमुख भूमिका निभाने वाले व्यापारियों को केन्द्र व प्रदेश सरकारों ने दरकिनार कर दिया है। उनकी मांगों पर विचार नहीं किया जा रहा है। मेहनत से कमाने वाले व्यापारियों के यहां ताबरतोड़ छापे मारकर बेइज्जत किया जा रहा है। देश के गांव से लेकर बड़े महानगरों में व्यापारी लोगों की सेवा कर रहे है। इतिहास गवाह है कि जब-जब भी देश को जरूरत पड़ी है तब-तब व्यापारियों ने भारत माता की सेवा की है। पूरे देश में सबसे अधिक समाज सेवा केन्द्रों का संचालन व्यापारी कर रहे है। इसके बाद भी सरकारें उनकों बदनाम पर करने पर तुली है। उन्होंने कहा कि अपने हक के लिए देश भर के व्यापारियों को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। व्यापारियों को राजनीतिक भागीदारी बढ़ानी होगी। देश की संसद और विधानसभाओं में व्यापारियों के लिए बुलंद अवाजा उठानी होगी। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक कर चुकाने वाले व्यापारियों के पैसे से दूसरों को पेंशन, चिकित्सा, शिक्षा, आवास की सुविधा सरकारें दे रही है। जबकि मुसीबत के समय व्यापारियों को कई सरकारी सुविधा नहीं मिलती है। केन्द्र और राज्य की सरकारों किसी कारणवश अपना सबकुछ गंवाने वाले व्यापारियों की मदद करनी चाहिए। व्यापार घाट उठाने के बाद तबाह हुए कारोबारियों को भी पेंशन, चिकित्सा आदि की व्यवस्था मिलनी चाहिए। उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर से रैतू बंधु, दलित बंधु के तर्ज पर व्यापारियों की भलाई के लिए कोई बेहतर योजना शुरू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर ने कई जनकल्याणकारी योजनाओं की शुरूआत कर देश में मिसाल कायम की है। इसी क्रम में व्यापारियों के हित में ठोस कदम उठाकर देश में एक नई शुरुआत मुख्यमंत्री को करनी चाहिए।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

सीएम योगी की ...

कानपुर में मेट्रो की शुरूआत पीएम मोदी ने की। मेट्रो के सेकेंड और थर्ड फेज का लोकार्पण करने के लिए जल्द पीएम मोदी आएंगे। डिफेंस कॉरिडोर का मुख्य केंद्र बिंदु कानपुर है। सीएम ने निकाय चुनाव से पहले कानपुर में 387.59 करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

सीएम के आने से पहले सपा विधायक अमिताभ वाजपेई को पुलिस ने घर पर नजरबंद कर दिया। सपा विधायक अमिताभ वाजपेई ने कहा, पुलिस झूठे सबूत गढ़ कर विधायक इरफान सोलंकी की सुपारी लेकर आई थी। मुख्यमंत्री के आते ही हर बार की तरह इस बार भी हमारे घर के बाहर पुलिस का पहरा लगा दिया। विपक्ष के विधायकों को लोकतंत्र में अपनी बात रखने का अधिकार है।

मैं मुख्यमंत्री को डेंगू के प्रकोप पर ध्यान आकर्षित करने के लिए मच्छरदानी भेंट करना चाहता था। वहीं, कांग्रेस नेता और प्रदेश सचिव विकास अवस्थी को भी पुलिस ने बर्रा-2 स्थित आवास पर नजरबंद कर दिया। वह शहर में फैले डेंगू और मलेरिया को लेकर सीएम को ज्ञापन देने जा रहे थे।

योगी राज में 7500 एनकाउंटर, 168 मारे गए :

योगी आदित्यनाथ के सीएम बनने के एक दिन बाद यानी 20 मार्च 2017 से लेकर 21 नवंबर 2022 तक के आंकड़े हमें मिले। पुलिस ने बताया कि पिछले पांच सालों में पुलिस ने 7500 से ज्यादा एनकाउंटर किए हैं। इनमें 168 अपराधियों की मौत हुई है। 55 इसमें मुस्लिम वर्ग से हैं। 2900 से ज्यादा अपराधी गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं।

ट्रांसजेंडर भर्ती मामले ...

लेकिन वे फॉर्म भरने में सक्षम नहीं थे, क्योंकि उसमें तीसरे जेंडर का ऑप्शन नहीं था। जिसके कारण पुजारी ऑनलाइन फॉर्म नहीं भर सके। मामले में उन्होंने महाराष्ट्र एडमिनिस्ट्रेशन ट्रिब्यूनल (एमएटी) में शिकायत दर्ज कराई थी।

ट्रिब्यूनल ने राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि ट्रांसजेंडर फॉर्म भरने में सक्षम हैं, उन्हें भर्ती होने का मौका मिल सके। इसने राज्य सरकार को ट्रांसजेंडरों के लिए फिजिकल स्टैंडर्ड और टेस्ट के एक क्राइटेरिया तय करने का भी निर्देश दिया।

राज्य सरकार ने एमएटी के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसमें कहा गया कि उनकी भर्ती प्रक्रिया पहले से ही चल रही है और वे इस समय ट्रांसजेंडरों की भर्ती नहीं कर सकते हैं।

पोस्टर नहीं लगाऊंगा ...

मैं कोई साधु-सन्यासी नहीं हूं। पहले अपना घर देखता हूं, अपना परिवार देखता हूं और फिर समाज के लिए और देश के लिए काम करता हूं।

नितिन गडकरी ने आगे कहा, मैंने लोगों को बोल दिया है पोस्टर नहीं लगाऊंगा, बैनर नहीं लगाऊंगा, चाय नहीं पिलाऊंगा, नाश्ता नहीं कराऊंगा, तुमको वोट देना है तो दो। मैं कोई आमिष दिखाकर वोट नहीं लेना चाहता। मैंने काम किया है, उसके ऊपर मुझे वोट मिलेंगे। हिंदू-मुसलमान सब वोट देंगे। भाजपा नेता ने कहा, मैं अभी मुसलमानों के एक कार्यक्रम में गया था वहां मैंने कहा कि मैं आरएसएस वाला हूं, बाद में पछतावा नहीं करना है। उन्होंने आगे कहा कि सब मेरे साथ हैं क्योंकि मैंने काम में कोई भेदभाव नहीं किया है।

वहीं, गुजरात में बीजेपी की प्रचंड जीत का कारण बताते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि हम जब सत्ता में होते हैं तो विकास की राजनीति करते हैं। अच्छे रोड, पानी, बिजली, ट्रांसपोर्ट, कम्युनिकेशन, कृषि, मेडिकल हेल्थ, एजुकेशन हर जगह पर हमने रिकॉर्ड बनाए हैं। गुजरात की जनता को विकास देखने को मिला, इसी के कारण गुजरात की जनता हमें वहां लगातार 27 साल से सत्ता में ला रही है। यही कारण है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में गुजरात की जनता ने हमें समर्थन दिया।

नवदीप-सौरभ की टीम इंडिया में हो सकती है एंट्री

मोहम्मद शमी, रवींद्र जडेजा की जगह ले सकते हैं

ढाका, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में चोटिल हुए कप्तान रोहित शर्मा के 14 दिसंबर से शुरू हो रही दो टेस्ट मैचों की सीरीज में खेलने की संभावना कम है। इसके अलावा चोट की वजह से तीन वनडे मैचों की सीरीज से बाहर हुए रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी भी नहीं खेल सकते हैं। ऐसे में रोहित शर्मा की जगह अभिमन्यु ईश्वरन, जडेजा के स्थान पर सौरभ कुमार और शमी का रिप्लेसमेंट नवदीप सैनी हो सकते हैं। तीनों बांग्लादेश में ही हैं और तीनों बांग्लादेश ए टीम के खिलाफ अनऑफिशियल टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया ए के हिस्सा रहे हैं।सौरभ कुमार ने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की अनऑफिशियल सीरीज में15.30 की औसत से 10 विकेट लिए हैं। वहीं वे निचले क्रम में बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। उन्होंने गुरुवार को सिलहट में 39 गेंदों में 55 रन भी बनाए थे।

सैनी खेल चुके हैं 2 टेस्ट

सैनी ने अपना पिछला टेस्ट 2021 में बिस्ब्रेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। उन्होंने पहली पारी में 21 रन देकर 3 विकेट और दूसरी इनिंग में 52 रन देकर 1 विकेट लिए थे। वहीं बांग्लादेश ए के खिलाफ अनऑफशियल टेस्ट की दोनों पारियों में 4 विकेट लिए थे।

रोहित शर्मा लौट आए हैं मुंबई

दरअसल रोहित शर्मा को बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में फील्डिंग के दौरान हाथ में चोट लग गई थी। जिसके बाद वह ग्रांउड से बाहर चले गए थे। रोहित मुंबई वापस लौट आए हैं और वह 10 दिसंबर से शुरू हो रहे तीसरे वनडे से बाहर हो चुके हैं।

जडेजा और शमी की चोट अभी तक नहीं हुई ठीक

रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी की चोट अभी तक ठीक नहीं हो पाई है। जडेजा एशिया कप के दौरान चोटिल हो गए थे। जिसके बाद वह वर्ल्ड कप में भी टीम इंडिया के हिस्सा नहीं थे। जडेजा वनडे सीरीज से भी बाहर रहे थे। उम्मीद की जा रही थी कि जडेजा दो मैचों की टेस्ट सीरीज तक ठीक हो जाएंगे। उन्हें टेस्ट सीरीज में टीम में जगह दी गई थी, अब मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जडेजा अभी रिकवरी नहीं कर पाए हैं।

इसी तरह, टी-20 वर्ल्ड कप में टीम के हिस्सा रहे मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके कंधे में चोट लगी थी। जिसकी वजह से वह वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे। शमी ने अस्पताल से फोटो भी शेयर किया था और जल्दी वापस लौटने की उम्मीद जताई थी।

बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे के लिए कुलदीप यादव भारतीय टीम में शामिल

रोहित शर्मा पर बीसीसीआई बाद में लेगा फैसला

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ 3 मैच की एकदिवसीय सीरीज के आखिरी मैच के लिए स्पिनर कुलदीप यादव को टीम इंडिया में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसका ऐलान किया।

कुलदीप यादव 11 अक्टूबर 2022 के बाद अंतरराष्ट्रीय मैच खेल सकते हैं। कुलदीप ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच दिल्ली में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उस एकदिवसीय मैच में कुलदीप ने 4 विकेट लिए थे। कुलदीप विदेश में 4 महीने बाद कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेल सकते हैं। कुलदीप ने 22 अगस्त 2022 को हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय मैच खेला था। उस मैच में कुलदीप यादव ने 2 विकेट लिए थे। सीरीज का तीसरा और आखिरी वनडे 10 दिसंबर 2022 को चट्टोग्राम के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में खेला जाना है। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को दूसरे वनडे में क्षेत्ररक्षण के दौरान दूसरे ओवर में अंगूठे में चोट लग गई थी।

बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उनकी जांच की और ढाका के एक स्थानीय अस्पताल में उनका स्कैन किया गया। रोहित शर्मा अब विशेषज्ञ परामर्श के लिए मुंबई के लिए रवाना हो गए। रोहित शर्मा बांग्लादेश के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय मैच में नहीं खेल पाएंगे। आगामी टेस्ट सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता पर बाद में फैसला लिया जाएगा। टेस्ट सीरीज 14 से 26 दिसंबर के बीच खेली जानी है।

बीसीसीआई के सचिव जय शाह की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि तेज गेंदबाज कुलदीप सेन ने पहले वनडे के बाद पीठ में जकड़न की शिकायत की थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उनकी जांच की। इसके बाद कुलदीप सेन को दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच से आराम की सलाह दी गई। जांच में पता चला कि कुलदीप सेन को स्ट्रेस इंजरी है। कुलदीप सेन बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। दूसरे वनडे के दौरान कुलदीप के साथी तेज गेंदबाज दीपक चाहर की बाईं हैमस्ट्रिंग खिंच गई थी। दीपक चाहर भी सीरीज से बाहर हो गए हैं। कुलदीप सेन और दीपक चाहर दोनों अब अपनी चोटों के आगे के मैनेजमेंट के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी को रिपोर्ट करेंगे।

मुल्तान टेस्ट के पहले ही दिन इंग्लैंड ऑलआउट

पाकिस्तानी स्पिनर्स के सामने 281 रन ही बना सके; अबरार अहमद को 7 विकेट

मुल्तान, 9 दिसंबर (एजेंसियां) मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में इंग्लैंड 281 रन पर ऑलआउट हो गया। पहला टेस्ट मैच खेल रहे लेग स्पिन गेंदबाज अबरार अहमद ने 7 और जाहिद महमूद ने 3 विकेट लिए। इंग्लैंड के लिए बेन डकेट ने 63 और ओली पोप ने 60 रन बनाए। बाकी बैटर कुछ खास नहीं कर सके। 3 टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग की। डकेट और पोप को छोड़कर कोई भी बैटर अर्धशतक नहीं बना सका। पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी शुरू कर दी है। पहले टेस्ट में 6.5 से ज्यादा के रन रेट से बैटिंग करने वाली इंग्लिश टीम ने आज भी तेजी से रन बनाना शुरू किए। पहले सेशन के 31 ओवर में 5 विकेट पर 181 रन बनाने के बाद टीम ने 51.4 ओवर में 281 रन पर सभी विकेट गंवा दिए। उन्होंने 5.43 के रन रेट बैटिंग की। पोप और डकेट के अलावा मार्क वुड ने 36, विल जैक्स ने 31, कप्तान बेन स्टोक्स ने 30 और जैक क्रॉले ने 19 रन बनाए। जो रूट 8, हैरी ब्रूक 9, ओली रोबिनसन 5, जैक लीच शून्य और जेम्स एंडरसन 7 रन ही बना सके।

डेब्यूटांट अबरार को 7 विकेट

सीरीज के पहले टेस्ट में मौका नहीं मिलने के बाद लेग स्पिनर अबरार अहमद ने आज पाकिस्तान के लिए डेब्यू किया। उन्होंने अपने पहले ही ओवर में टीम को सफलता दिलाई। उन्होंने पारी के 9वें ओवर में जैक क्रॉले को बोल्ड कर 38 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप तोड़ी। उन्होंने फिर डकेट, पोप, रूट, ब्रूक, स्टोक्स और जैक्स के विकेट भी लिए।

वह डेब्यू टेस्ट की पहली पारी में ही सभी 10 विकेट लेने का नया रिकॉर्ड बना सकते थे। उन्होंने पारी में शुरुआती 7 विकेट ले लिए थे। लेकिन, उनकी टीम के जाहिद महमूद ने बाकी 3 विकेट ले लिए। टेस्ट में अब तक 3 बॉलर ही एक पारी में 10 विकेट ले पाए हैं। इनमें इंग्लैंड के जिम लेकर, भारत के अनिल कुंबले और न्यूजीलैंड के एजाज पटेल शामिल हैं। पटेल ने पिछले साल ही भारत के खिलाफ यह कारनामा किया था।

डेब्यू टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट

अबरार डेब्यू टेस्ट की पहली पारी में भी सबसे ज्यादा विकेट लेने से चूक गए। उन्होंने 7 विकेट लिए। डेब्यू टेस्ट की पहली पारी में बेस्ट बॉलिंग का रिकॉर्ड भारत के नरेंद्र हिरवानी के नाम हैं। उन्होंने 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 61 रन पर 8 विकेट लिए थे। डेब्यू टेस्ट की किसी भी पारी में बेस्ट बॉलिंग का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के अल्बर्ट ट्रॉट के नाम है। उन्होंने 1895 में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू टेस्ट की दूसरी पारी में 43 रन पर 8 विकेट लिए थे।

सानिया मिर्जा से तलाक की खबरों पर शोएब मलिक ने तोड़ी चुप्पी

दुबई, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक की तलाक की खबरें पिछले कुछ समय से चर्चा का विषय है। हालांकि, सोशल मीडिया पर इसे पब्लिसिटी स्टंट भी माना जा रहा है। अब मलिक ने इस पूरी घटना पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने एक न्यूज पोर्टल से इस बारे में बातचीत की।

मलिक ने कहा कि यह उनका निजी मामला है और इसे उन दोनों पर ही छोड़ देना चाहिए। मलिक ने बयान के जरिये यह कहा कि उन्हें इस पूरे मामले पर मीडिया का दखल पसंद नहीं आ रहा है। साथ ही मलिक ने यह भी कहा कि वह सानिया से अलग होने की खबरों पर कोई जवाब नहीं देंगे।

फिलहाल दोनों का एक टॉक शो में व्यस्त हैं। इस टॉक शो का नाम मिर्जा-मलिक शो है, जो कि चैनल उर्दूफ्लिक्स पर धमाल मचा रही है। दोनों की ओर से तलाक को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन पाकिस्तानी मीडिया ने इन खबरों को खूब तरजीह दी थी। ऐसा कहा जा रहा है मौजूदा शो के कोई अनुबंध की वजह से दोनों कोई बयान नहीं दे रहे हैं। पिछले महीने ही सानिया मिर्जा के जन्मदिन पर शोएब ने रोमांटिक पोस्ट कर उन्हें बधाई दी थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फोटो पोस्ट किया और उसके कैप्शन में लिखा- आपको जन्मदिन की बहुत बधाई। आपके स्वस्थ और सुखी जीवन की कामना करता हूं। इस दिन का भरपूर आनंद लो। इस पोस्ट को लाखों लाइक्स मिले थे। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि दोनों अलग होने जा रहे हैं और शोएब ने ही सानिया को धोखा दिया है। बताया जा रहा है कि शोएब का पाकिस्तान की किसी एक्ट्रेस के साथ अफेयर चल रहा है। पाक मीडिया की रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि शोएब पाकिस्तानी एक्ट्रेस आयशा उमर के साथ रिलेशनशिप में हैं। शोएब और सानिया के बीच नजीदिकयां 2009 से बढ़ने लगी थी। इसके बाद 2010 में दोनों ने निकाह किया। यह निकाह हैदराबाद में ही हुआ था। 2018 में सानिया और शोएब माता-पिता बने। दोनों पिछले 12 साल से साथ हैं।

फीफा वर्ल्ड कप : वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद स्पेन को एक और झटका

कोच एनरिके हटाए गए, इन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी

दोहा, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। 2010 की चैंपियन स्पेन राउंड ऑफ-16 में हारकर फीफा वर्ल्ड कप से बाहर हो गई। उन्हें मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में हरा दिया। फुल टाइम के बाद एक्स्ट्रा टाइम तक दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकी थीं। अब स्पेन को एक और झटका लगा है। स्पेन फुटबॉल फेडरेशन ने मौजूदा कोच लुईस एनरिके को उनके पद से हटा दिया है। साथ ही स्पेन अंडर-21 टीम के कोच लुईस डे ला फुएंते को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

स्पेन ने फीफा वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज के दौरान कोस्टा रिका को 7-0 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी। हालांकि, जर्मनी के खिलाफ ड्रॉ और फिर जापान से 2-1 से हार के बावजूद टीम नॉकआउट के लिए क्वालिफाई करने में कामयाब रही थी। स्पेन की टीम मोरक्को के खिलाफ अपने अंतिम -16 मैच के लिए फेवरेट थी, लेकिन एक्स्ट्रा टाइम में भी स्पेन की टीम कोई गोल नहीं कर सकी और पेनल्टी शूटआउट में मोरक्को के गोलकीपर ने ज्यादा बचाव किए।

आरएफईएफ (फुटबॉल संघ) ने एक बयान में कहा- अध्यक्ष लुइस रुबियल्स और खेल निदेशक, जोस फ्रांसिस्को मोलिना दोनों ने कोच को अपना फैसला बता दिया है। उन्होंने कहा कि वे लुइस एनरिके और उनके कर्मचारियों को उनके काम के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने एक ₹नया प्रोजेक्टर₹ शुरू करने का फैसला किया है। कुछ ही समय बाद महासंघ ने घोषणा की कि फुएंते, जिन्होंने पिछले साल के ओलंपिक में स्पेन की पुरुष टीम को रजत पदक दिलाया था, स्पेन फुटबॉल टीम के नए कोच बनाए गए।

लुइस एनरिके ने मंगलवार को मोरक्को से मिली हार के बाद कहा था कि वह कोच के पद पर बने रहना चाहते हैं। एनरिके ने कहा था- मैं स्पेनिश फुटबॉल एसोसिएशन, अध्यक्ष और खेल निदेशक के साथ बहुत खुश हूं। एनरिके ने कहा- अगर फैसला मेरे ऊपर होता तो मैं जीवन भर रहता, लेकिन ऐसा नहीं है। मुझे शांति से सोचना होगा कि मेरे लिए और राष्ट्रीय टीम के लिए सबसे अच्छा क्या है।

आईपीएल 2023 : भारतीयों पर ही लागू होगा इम्पैक्ट प्लेयर का नियम

नीलामी पर असर डाल सकता है बीसीसीआई का फैसला

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग-2023 में पेश किया जा रहा इम्पैक्ट प्लेयर का नियम केवल भारतीय खिलाड़ियों पर लागू हो सकता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अब तक हालांकि, नियमों को साझा नहीं किया है कि यह कैसे काम करेगा, लेकिन बीसीसीआई प्रबंधकों ने संकेत दिए हैं कि मैच के दौरान केवल भारतीय खिलाड़ी ही एक एक्टिव स्थानापन्न या 12वें खिलाड़ी के रूप में आ सकते हैं।

इस नियम को लेकर बीसीसीआई प्रबंधकों की अभी फ्रैंचाइजीस के साथ बातचीत जारी है। क्रिकबज की खबर के मुताबिक, फ्रैंचाइजीस को बताया गया है कि टीम किसी विदेशी खिलाड़ी के स्थान पर किसी अन्य विदेशी खिलाड़ी को नहीं ला सकती है और न ही किसी टीम को किसी भारतीय के स्थान पर किसी विदेशी खिलाड़ी को रखने की अनुमति दी जाएगी।

नियम यह सुनिश्चित करने के लिए है कि मैच में हिस्सा लेने वाले केवल चार विदेशी खिलाड़ियों के प्राथमिक और बाध्यकारी आईपीएल नियम का उल्लंघन नहीं हो। अगर कोई टीम शुरुआती एकादश में केवल तीन विदेशी खिलाड़ियों के साथ मैच में उतरती है तब किसी विदेशी खिलाड़ी को इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में शामिल करने की मंजूरी मिलेगी या नहीं इसे लेकर अब तक कुछ स्पष्टता नहीं है।

बीसीसीआई ने हाल ही में फ्रैंचाइजीस को भेजे पत्र में कहा है, '...यह भी ध्यान दें कि आईपीएल 2023 सीजन से आईपीएल में एक नया आयाम जोड़ने के लिए एक सामरिक/रणनीतिक अवधारणा पेश की जाएगी। इसमें आईपीएल मैच के दौरान हर टीम एक स्थानापन्न खिलाड़ी लेने में सक्षम होगा। इससे संबंधित नियम जल्द ही जारी किए जाएंगे।'

इस विचार ने एक फ्रैंचाइजी को परेशानी में डाल दिया है, जबकि अधिकांश ने इसका स्वागत किया है। आम धारणा यह है कि नियम एक ऑलराउंडर की भूमिका को काफी कम कर सकता है और खेल में विशेषज्ञों के प्रभाव को बढ़ा सकता है। यह अनुमान इस तथ्य पर आधारित है कि एक टीम गेंदबाजी करते समय एक विशेषज्ञ गेंदबाज का इस्तेमाल कर सकती है और लक्ष्य का पीछा करते समय एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के साथ उसकी जगह ले सकती है। 23 दिसंबर को कोच्चि में होने वाली नीलामी पर भी इस नियम का बड़ा असर पड़ सकता है। इम्पैक्ट प्लेयर कॉन्सेप्ट को पहली बार इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में लागू किया गया था। बीसीसीआई इस बात से संतुष्ट है कि यह प्रयोग काफी हिट रहा। बीसीसीआई ने इसके लिए फुटबॉल और कुछ अन्य खेलों से प्रेरणा ली है, जहां स्थानापन्न भी सक्रिय खिलाड़ी के रूप में भूमिका निभाते हैं।

इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में इस नियम को पेश करते हुए बीसीसीआई ने कहा था, कॉन्सेप्ट यह है कि हर टीम स्थानापन्न को एक मैच में ज्यादा एक्टिव खिलाड़ी के रूप में हिस्सा लेने की मंजूरी दी। यह खेल में एक आयाम जोड़ेगा। फुटबॉल, रग्बी, बास्केटबॉल, बेसबॉल जैसे खेलों में टीमों को ऐसे विकल्प चुनने की मंजूरी है। स्थानापन्न को किसी अन्य नियमित खिलाड़ी की तरह प्रदर्शन करने या हिस्सा लेने की अनुमति होती है।

जब फेडरर को विम्बलडन में घुसने से रोका गया था

महान टेनिस खिलाड़ी ने बताया मजेदार किस्सा

लंदन, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सर्वकालिक महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर ने इस साल की शुरुआत में खेल से संन्यास लेने की घोषणा की थी। 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने इस साल की शुरुआत में लेवर कप में अपना आखिरी गेम खेला था। लंबे समय के दोस्त और प्रतिद्वंद्वी राफेल नडाल के साथ वह डबल्स मैच में कोर्ट पर उतरे थे। फेडरर ने हाल ही में एक टॉक शो में एक मजेदार किस्सा साझा किया। शो के दौरान एंकर ने फेडरर से पूछा कि क्या यह सच है कि उन्हें विम्बलडन के अंदर प्रवेश से वंचित कर दिया गया था?

दरअसल, फेडरर के नाम सबसे ज्यादा विम्बलडन खिताब जीतने का रिकॉर्ड है। ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस एंड क्रोकेट क्लब में फेडरर ने आठ खिताब जीते, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक है। सवाल के जवाब में फेडरर ने खुलासा किया कि वह टोक्यो में एक कार्यक्रम के बाद एक डॉक्टर से मिलने के लिए लंदन पहुंचे। उन्होंने कहा कि उन्होंने अलटेक का दौरा करने का फैसला किया क्योंकि घर वापस जाने के लिए उनकी फ्लाइट में दो घंटे का समय बचा था।

फिर उन्होंने कहा कि कई प्रयासों के बावजूद एक सिक्योरिटी गार्ड ने उन्हें मेंबरशिप कार्ड के बिना प्रवेश देने से मना कर दिया। फेडरर ने कहा- जब आप विम्बलडन जीतते हैं, तो आप अलटेक के सदस्य बन जाते हैं। इसलिए मुझे लगा प्रवेश मिल जाएगा। मैंने उस गार्ड से कहा कि नहीं, मेरे पास अपना सदस्यता कार्ड नहीं है, लेकिन मैं यहां एक सदस्य हूं। इस पर उस गार्ड ने कहा- हां, लेकिन आपको सदस्य बनना होगा। फिर मैंने उससे पूछा कि क्या मैं अंदर आ सकता हूं? उसने कहा- हां, लेकिन आपको सदस्य बनना होगा। फेडरर ने कहा- मैंने उस गार्ड को आखिरी बार देखा और मुझे बहुत खेद है और मैं विश्वास नहीं कर पा रहा हूं कि मैंने यह कहा- मैंने यह टूर्नामेंट आठ बार जीता है। कृपया मुझ पर विश्वास करें, मैं यहां का एक सदस्य हूं! मुझे अभी भी यह सोचकर बुरा लग रहा है। फेडरर ने कहा कि उन्हें दूसरे गेट तक ड्राइव करना पड़ा, जहां उन्हें अंततः एक सुरक्षा गार्ड ने पहचान लिया।

प्रतिबंधित चाइनीज मांझा गोदाम पर छापा, एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेनबाजार पुलिस के साथ टास्कफोर्स, साउथ जोन टीम के अधिकारियों ने रेन बाजार पुलिस सीमा के तहत गोकामेला में एक चीनी मांझा गोदाम पर छापा मारा और एक भगवान दास बजाज को गिरफ्तार किया, जो खरीद और बिक्री कर रहा था। प्रतिबंधित चाइनीज मांझा (पतंग उड़ाने के लिए नायलन धागा और कांच से लिपटा मांजा), जो अवैध रूप से आसान से पैसा कमाने के लिए मनुष्यों सहित पक्षियों और जानवरों के लिए हानिकारक है। पुलिस ने कुल 12 लाख रुपये मूल्य का नायलॉन मांझा बरामद किया है। आरोपी ने पर्यावरण, वन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (पर्यावरण) विभाग, हैदराबाद के आदेशों का उल्लंघन किया। आरोपी की पहचान 45 साल के भगवान दास बजाज के रूप में हुई, जो चारमीनार में बजाज काइट्स चलाते हैं और मालकपेट की श्रीपुरम कॉलोनी में रहते थे। पुलिस ने मोनो और गोल्ड ब्रांड सिंथेटिक नायलॉन चाइनीज मांजा बाबिन के-89 कार्टन जब्त किए।

कमिश्नर टास्कफोर्स के डीसीपी गुम्मी चक्रवर्ती ने कहा कि भगवान दास बजाज गुलज़ार हाउस में पतंग की दुकान चला रहे थे और पतंग, धागे, चरखे वगैरह बेचते थे। वह होलसेल पर विभिन्न ब्रांड की पतंग और धागे भी बनाता है। संक्रांति त्योहार के दौरान, वह पूरे राज्य में विभिन्न ब्रांडों की पतंग और मांझा बेचते हैं। आरोपी ने चाइनीज मांझे की मांग को आधार बनाकर प्रतिबंधित चाइनीज मांझे को खरीदने और बेचने की योजना बनाई। इसके लिए आरोपी ने दिल्ली के एक माली राम से संपर्क किया और आगे की बिक्री के लिए अवैध रूप से प्रतिबंधित चाइनीज मांजा खरीदा।

गुप्त सूचना के आधार पर कमिश्नर टास्कफोर्स, साउथ जोन की टीम और रैनबाजार थाना पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया और भारी मात्रा में प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बरामद किया, जिसकी कीमत 12 लाख रुपये है। आरोपी व जब्त सामग्री एसएचओ रैनबाजार को सौंप दी गई। इस संबंध में, डीसीपी ने व्यापारियों को चेतावनी दी कि वे पतंगबाजी और अन्य उपयोगों के लिए प्रतिबंधित चीनी मांझा (नायलॉन धागा) और ग्लास लेपित मांजा की खरीद, भंडारण और बिक्री न करें। अगर कोई निर्देशों का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ कानून के तहत सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। यह गिरफ्तारी साउथ जोन टास्क फोर्स के इंस्पेक्टर एस. राघवेंद्र और साउथ जोन टास्क फोर्स, हैदराबाद सिटी और रेन के सब-इंस्पेक्टर के. नरसिमुलु, एन. श्रीशीलम, वी. नरेंद्र, शैक बुरान और पी. श्रीनिय्याह की देखरेख में की गई।

सरेआम 100 लोगों ने फिल्मी अंदाज में महिला डॉक्टर का अपहरण किया

पुलिस पर लापरवाही का आरोप, परिजनों ने सागर रोड पर धरना दिया

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हौसला बुलंद सौ लोगों ने दुस्साहस का परिचय देते हुए एक महिला डॉक्टर का दिनदहाड़े उसके घर से अपहरण कर दिया। इस दौरान अपहरण करने आए लोगों ने महिला के घर में जमकर तांडव मचाया और तोड़ फोड़ भी की। यह सनसनीखेज वारदात रंगारेड्डी जिले के आदिबटला थाने के मन्नेगुड़ा इलाके में हुई। परिवार के लोगों पर हमला कर एक युवती के अपहरण की घटना से हड़कंप मच गया है। बीच-बचाव करने वालों पर हमला किया गया। दामोदर रेड्डी और निर्मला दंपति का आरोप है कि कारों में 100 से अधिक युवकों के साथ आए नवीन रेड्डी उनकी बेटी को उठा ले गए। उन्होंने कहा कि अपहरण करने वालों घर के उपकरण, सीसीटीवी कैमरे और कारें नष्ट कर दिया। लड़की के परिवार के सदस्यों ने खुलासा किया कि उन्होंने नवीन रेड्डी के खिलाफ पहले आदिबटला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। घर पर हमले के दौरान पुलिस मदद के लि 100 नंबर पर फोन किया लेकिन पुलिस ने कोई जवाब नहीं दिया। युवती के परिजनों ने पुलिस के रवैये के विरोध में सागर रोड पर धरना दिया। इससे सागर हाईवे पर यातायात ठप हो गया। युवती के अपहरण की खबर लगते ही बड़ी संख्या में परिजन आ गए। नवीन रेड्डी से संबंधित टी-स्टाल को आग लगा दी गई । पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को काबू में किया। इन घटनाओं को लेकर मन्नेगुड़ा में आज दोपहर से तनाव बना हुआ है।

24 साल की वैशाली डेंटल डॉक्टर हैं। वे तुर्कंजाल नगर पालिका के तहत मन्नेगुडा सिरी टाउनशिप में रहते हैं। पहले से नवीन रेड्डी और वैशाली एक दूसरे को जानते है। हाल ही में वैशाली की एक युवक से सगाई हो गई। कुछ दिनों बाद जब शादी होने वाली थी तो अपहरण की यह घटना घटी। इस घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने विशेष टीमों के साथ डॉक्टर की तलाश शुरू कर दी।

सागर रोड के दोनों ओर परिजन व रिश्तेदार वैशाली को बचाने के धरना दिया और नारेबाजी की। मौके पर पहुंचे इब्राहिमपटनम एसीपी उमामहेश्वर राव के निर्देश पर ने पीड़ितों की शिकायत के आधार पर अपहरण का मामला दर्ज कर लिया गया।

बंडी संजय ने बीआरएस पार्टी को लेकर सीएम केसीआर पर निशाना साधा

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार ने आज टीआरएस पार्टी को बीआरएस पार्टी में तब्दील करने को लेकर मुख्यमंत्री केसीआर के खिलाफ आलोचनात्मक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि बीआरएस के गठन से तेलंगाना राज्य को केसीआर से छुटकारा पाने में मदद मिली है। उन्होंने केसीआर को टीआरएस पार्टी से तेलंगाना शब्द को हटाने और भारत के साथ बदलने के बाद राज्य में एक अमान्य निविदा के रूप में कहा और आश्चर्य व्यक्त किया कि क्या केसीआर की तरह अमान्य निविदा राष्ट्रीय राजनीति में एक वैध निविदा बन जाएगी। जगित्याल जिले के मेटपल्ली कस्बे में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने सीएम से पूछा कि उन्होंने तेलंगाना राज्य के विकास के लिए अब तक क्या किया? उन्होंने सीएम से यह भी पूछा कि अलग तेलंगाना राज्य के समय किए गए उनके वादों का क्या हुआ? उन्होंने मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत घरों की कुल संख्या का खुलासा करने की मांग की। उन्होंने मजाक उड़ाया कि केसीआर द्वारा पंजाब के किसान परिवारों को दिए गए चेक बाउंस हो गए। आगे संजय ने कहा कि वह आने वाले दिनों में सीएम को बेनकाब करेंगे और आरोप लगाया कि सीएम ने वर्ष 2009 में केंद्र सरकार से अलग तेलंगाना राज्य बनाने की मांग को लेकर फर्जी दीक्षा ली थी। उन्होंने कहा कि सीएम अब तेलंगाना की जनता को धोखा देने के बाद देश को ठगने की योजना बना रहे हैं. उन्होंने लोगों से वादा किया कि उनकी पार्टी आने के बाद मुफ्त शिक्षा और मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराएगी।

भारत की पहली फॉर्मूला ई रेस की मेजबानी करेगा हैदराबाद

नगर पुलिस आयुक्त ने रेस के आयोजकों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हुसैनसागर के आसपास सुरम्य ट्रैक पर 11 फरवरी को होने वाली भारत की पहली फॉर्मूला ई रेस की मेजबानी करने के लिए हैदराबाद तैयार है। नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने अपने कार्यालय में आयोजकों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। एफआईए तेलंगाना सरकार के सहयोग से मेगा इवेंट आयोजित करेगा, जिसमें दुनिया भर से 30,000 से 35,000 आगंतुकों के आने की उम्मीद है। सुरक्षा निदेशक स्कॉट एंडरसन के नेतृत्व में सूत्रीकरण ई प्रतिनिधिमंडल ने शहर के पुलिस प्रमुख और उनके प्रतिनिधियों के साथ औपचारिक बातचीत शुरू की। उन्होंने कहा कि उन्हें विकसित देशों में बड़े आयोजनों में युद्धरत भीड़ का व्यवहार हैदराबाद में कानून का पालन करने वाले नागरिकों-सह-प्रशंसकों को देखकर खुशी हुई, जो कि तुलना में पूरी तरह से विपरीत है। पक्षों ने सुरक्षा तैनाती, ट्रैफिक डायवर्जन, भीड़ प्रबंधन, आकस्मिक योजनाओं आदि के खाके पर विचार-विमर्श किया। योजना के अनुसार, फेडरेशन इंटरनेशनेल डी आई'ऑटोमोबाइल (एफआईए) सहायक कर्मचारियों के संचालन क्षेत्रों, प्रतिबंधित क्षेत्रों में आंतरिक सुरक्षा प्रदान करेगा।

टीम एजाइल ग्रुप की मदद- एक निजी सुरक्षा एजेंसी, जबकि समग्र पर्यवेक्षण और बाहरी सुरक्षा सिटी पुलिस द्वारा प्रदान की जाएगी, जिसमें तोड़फोड़ विरोधी जांच दल, बम निरोधक दस्ते, यातायात प्रबंधन, अन्य विशेष इकाइयों की तैनाती शामिल होगी। इसके अलावा, 2.8 किमी सर्किट ट्रैक के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरे लगाने और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी पुलिस और अन्य सुरक्षा भागीदारों द्वारा समय पर की जाएंगी। चूँकि यह बड़े, भावुक प्रशंसकों के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम है- रेसर्स और सपोर्ट स्टाफ, अन्य गणमान्य व्यक्तियों के लिए सभी लॉजिस्टिक व्यवस्थाएँ विभिन्न स्तरों पर की जा रही हैं। कार्यक्रम के इतर, आयोजकों ने पीपुल्स प्लाजा में एक गांव स्थापित करने की भी योजना बनाई है, जिसके लिए अतिरिक्त सुरक्षा कवर की मांग की गई है। सीपी आनंद ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा सर्वोपरि है और अधिक प्रवेश और निकास बिंदुओं की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। आंतरिक संचलन में सख्त सुरक्षा होना चाहिए और सभी बिंदुओं पर पर्याप्त और प्रशिक्षित कर्मियों को तैनात किया जाना चाहिए।

शहर की पुलिस, जिसे कई भीड़-भाड़ वाली घटनाओं के प्रबंधन का व्यापक अनुभव है। उन्होंने बताया कि टिकट जारी करते समय उत्पन्न डेटा का हवाला देकर भीड़ प्रबंधन कैसे किया जा सकता है, जिसमें दर्शकों का मार्ग, स्टैंड में उनका स्थान, पार्किंग स्लॉट, निकास मार्ग शामिल हैं। बैठक में मेडिकल टीमों, फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस आदि की तैनाती पर भी विचार-विमर्श किया गया। हैदराबाद पहली बार कार्रवाई में शामिल हुआ है। राज्य में इस प्रमुख कार्यक्रम की मेजबानी करना राज्य सरकार के नवाचार, महत्वाकांक्षा और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करता है ताकि बिजली के भविष्य की दिशा में बदलाव में तेजी लाई जा सके। शहर की पुलिस हर संभव सहायता करेगी और सुनिश्चित करेगी कि सुरक्षा उपायों को अधिकतम स्तर तक बढ़ाया जाए।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि फॉर्मूला ई सीजन 9 से 14 जनवरी को मैक्सिको सिटी में शुरू होगा और हैदराबाद 11 फरवरी, 2023 को चौथे दौर की मेजबानी करेगा। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में सूजी, ऑपरेशन्स, मिस्टर पॉल, स्वास्थ्य और सुरक्षा और मिस्टर मार्को, अतिरिक्त सीपी (एल एंड ओ), विक्रमसिंह मान, अतिरिक्त सीपी अपराध और एसआईटी, ए.आर. श्रीनिवास, ट्रैफिक, एल एंड ओ डीसीपी और एचएमडीए के अधिकारी, टीम एजाइल ग्रुप के प्रतिनिधि और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शी टीमों ने 111 छेड़खानी करने वालों को पकड़ा

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा शी-टीम्स ने पिछले चार हफ्तों में छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ 79 मामले (29 प्राथमिकी, 28 छोटे मामले और 22 परामर्श मामले) दर्ज किए और 41 नाबालिगों और 70 नाबालिगों में से 111 प्रतिवादी छेड़छाड़ करने वालों को गिरफ्तार किया। प्रतिवादी छेड़खानी करने वालों ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ कमिश्नर कैंप कार्यालय, अलकापुरी एक्स रोड्स, एलबी नगर में राचकोंडा एसएचई टीमों द्वारा आयोजित परामर्श सत्र में भाग लिया और उन्हें भूमिका महिला सामूहिक (एनजीओ) के पेशेवर परामर्शदाताओं द्वारा परामर्श दिया गया। कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों को पेशेवर मनोचिकित्सक डॉ. वासवी ने भी उनके व्यवहार में बदलाव लाने के लिए परामर्श दिया। एक नाबालिक का पिता द्वारा यौन शोषण का मामला सामने आया था। पीड़िता नाबालिग 13 वर्षीय कुशाईगुड़ा में 9 वीं कक्षा में पढ़ती है। बीते 27 नवंबर को जब शी टीम कुशाईगुडा राचकोंडा आयुक्तालय ने जेडपीएचएस, कापरा में स्कूली बच्चों के साथ गुड टच, बैड टच, ईव टीजिंग, मानव तस्करी के मामले आदि जैसे अपराधों के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया था। इसी दौरान में बैठक के बाद पीड़ित नाबालिग ने पूरी घटना का खुलासा किया। पीड़ित लड़की की माँ का कई वर्षों से स्वास्थ्य खराब चल रहा है। लड़की का पिता प्रशांत (31) आईजी कॉलोनी रोड, चेर्लापल्ली, कपरा मंडल, मेडचल-मल्काजगिरी जिले का रहने वाला है। पीड़ित के साथ उसका पिता अपनी कामुक इच्छाओं को पूरा करने का इरादा रखता था। पीड़िता की मां दिल की रोगी होने के कारण गोलियां खाकर गहरी नींद में थी। उस समय आरोपी ने पीड़िता के साथ दुर्व्यवहार किया और पिछले दो वर्षों से उसके साथ संभोग में भाग लिया और उसे धमकी दी कि वह मामले का खुलासा नहीं करेगी। लड़की ने मारे डर के मामले का खुलासा नहीं किया। शी टीम से भरोसा मिलने पर उसने कुशाईगुडा थाने मामला दर्ज कराया।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसी तरह एलबी नगर में एक 40 साल के शिक्षक वेंकट श्रीकांत कुमार द्वारा 10 वीं कक्षा में पढ़ने वाली 14 साल की छात्रा को परेशान करने का मामला सामने आया था। ट्यूशन मास्टर ने विषयों को पढ़ाते समय नाबालिग लड़की से उसका फोन नंबर ले लिया। आरोपी/ट्यूशन टीचर ने पीड़िता को टेलीग्राम एप में अश्लील मैसेज करना शुरू कर दिया।

सीआई और एसआई पर हत्या के आरोपियों का समर्थन करने का आरोप

राजन्ना-सिरिसल्ला, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चंदुर्ती सर्किल इंस्पेक्टर एस. श्रीलता और सब-इंस्पेक्टर एस. श्रीकांत को एक हत्या के मामले से निपटने में उनकी ओर से गंभीर विसंगतियां पाए जाने के बाद करीमनगर डीआईजी कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। यह कार्रवाई इस साल 16 जून को रुद्रांगी में नेवुरी नरसैया के रिश्तेदारों द्वारा दो अधिकारियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों के मद्देनजर की गई है, जिनकी कथित तौर पर उनके प्रतिद्वंद्वियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। चंदुर्ती सीआई श्रीलता और एसआई श्रीकांत पर आरोपियों का समर्थन करने का आरोप लगाते हुए उनके रिश्तेदारों ने शव के साथ रुद्रंगी पुलिस स्टेशन पर धरना दिया था। उस दिन रुद्रंगी थाने पहुंचे पुलिस अधीक्षक राहुल हेगड़े ने आरोपों की जांच के आदेश दिए और जांच रिपोर्ट के बाद सीआई और एसआई को डीआईजी कार्यालय में अटैच करने के आदेश जारी किए। श्रीलता को पहले करीमनगर महिला पुलिस स्टेशन में काम करने के दौरान निलंबित कर दिया गया था और भ्रष्टाचार के आरोप में बोइनपल्ली पुलिस स्टेशन से स्थानांतरित कर दिया गया है।

ट्रांसजेंडरों ने पुलिस फिटनेस टेस्ट में विशेष श्रेणी की मांग की

वारंगल, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यह मांग करते हुए कि पुलिस उन्हें पुरुष या महिला के बजाय लिंग में एक विशेष श्रेणी के तहत मानती है, लगभग एक दर्जन ट्रांसजेंडर लोगों ने काकतीय विश्वविद्यालय परिसर के सामने धरना दिया, जहां वजीफा कांस्टेबलों और उप-निरीक्षकों की भर्ती के लिए शुक्रवार को शारीरिक परीक्षण किया जा रहा था।

मीडिया से बात करते हुए, प्रदर्शनकारियों में से एक, तनुश्री ने कहा कि राज्य सरकार और तेलंगाना राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड ने पुलिस नौकरियों के लिए आवेदनों में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए तीसरा लिंग विकल्प प्रदान करने पर विचार नहीं किया है। उन्होंने पूछा कि हमें नौकरी के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस और सहनशक्ति साबित करने के लिए पुरुष समकक्षों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। यह ठीक नहीं है।

हम पुरुषों से कैसे मुकाबला कर सकते हैं क्योंकि हमने महिला शरीर की सर्जरी करवाई है?

राज्य सरकार को ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए एक अलग कॉलम बनाना चाहिए था। एम.कॉम स्नातक तनुश्री ने कहा कि हमें एक विशेष आरक्षण की आवश्यकता है। आधार कार्ड और वोटर आईडी में हमारे बदले हुए नाम हैं। लेकिन आवेदन में हमें अपना नाम और लिंग बताना है, जैसा कि कक्षा 10 के मेमो में बताया गया है। इसलिए हमने पुरुषों के रूप में आवेदन किया है लेकिन हम पहले ही पूरी तरह से बदल चुके हैं। हमें पुरुषों के साथ प्रतिस्पर्धा करना अनुचित है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के एनएएलएस जजमेंट 2014, ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) नियम, 2020 के अनुसार आरक्षण दिया जाना चाहिए।

तेलंगाना राज्य ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की सदस्य लैला ने कहा कि चौदह ट्रांसजेंडर व्यक्तियों ने पहली बार योग्यता प्राप्त की है। वे सभी सर्जरी के बाद पूरी तरह से बदल चुके हैं और उन्हें महिलाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए या चयन के लिए अलग मानदंड होना चाहिए। संपर्क करने पर, वारंगल के पुलिस आयुक्त (सीपी) एवी रंगनाथ ने कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय का एक उम्मीदवार शारीरिक परीक्षण के लिए उपस्थित हुआ है और परीक्षा में सफल नहीं हो सका।

आंप्र को दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें मिलेंगी

विशाखापट्टनम, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे द्वारा दक्षिण मध्य रेलवे को भेजी गई एक अधिसूचना के अनुसार आंध्र प्रदेश के लिए नई पीढ़ी की दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को मंजूरी दी गई है। पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन और विजयवाड़ा के बीच शुरू की जाएगी जो नए साल 2023 से चालू होगी। रेलवे अधिकारियों द्वारा ट्रैक अपग्रेडेशन पूरा करने के बाद जल्द ही आधिकारिक तारीख को अंतिम रूप दिया जाएगा। ट्रेन सिकंदराबाद से काजीपेट होते हुए विजयवाड़ा के लिए शुरू होगी। बाद में इसे विशाखापत्तनम तक बढ़ाया जाएगा। दूसरी वंदे भारत ट्रेन सिकंदराबाद और तिरुपति के बीच चलेगी। दक्षिण मध्य रेलवे इस ट्रेन को सिकंदराबाद से विजयवाड़ा होते हुए तिरुपति तक चलाना चाहता है। इस ट्रेन रूट पर व्यवहार्यता और स्टॉक की उपलब्धता के आधार पर निर्णय लिया जाना है। केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति और विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भी मंदिरों के शहर तिरुपति की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या को देखते हुए तिरुपति के लिए ट्रेन के लिए अनुरोध किया था।

प्रत्येक वंदे भारत में कुल 1,128 यात्रियों के बैठने की क्षमता है, जो स्वचालित दरवाजों से सुसज्जित हैं; एक जीपीएस-आधारित ऑडियो-विजुअल यात्री सूचना प्रणाली, मनोरंजन उद्देश्यों के लिए ऑनबोर्ड हॉटस्पॉट वाई-फाई और आरामदायक बैठने की सुविधा। वंदे भारत एक्सप्रेस 160 किमी प्रति घंटे की अधिकतम व्यावसायिक गति तक चल सकती है।

फिलहाल सिकंदराबाद-विजयवाड़ा ट्रैक पर काजीपेट के रास्ते ट्रेन अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकती है।

भारतीयों के दिलों में एक विशेष स्थान रखते हैं भारतीय सशस्त्र बल : राज्यपाल

आंप्र राजभवन में सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने शुक्रवार को यहां राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में सशस्त्र सेना झंडा दिवस समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर बोलते हुए, राज्यपाल हरिचंदन ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल सभी भारतीयों के दिलों में एक विशेष स्थान रखते हैं और सशस्त्र सेना झंडा दिवस ऐसा ही एक विशेष अवसर है, जब उनकी वीरता, कर्तव्य के प्रति समर्पण और बाहरी और आंतरिक खतरे के विरोध में सर्वोच्च आदेश का अनुपालन को सलाम किया जाता है। राज्यपाल ने कहा कि सशस्त्र बलों के जवानों ने हमारे विरोधियों द्वारा हम पर थोपे गए कई युद्ध लड़े और कर्तव्य की वेदी पर सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि वे न केवल हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं बल्कि आंतरिक गड़बड़ी, प्राकृतिक आपदा जैसी कठिन परिस्थितियों में भी हमारे बचाव में आते हैं और देश उनके प्रति कृतज्ञ है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे आगे आएं और सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक दान करें, जिसका उपयोग भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की जरूरतों के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर, राज्यपाल हरिचंदन ने चित्तूर जिले के लांस नायक स्वर्गीय के. देवेंद्रन की पत्नी वीर नारिस डी. ईश्वर्या, श्रीकाकुलम

जिले के नाइक स्वर्गीय रामाराव की पत्नी वी. लक्ष्मी, सिपाही दिवंगत चौधरी की पत्नी पी. सत्यकला, पूर्वी गोदावरी जिले के रामकृष्ण, सोवर दिवंगत डी. किरण कुमार रेड्डी की पत्नी बी.ममता को सम्मानित किया। राज्यपाल ने युद्ध में दिव्यांग सैनिकों नाइक सुभान शेख, सिपाही एल. बालाजी और वीरता पुरस्कार विजेता सिपाही अंजनेयुलु डोड्डा और द्वितीय विश्व युद्ध के वयोवृद्ध एन/ओआरडी एन. नागभूषणम को भी एक स्मृति चिन्ह और 25,000 रुपये के नकद अनुदान से सम्मानित किया। राज्यपाल ने वी. प्रसन्ना वेंकटेश, कलेक्टर, एलुरु जिला, पी. प्रशांति, कलेक्टर, पश्चिम गोदावरी जिला और केवीएस प्रसाद राव, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, एलुरु और पश्चिम गोदावरी जिलों को 2021 में सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष के लिए उच्चतम संग्रह प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों और आश्रितों के कल्याण के लिए समर्पित सेवाओं के लिए सैनिक कल्याण विभाग के अधिकारियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र भी प्रदान किए। इससे पहले, राज्यपाल ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान के लिए एक लाख रुपये का चेक सौंपा। आंध्र प्रदेश राजभवन के अधिकारी और कर्मचारी भी झंडा दिवस कोष में दान देने के लिए आगे आए हैं। राज्यपाल वी. प्रसन्ना वेंकटेश, कलेक्टर, एलुरु जिला, चलसानी बाबू राजेंद्र प्रसाद, भोगेश्वर राव द्वारा की गई अपील से प्रेरित होकर सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष में प्रत्येक ने 1-1 लाख रुपये का दान दिया। गृह, आपदा प्रबंधन और सैनिक कल्याण मंत्री तनेती वनिता, लेफ्टिनेंट जनरल के.जी. कृष्णा (सेवानिवृत्त) पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम, आरपी सिसोदिया, राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव, हरीश कुमार गुप्ता, प्रमुख सचिव, गृह विभाग, ब्रिगेडियर् वी. वेंकट रेड्डी (सेवानिवृत्त) वीएसएम, सैनिक कल्याण के निदेशक, कई सेवारत और सेवानिवृत्त रक्षा कर्मी उपस्थित थे।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.